@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 14 सितंबर 2024

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 309 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

चंडीगढ़ हैंड ग्रेनेड अटैक पाकिस्तानी सेना का था हैंड ग्रेनेड

चंडीगढ़, 13 सितंबर। चंडीगढ़ के सेक्टर-10 में मकान नंबर-575 में बीते बुधवार को ग्रेनेड हमला करने के मुख्य आरोपी रोहन मसीह को पंजाब पुलिस के स्टेट ऑपरेशन सेल ने शुक्रवार को अमृतसर से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 9 एमएम ग्लॉक पिस्टल बरामद की गई। आरोपी अमृतसर के गांव पासिया का रहने वाला है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में हमला करने की बात कबूल की है। डीजीपी ने बताया कि आईएसआई और बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के पाकिस्तान में बैठे आतंकी हरविंदर रिंदा के इशारे पर अमेरिका से गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया ने इस हमले का प्लान बनाकर इससे अंजाम तक पहुंचाया। आईएसआई ने पासिया के गुर्गों को ड्रोन के जरिये हथियार व पैसे मुहैया करवाए। एआईजी स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी रोहन और उसका साथी पहले अमृतसर गए और फिर दोनों अलग-अलग हो गए। रोहन पहले अपनी जान-पहचान वाले किसी व्यक्ति के पास खन्ना गया था, लेकिन वहां से अमृतसर लौट आया। उसने जम्मू-कश्मीर जाने की योजना बनाई थी, जहां उसे गिरफ्तार कर लिया गया। रोहन ने दूसरे आरोपी के बारे में भी इनुपट दिए हैं, जिस पर लगातार छापे मारे जा रहे हैं। गौरतलब है कि बीते बुधवार शाम चंडीगढ़ के सेक्टर-10 में दो अज्ञात हमलावरों ने हैंड ग्रेनेड फेंका था और चंडीगढ़ पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घटना स्थल की जांच की। खुलासा हुआ था कि दो ऑटो-रिक्शा में आए थे और उनमें से एक व्यक्ति ने वहां हैंड ग्रेनेड फेंका। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि तहकीकात में यह बात सामने आई है कि आईएसआई ने हैप्पी पासिया के गुर्गों को ड्रोन के जरिये बॉर्डर पार करा मिलिट्री ग्रेड का हैंड ग्रेनेड उपलब्ध करवाया। हैप्पी के गुर्गों ने हमलावरों तक हथियार व हैंड ग्रेनेड पहुंचाए। पंजाब पुलिस उन लोगों की भी तलाश में है, जिन्होंने हथियार हमलावरों तक पहुंचाए। जांच में सामने आया है कि आरोपी रोहन पिछले कुछ वर्षों से जम्मू-कश्मीर में काम कर रहा था। एक ही गांव का होने के कारण वह हैप्पी पासिया को जानता था।

हौसला टूटा नहीं, 100 गुना बढ़ा, मेरा जीवन देश के लिए समर्पित: केजरीवाल

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 13 सितंबर। तिहाड़ से बाहर निकलते ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हुंकार भरी कि वह टूटे नहीं, बल्कि उनका हौसला 100 गुना से भी ज्यादा बढ़ गया है। शुक्रवार शाम तेज बारिश और कार्यकर्ताओं के जोश के बीच आत्मविश्वास से लबरेज केजरीवाल ने कहा कि उनका जीवन देश के लिए समर्पित है। जो भी राष्ट्र विरोधी ताकतें देश के विकास को रोक रही हैं, देश को बांटने का काम कर रही हैं, वह उनके खिलाफ वह लड़ते रहेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का स्वागत करने तिहाड़ जेल से बाहर पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, सांसद संजय सिंह व डॉ. संदीप पाठक, मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज समेत आप के कई नेता पहुंचे। इस मौके पर बड़ी संख्या में आप कार्यकर्ता भी मौजूद थे। तिहाड़ से बाहर निकलते ही कार्यकर्ताओं ने जेल के ताले टूट गए, केजरीवाल छूट गए, भ्रष्टाचार का एक ही काल, केजरीवाल-केजरीवाल के नारे लगाए। साथ में आतिशबाजी कर केजरीवाल का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं के जोश का जवाब केजरीवाल ने अपने अंदाज में दिया। वंदे मातरम और इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगवाने के बाद केजरीवाल ने अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने ईश्वर का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि वह उन लाखों-करो ?ों लोगों का भी शुक्रिया अदा करते हैं, जिन्होंने उनके लिए मन्नतें मांगी, दुआएं की, आशीर्वाद भेजे और प्रार्थनाएं कीं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद अब आम आदमी पार्टी (आप) की सियासी

सक्रियता बढ़ेगी। केजरीवाल के हरियाणा चुनाव के सियासी अखाड़े में उतरने से आप का चुनावी अभियान तेज होगा। प्रदेश में अपने दम पर लड़ रही आप के संयोजक केजरीवाल रैलियों, रोड शो, नुक्कड़ सभाओं के जरिये अपने उम्मीदवारों के हक में सियासी हवा बनाएंगे। इसके लिए पार्टी रणनीतिकारों ने होमवर्क शुरू कर दिया है। उधर, विधानसभा चुनाव के मुहाने पर खड़ी दिल्ली के आप कार्यकर्ताओं में भी जोश है। हरियाणा चुनाव के बाद आप की दिल्ली की तैयारी भी पटरी पर होगी। पांच अक्तूबर को होने वाले हरियाणा चुनाव में अभी 20 दिन से ज्यादा बचे हैं। भाजपा व कांग्रेस के अलावा प्रदेश में भारतीय राष्ट्रीय लोकदल, जननायक जनता पार्टी भी मैदान में है। वहीं, कांग्रेस के साथ समझौता न होने से आप ने भी सभी 90 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। दिलचस्प यह है कि दिल्ली की सत्ता हासिल करने के बाद से ही आप हरियाणा में अपना विस्तार करने की योजना पर काम कर रही है। 2019 के बाद से इस प्रक्रिया को सघन किया है। पार्टी रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का गृह प्रदेश और दिल्ली व पंजाब का सीमावर्ती प्रदेश होने से इस बार उसकी दावेदारी बेहतर होगी। हरियाणा चुनाव की घोषणा होने के बाद से केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने अभियान की कमान संभाल रखी थी। जमानत मिलने के बाद से मनीष सिसोदिया का दखल भी प्रदेश में बढ़ा था। आप के दूसरे नेता भी चुनावी अभियान का हिस्सा थे। फिर भी, पार्टी रणनीतिकारों पर अरविंद केजरीवाल की गैर-मौजूदगी भारी पड़ रही थी। केजरीवाल की जमानत से पूरी पार्टी को मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली है। माना जा रहा है कि केजरीवाल के हाथ में चुनाव की कमान जाने से संगठन मजबूती के साथ एकजुट होगा।

सुप्रीम कोर्ट अपने हाथ में ले अदाणी मामले की जांच का नियंत्रण: जयराम रमेश

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 13 सितंबर। कांग्रेस ने अदाणी मामले में कहा कि घोटाले की जांच का नियंत्रण सुप्रीम कोर्ट के पास होना चाहिए और इस मामले में जेपीसी का भी गठन हो। कांग्रेस ने उन रिपोर्टों का हवाला दिया जिनमें दावा किया गया है कि स्विस अधिकारियों ने अदाणी के एक कथित प्रतिनिधि की 311 मिलियन अमेरिकी डॉलर (2,610 करोड़ रुपये) की राशि जब्त कर ली है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि आज सुबह की खबरों से पता चला है कि स्विस लोक अभियोजक कार्यालय ने 311 मिलियन अमेरिकी डॉलर वाले पांच खातों को फ्रीज कर दिया है, जो लंबे समय से अदाणी के विश्वासपात्र चांग चुंग-लिंग के हैं। यह कार्रवाई 28 दिसंबर, 2021 को स्विट्जरलैंड के मनी लॉन्ड्रिंग रिपोर्टिंग ऑफिस की तरफ से शुरू की

गई जांच के बाद की गई है। अमेरिका में मौजूद शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में स्विस मीडिया आउटलेट की तरफ से रिपोर्ट और नए जारी किए गए स्विस आपराधिक रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि स्विस अधिकारियों ने अदाणी में मनी लॉन्ड्रिंग और प्रतिभूति जालसाजी की जांच के तहत कई स्विस बैंक खातों में 310 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की धनराशि फ्रीज कर दी है। रिपोर्ट का हवाला देते हुए हिंडनबर्ग ने कहा, अभियोक्ताओं ने विस्तृत रूप से बताया कि कैसे अदाणी के एक फ्रंटमैन ने अपारदर्शी बीवीआई/मॉरीशस और बरमूडा फंड में निवेश किया, जिसके पास लगभग विशेष रूप से अदाणी के शेयर थे। हालांकि अदाणी समूह ने आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि स्विस अदालत की किसी भी कार्यवाही में उसकी कोई संलिप्तता नहीं है। मामले में अदाणी समूह ने कहा, हम सभी निराधार आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं और उनका खंडन करते हैं। अदाणी समूह का स्विस अदालत की किसी भी कार्यवाही में कोई संलिप्तता नहीं है और न ही हमारी कंपनी के किसी भी खाते को किसी प्राधिकरण की तरफ से जब्त किया गया है। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्विस अदालत ने कथित तौर पर पाया कि चांग और उनके सहयोगी बाजार में हेरफेर में शामिल थे, ऐसा कुछ जिसका आरोप अदाणी समूह पर कई वर्षों से लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्विस जांचकर्ताओं ने दावा किया है कि ये खाते जालसाजी, क्रेडिट धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल हैं।

सेबी प्रमुख के खिलाफ लोकपाल में शिकायत: महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली, 13 सितंबर। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच के खिलाफ शुक्रवार को लोकपाल में एक शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने खुद फायदा पाने के एवज में दूसरों को गलत तरह से लाभ पहुंचाया जिससे राष्ट्रीय हितों को गंभीर खतरा पहुंचा। महुआ ने 'एक्स' पर लिखा, माधबी पुरी बुच के खिलाफ लोकपाल में मेरी शिकायत इलेक्ट्रॉनिक तरीके से और भौतिक रूप में दाखिल की गई है। लोकपाल को 30 दिन के अंदर इसे प्रारंभिक जांच के लिए सीबीआई या ईडी को भेजना चाहिए और फिर पूरी तरह प्राथमिकी दर्ज कर जांच होनी चाहिए। इसमें शामिल हर एक व्यक्ति को तलब करने और हर कड़ी की जांच की जरूरत है। उन्होंने तीन पन्ने के पत्र में कहा कि यह मुद्दा राष्ट्रीय हित और करोड़ों निवेशकों के हितों से जुड़ा है, इसलिए मामले की जांच होनी चाहिए। अगस्त में अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने आरोप लगाया था कि उसे संदेह है कि अदाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की अनिच्छा का कारण यह हो सकता है कि इसकी प्रमुख माधबी पुरी बुच की समूह से जुड़े विदेशी कोष में हिस्सेदारी है। इस आरोप को सेबी प्रमुख ने 'निराधार' बताया जबकि अदाणी समूह ने कहा कि उसका बुच के साथ कभी कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं रहा। तृणमूल कांग्रेस ने पहले मांग की थी कि सेबी अध्यक्ष को निलंबित किया जाए। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि कुछ लोग यह धारणा बनाने में जुटे थे कि अवाम की भलाई पड़ोसी के साथ है। मगर, लोकसभा चुनाव में अवाम ने 58 फीसदी से ज्यादा मतदान कर नैरेटिव को नकार दिया है और भारत के लोकतंत्र में पूरी आस्था जताई है।

हरियाणा और महाराष्ट्र में होगा सत्ता परिवर्तन: पूर्व सीएम चव्हाण

सौरभ शर्मा

मुंबई, 13 सितंबर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र और हरियाणा में सत्ता परिवर्तन होगा। इसका असर केंद्र की एनडीए गठबंधन सरकार पर भी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में महिलाएं केवल लड़की बहन योजना के कारण भाजपा को वोट नहीं देंगी। विपक्ष के महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में तनाव पर उन्होंने कहा कि अब तक फॉर्मूला रहा है कि सबसे अधिक सीटों वाली पार्टी को पद मिलता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने 48 में से 65 प्रतिशत सीटें जीतीं, जिसका मतलब है कि 288 विधानसभा सीटों में से 183 सीटें। विधानसभा चुनावों में हम बेहतर प्रदर्शन करेंगे। सरकार ने महंगाई, बेरोजगारी, किसान संकट, भ्रष्टाचार से संबंधित मुद्दों पर कोई ध्यान नहीं दिया। शिवसेना और एनसीपी के बंटवारे के बाद पाला बदलने वाले विधायकों को मतदाताओं को जवाब देना होगा। चव्हाण ने कहा कि कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद) का एमवीए गठबंधन भ्रष्टाचार को लेकर आवाज उठाएगा। शिवाजी महाराज की मूर्ति (जो सिंधुदुर्ग जिले में गिरी थी) के टेंडर में भ्रष्टाचार

के आरोप के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस मूर्ति को बनाने में तीन साल लगने चाहिए थे, उसे तीन महीने में पूरा करने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि लड़की बहन योजना कांग्रेस का विचार था। हमने इसका वादा किया था और कर्नाटक और तेलंगाना में इसे लागू किया गया था। सत्तारूढ़ महायुति दावा कर रही है कि उसकी लड़की बहन योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये का भुगतान किया जाता है। यह योजना चुनावों में गेमचेंजर साबित होगी। चव्हाण ने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है। उसके पास लड़की बहन योजना के अलावा देने के लिए कुछ भी नहीं है। सरकार बदलापुर मामले, शिवाजी महाराज की मूर्ति के संबंध में भ्रष्टाचार, किसानों की आत्महत्या और बेरोजगार शिक्षित युवाओं की समस्याओं में जवाबदेही से बच नहीं सकती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस 2014 से पांच साल तक मुख्यमंत्री रहे, लेकिन तब ऐसी कोई योजना पेश नहीं की गई। अब भाजपा घबराहट की स्थिति में सोच रहे हैं कि महिलाएं 1,500 रुपये की सहायता के कारण उसे वोट देंगी। वे सपनों की दुनिया में जी रहे हैं। कांग्रेस गुप्त बातें नहीं कर रही है। हमने कर्नाटक और तेलंगाना में महिलाओं की वित्तीय सहायता लागू की है।

75 फीसदी लोगों ने काम को न सराहा तो दे दूंगा इस्तीफा: उपराज्यपाल सिन्हा

तेजिन्दर कौर बब्बर

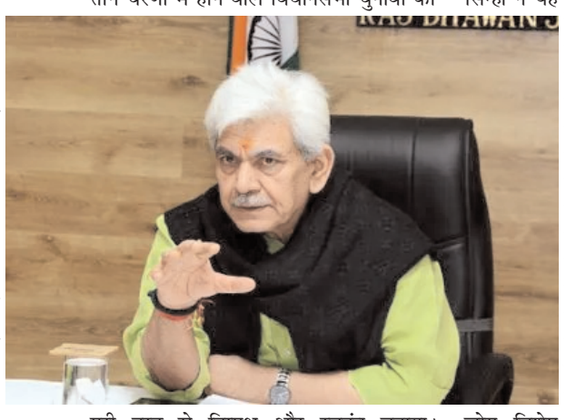

श्रीनगर, 13 सितंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की राजा की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि कश्मीर में सीक्रेट बैलेट (गुप्त मतदान) करा लें, दिमाग के दरवाजे खुल जाएंगे। एक निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम में सिन्हा ने कहा कि अगर 75 फीसदी से अधिक लोगों ने पिछले पांच साल में किए गए कल्याणकारी कार्यों को स्वीकार नहीं किया, तो वह इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद लोगों की राय जानने के लिए गुप्त मतदान का प्रस्ताव रखते हुए कहा, राहुल लोगों की राय ले सकते हैं। सिन्हा ने कहा, घाटी के लोगों ने भी भारत के लोकतंत्र में आस्था व्यक्त की अब उन्हें अपना भविष्य लोकतंत्र के साथ नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने वाली कोई भी पार्टी मेरा पूरा समर्थन करेगी। केंद्र शासित प्रदेशों में उपराज्यपाल के पास ऐसी शक्तियां हैं। सिन्हा ने तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों को

पूरी तरह से निष्पक्ष और स्वतंत्र बताया। उपराज्यपाल की शक्ति बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पर सवाल उठाना उचित नहीं है। प्रत्येक केंद्र शासित प्रदेश में इस तरह की शक्तियां उपराज्यपाल के पास होती हैं। जो भी सरकार आएगी, उसे मेरा पूरा समर्थन होगा। सिन्हा ने यह भी कहा कि जो लोग न्यायालयों पर सवाल उठा रहे हैं, यह ठीक नहीं है। कीचड़ में पत्थर गिरता है, तो छींटे खुद पर ही पड़ते हैं। लोगों को इस तरह की बातों से बचना चाहिए। दरअसल, कुछ दिनों पहले जम्मू संभाग के रामबन जिले में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने सिन्हा को राजा कहकर तंज कसा था। सिन्हा ने लोकसभा चुनावों में रिकॉर्ड मतदान को पाकिस्तान की साजिश के खिलाफ लोगों के विरोध व भारतीय लोकतंत्र में उनके विश्वास के रूप में जोड़ा। सिन्हा ने कहा, जम्मू-कश्मीर के लोग, विशेष रूप से घाटी के लोग भारत के लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं। सिन्हा ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव पूरी तरह से भयमुक्त और स्वतंत्र रूप से होंगे।

आंदोलनकारी डॉक्टरों का राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी को पत्र

कोलकाता, 13 सितंबर। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर की हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। डॉक्टरों ने पत्र में आरजी कर मामले में मृत चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों को न्याय दिलाने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की है। डॉक्टरों ने पत्र में लिखा है कि हम देश के प्रमुख के तौर पर आपके समक्ष मुद्दा रखते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे जो सहयोगी अपराध का शिकार हुए हैं, उनको न्याय मिले। आपके हस्तक्षेप के बाद ही पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग के तहत स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर भय और आशंका के बिना जनता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में सक्षम हो सकते हैं। उन्होंने लिखा कि कठिन समय में आपका हस्तक्षेप हमारे लिए प्रकाश की किरण के रूप में काम करेगा। जो हमें अंधेरे से बाहर निकलने का रास्ता दिखाएगा। पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट द्वारा लिखे गए चार पन्नों के पत्र की प्रतियां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को भी भेजी गईं। डॉक्टर अनिकेत महतो ने बताया कि पत्र को महीने की शुरुआत में तैयार किया गया था और गुरुवार रात को भेजा गया। गौरतलब है, अस्पताल के सेमिनार कक्ष में नौ अगस्त को प्रशिक्षु डॉक्टर का शव मिलने के बाद से घटना के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन हो रहे हैं। पुलिस ने इस सिलसिले में कोलकाता पुलिस के नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को गिरफ्तार किया था। टीएमसी सरकार और पश्चिम बंगाल पुलिस कठघरे में है। सुप्रीम कोर्ट से लगातार फटकार लग रही है। तनाव बढ़ता देख कलकत्ता हाईकोर्ट ने 13 अगस्त को जांच सीबीआई को सौंप दी थी।

मंडी मस्जिद विवाद: गिराना पड़ेगा अवैध निर्माण, नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने सुनाया फैसला

नरेश मल्होत्रा

मंडी, 13 सितंबर। हिमाचल प्रदेश के मंडी में जेल रोड मस्जिद मामले पर नगर निगम के आयुक्त कोर्ट ने शुक्रवार को अंतिम फैसला सुना दिया। एमसी मंडी आयुक्त एचएच राणा ने कहा कि मस्जिद के अवैध ढांचे को 30 दिन के भीतर पुराने स्वरूप में लाना होगा। आयुक्त कोर्ट ने माना कि मुस्लिम वेलफेयर कम्युनिटी को पर्याप्त समय देने के उपरांत जब अनुकूल परिणाम सामने नहीं आए तो एचपीटीसीपी अधिनियम 31 (1) के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उल्लंघनकर्ताओं को विवादित स्थान को उसके मूलस्वरूप जैसा कि निर्माण से पहले का था, में 30 दिनों के भीतर लाने का आदेश पारित किया गया। इस दौरान दर्ज वार्तालाप में उल्लंघनकर्ताओं ने उक्त स्थान को उसके पूर्व स्थिति में लाने के लिए अपनी वचनबद्धता दोहराई। साथ ही पूरी प्रक्रिया को अपनाने के लिए पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। ऐसे में मुस्लिम वेलफेयर कम्युनिटी को बिना नक्शा पास करवाए किए अवैध निर्माण ढांचे को गिराना पड़ेगा। बता दें कि मामले को लेकर उल्लंघनकर्ताओं को गलतियों को सुधारने के लिए

अक्तूबर 2023 से अक्तूबर 2024 का पर्याप्त समय दिया गया था। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान मुस्लिम वेलफेयर कम्युनिटी की तरफ से प्रधान और दो वकील पेश हुए। अक्तूबर 2023 में धनश्याम पुत्र टोडरमल ने निगम को पत्र लिखकर मस्जिद के अवैध निर्माण की जानकारी दी। निगम ने मौके पर पहुंच तथ्यों की जांच की तो पाया कि निर्माण कार्य किया जा रहा है। तब मस्जिद के पदाधिकारियों ने बताया था कि जून-जुलाई में हुई भारी बरसात के कारण मस्जिद का कुछ हिस्सा गिर गया था, जिसे ठीक कर रहे हैं। इस पर निगम ने निर्माण से पूर्व नक्शे की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए कहा लेकिन उन्होंने लंबे समय तक जमा नहीं करवाया। अक्तूबर 2023 में ही मस्जिद पदाधिकारियों ने संशोधित नक्शा नगर निगम में जमा करवाया। जांच पर उक्त नक्शे में कई कमियां पाई गईं। इस पर निगम के अधिकारियों ने एचपीटीसीपी के तहत नक्शे को पुन: दुरुस्त कर जमा करने के लिए कहा। लेकिन मस्जिद की तरफ से किसी भी प्रकार की कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। 2024 जून में निगम के अधिकारियों ने मौके पर निरीक्षण किया और पाया कि उक्त स्थान पर अवैध रूप से और बिना सूचना के दो मंजिला भवन का निर्माण कर दिया गया है। इस पर कड़ा संज्ञान लेते नगर निगम ने काम को तत्काल बंद करने का नोटिस जारी किया। लेकिन जब निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो निर्माण सामग्री जब्त कर ली। 2024 जुलाई में पुन: मामले की जांच आरंभ कर एक बार फिर भवन को एचपीटीसीपी नियमों के तहत लाने के लिए आदेश निगम ने दिए।

डॉक्टरों की हड़ताल के दौरान मौत पर पीड़ित परिजनों को 2 लाख रुपये की राहत की घोषणा: ममता बनर्जी

कोलकाता, 13 सितंबर। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान के कारण मरने वाले मरीजों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये की राहत की घोषणा की। बता दें कि कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर से साथ दरिंदगी के विरोध में राज्य में जूनियर डॉक्टरों का हड़ताल अभी भी जारी है। पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल के कारण स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान के कारण मरने वालों के परिवारों के लिए वित्तीय राहत की घोषणा की है। नौ अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के बाद से राज्य और पूरे देश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया गया। जो अभी भी राज्य में बड़े स्तर पर जारी है। प्रदर्शनकारी पीड़िता के लिए न्याय और चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानून की मांग कर रहे हैं। वहीं इस मामले में सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान ने 29 लोगों की जान ले ली। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा- यह दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि जूनियर डॉक्टरों की तरफ से लंबे समय तक काम बंद रखने के कारण स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान के कारण हमने 29 कीमती जानें खो दी हैं। शोक संतप्त परिवारों की मदद करने के लिए, राज्य सरकार प्रत्येक मृतक के परिवार के सदस्यों को 2 लाख रुपये की वित्तीय राहत की घोषणा करती है। बता दें कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले विरोध करने वाले डॉक्टरों से काम पर लौटने का आग्रह किया था। वहीं गुरुवार को जूनियर डॉक्टरों के साथ बैठक भी करने की कोशिश की, जो जूनियर डॉक्टरों की वजह से सफल नहीं हुआ। जिसके बाद उन्होंने पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की इच्छा भी जताई थी। वहीं आज कोलकाता के जूनियर डॉक्टरों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चार पन्नों का पत्र भेजा था, जिसमें प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की गई थी। जूनियर डॉक्टरों ने पत्र में लिखा- हम विनम्रतापूर्वक महामहिम के समक्ष अपने मुद्दों को रख रहे हैं, ताकि हमारे दुर्भाग्यपूर्ण सहयोगी जो सबसे घृणित अपराध का शिकार हुई हैं

इस्लामिक जिहाद के तीन वरिष्ठ आतंकवादी मारे गए : आईडीएफ

एजेंसी

तेल अवीव। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि वेस्ट बैंक के तुल्कर्म शहर में हवाई हमले में फिलिस्तीनी कट्टरपंथी समूह इस्लामिक जिहाद के तीन वरिष्ठ आतंकवादी मारे गए। आईडीएफ ने कहा कि हमला तब किया गया जब फिलिस्तीनी कट्टरपंथी एक कार में सवार थे। इसने कहा कि मारे गए आतंकवादी गोलीबारी और विस्फोटक उपकरणों से जुड़े आतंकवादी हमलों के साथ-साथ आतंकवादियों को भेजने और इजरायली बस्तियों और सुरक्षा बलों पर हमले की तैयारी के लिए जिम्मेदार थे।

विश्व प्रसिद्ध गायिका कैटरिना वैलेंटे का 93 वर्ष की आयु में निधन

बर्न (स्विट्जरलैंड)। विश्व प्रसिद्ध गायिका कैटरिना वैलेंटे का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। स्विस इंफो.सीएच ने उनके प्रेस प्रवक्ता गुंथर ह्यूबर के हवाले से यह खबर दी। ह्यूबर ने बताया कि वह स्विट्जरलैंड के लुगानो में अपने घर पर रहती थीं। उन्होंने नौ सितंबर को अंतिम सांस ली। उन्हें ऑल पेरिस इज ड्रीमिंग ऑफ लव की प्रस्तुति से दुनिया भर ख्याति मिली। अपने लंबे करियर में वैलेंटे ने मुख्य रूप से 1950 और 1960 के दशक में सदाबहार गीत गाए। उनमें गैंज पेरिस ट्रौमट वॉन डेर लीबे, त्सचाऊ, त्सचौ, बम्बिना या इट्सी बिट्सी टीनी वेनी होनोलूलू स्ट्रैंडबिकिनी प्रमुख हैं। उन्होंने जर्मन, इतालवी, फ्रेंच, अंग्रेजी और कई अन्य भाषाओं में गाने गाए। उन्होंने चांसन, जैज और पॉप गीतों को नया अंदाज देकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 2005 में वह निजी जीवन में चली गईं और फेसबुक पर सक्रिय रहीं।

नेपाल ने भारत से पोखरा और भैरहवा एयरपोर्ट के लिए मांगे नए हवाई रूट

काठमांडू। नेपाल ने अपने दो नए एयरपोर्ट से विमानों के संचालन के लिए भारत से नए हवाई रूट की मांग की है। भारत दौरे पर गए नेपाल सरकार के मंत्री ने भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री आर नायडू से मिलकर हवाई रूट को लेकर भारत से आग्रह किया है। नेपाल के नागरिक उड्डयन मंत्री बद्री पांडे ने आज नई दिल्ली में भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री आर नायडू से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान नेपाल के मंत्री ने दो नए एयरपोर्ट से विमान संचालन के लिए भारत से मदद मांगी है। उन्होंने कहा कि पोखरा और भैरहवा में बने दो नए अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का संचालन भारत की मदद के बिना असंभव है। इस मुलाकात के बारे में बद्री पांडे ने कहा कि अगर भारत की तरफ से नए एयर रूट उपलब्ध करा दिए जाते हैं तो पोखरा और भैरहवा एयरपोर्ट का संचालन शुरू हो सकता है।

एक क्विंटल सोने की तस्करी मामले में कैसिनो संचालक चीनी नागरिक गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के चर्चित एक क्विंटल सोने की तस्करी के मामले में केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने काठमांडू के एक कैसिनो संचालक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया है। सोने की तस्करी के मामले में गठित जांच आयोग की सिफारिश के बाद यह गिरफ्तारी हुई है। सीआईबी ने रात को काठमांडू के थमेल में रहे कैसिनो वाल्डो के संचालक टेरेंस तिएसी को गिरफ्तार किया है। सीआईबी के प्रमुख एआईजी दीपक थापा ने बताया कि सरकार द्वारा सोने की तस्करी को लेकर गठित जांच आयोग की सिफारिश के बाद वाल्डो कैसिनो पर छापामारी कर संचालक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि एक क्विंटल सोने की खेप के बदले पैसे को इसी कैसिनो के जरिए चीन भेजे जाने का पुख्ता सबूत मिला है। सीआईबी प्रमुख थापा ने बताया कि एक क्विंटल सोने की तस्करी में प्रमुख आरोपित रहे चीनी नागरिक याओ पूचिंग सहित इस मामले में गिरफ्तार अन्य तस्करों का इस कैसिनो में लगातार आना जाना था। सीसीटीवी फुटेज में सोने के तस्करों का कैसिनो में आने और पैसे को जमा करने की रिकार्डिंग सीसीटीवी में मौजूद होने के कारण यह गिरफ्तारी हुई है।

ब्रिटेन की रॉयल नेवी ने रूसी जहाजों को घेरा : रक्षा मंत्रालय

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की रॉयल नेवी ने रूसी जहाजों को घेरा, जबकि रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) ने दो रूसी विमानों को रोका। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

हालांकि मॉस्को कई बार कह चुका है कि रूसी हवाई बल के विमानों की सभी उड़ानें अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र नियमों का सख्त पालन करती हैं। मंत्रालय ने कहा कि एचएमएस आयरन ड्यूक और एचएमएस टाइन ने ब्रिटेन के जल क्षेत्र में चार रूसी जहाजों को घेरा और आरएएफ जेट विमानों ने एक रूसी बियर विमान को रोका, जो ब्रिटेन के जलक्षेत्र में आ रहा था।

इसने कहा कि दो आरएएफ टाइफून ने यूके के पास परिचालन कर रहे दो रूसी बियर-एफ विमानों को रोकने के लिए एक वोयाजर की मदद से संघर्ष किया। मंत्रालय ने कहा कि आरएएफ जेट को नाटो कमांड के अंतर्गत लॉन्च किया गया था और अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र से

गुजरते समय विमान की निगरानी के लिए हमारे सहयोगियों के साथ मिलकर काम किया। हमारे टाइफून सेनानियों ने रूसी विमान को ब्रिटेन के उड़ान क्षेत्र से बाहर निकाला और रूसी विमान को ब्रिटेन के संप्रभु हवाई क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने दिया।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने यह भी कहा कि नाटो सहयोगियों के साथ छह दिवसीय अभियान में, पोर्ट्समाउथ स्थित पोत एचएमएस आयरन ड्यूक ने डोवर स्ट्रेट के माध्यम से और अटलांटिक में रूस की किलो-श्रेणी की पनडुब्बी नोवोरोस्सिएस्क और उसके सहायक टग एवगेनी चुरोव को घेरा।

इजरायल के गिलोट बेस पर हिजबुल्लाह ने किया जवाबी हमला, 22 सैनिकों की मौत

एजेंसी

तेल अवीव। तेल अवीव के उपनगरीय इलाके में 8200 गिलोट खुफिया इकाई के बेस पर लेबनानी आंदोलन हिजबुल्लाह ने जवाबी हमला किया, जिसमें 22 इजरायली सैनिकों की मौत हो गई और 74 घायल हो गए। यह जानकारी लेबनान की अल मयादीन टीवी चैनल ने अपने यूरोपीय सुरक्षा स्रोतों का हवाले से दी।

हिजबुल्ला ने बेरूत उपनगर पर अगस्त के अंत में इजरायली वायु सेना के हमले में वरिष्ठ हिजबुल्ला कमांडर फुआद शुक्र की हत्या के जवाब में इजरायली सेना के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमला किया। हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्लाह ने एक बयान में कहा कि जवाबी हमले का मुख्य निशाना तेल अवीव उपनगर में इजरायली सेना का 8200 ग्लिलोट यूनिट बेस था।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्ला हमले के बाद

कहा कि इजरायली बलों ने हिजबुल्ला के ठिकानों पर एक पूर्वव्यापी हमला किया था और लेबनानी प्रतिरोध के जवाबी कार्रवाई से कुछ घंटे पहले हजारों रॉकेट नष्ट किए थे। इजरायली सेना ने कहा कि हिजबुल्ला सुविधाओं और हथियारों को नष्ट करने के अभियान में वायु सेना के लगभग 100 विमान शामिल हुए। उन्होंने अनुमान लगाया कि इस हमले में अंततः इजरायल को बहुत कम नुकसान हुआ।

उत्तर कोरिया ने कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

एजेंसी

काठमांडू। उत्तर कोरिया ने को कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्वी जलक्षेत्र में कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, सियोल की सेना ने बताया, परमाणु हथियार संपन्न उत्तर कोरिया द्वारा अपनी स्थापना की वर्षगांठ मनाने के कुछ दिनों बाद।

सियोल के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उन्होंने 'आज लगभग 07:10 बजे प्योंगयांग से पूर्वी सागर में प्रक्षेपित की गई कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया है, उन्होंने उस जल निकाय का उल्लेख किया जिसे जापान सागर के रूप में भी जाना जाता है।उसने कहा कि वह प्रक्षेपण के विवरण का विश्लेषण कर रहा है और उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइल के बारे में जानकारी को अमेरिका और जापानी अधिकारियों के साथ साझा कर रहा है, साथ ही आगे के प्रक्षेपणों की तैयारी में निगरानी और सतर्कता को मजबूत कर रहा है।जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी कम से कम एक संदिग्ध उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइल के

प्रक्षेपण की पुष्टि की है, तथा तटरक्षक जहाजों को सावधान रहने की चेतावनी दी है। यह 1 जुलाई के बाद प्योंगयांग का पहला हथियार परीक्षण है, तथा यह परीक्षण ऐसे समय में किया गया है जब कुछ ही दिन पहले परमाणु शक्ति संपन्न इस पृथक देश ने सत्तारूढ़ शासन की स्थापना की महत्वपूर्ण वर्षगांठ मनाई थी।

उत्तर कोरिया अपने स्थापना दिवस 9 सितम्बर के आसपास नियमित रूप से मिसाइलों का प्रक्षेपण करता रहा है, जिसमें 2016 में इसी दिन किया गया पांचवां परमाणु परीक्षण भी शामिल है। इस सप्ताह अपनी स्थापना की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित भाषण में नेता किम जोंग उन ने कहा कि देश अपने परमाणु शस्त्रागार को लगातार बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। किम ने कहा कि उत्तर कोरिया अपने परमाणु शक्ति को लगातार मजबूत करेगा ताकि वह अपने परमाणु हथियार संपन्न प्रतिद्वंद्वी देशों द्वारा लगाए गए किसी भी खतरनाक कृत्य से पूरी तरह निपटने में सक्षम हो सके। उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच संबंध वर्षों में सबसे खराब स्थिति में हैं, क्योंकि उत्तर कोरिया ने हाल ही में अपनी दक्षिणी सीमा पर 250 बैलिस्टिक मिसाइल लांचर तैनात करने की घोषणा की है। उत्तर कोरिया दक्षिण कोरिया पर कचरा ले जाने वाले गुब्बारों से बमबारी भी कर रहा है , जिसमें पिछले सप्ताह लगातार पांच दिनों तक किया गया हमला भी शामिल है। उत्तर कोरिया ने मई से अब तक 5,000 से अधिक कूड़े से भरे गुब्बारे दक्षिण की ओर भेजे हैं, उनका कहना है कि ये दक्षिण कोरियाई कार्यकर्ताओं द्वारा उत्तर की ओर छोड़े गए दुष्प्रचार गुब्बारों का प्रतिशोध है।

पुतिन ने की अजीत डोभाल के साथ बैठक

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ बैठक की। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार सेंट पीटर्सबर्ग के कॉन्स्टेंटिनोव्स्की पैलेस में हुई मुलाकात के दौरान, श्री पुतिन ने भारत और रूस के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझीदारी के सफल विकास का उल्लेख किया

और द्विपक्षीय संबंधों में सुरक्षा मुद्दों के महत्व पर जोर दिया तथा इस क्षेत्र में बातचीत बनाए रखने के लिए भारतीय पक्ष को धन्यवाद दिया।

रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार रूस के राष्ट्रपति ने 22 अक्टूबर को कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक द्विपक्षीय बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा ताकि उनकी मास्को यात्रा के दौरान हुए समझौतों के कार्यान्वयन पर संयुक्त कार्य के परिणामों और निकट भविष्य की संभावनाओं को संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सके और एक कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार की जा सके।

श्री डोभाल ने प्रधानमंत्री की ओर से श्री पुतिन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी की यूक्रेन की हालिया यात्रा के बारे में जानकारी साझा करने की तैयारी के बारे में भी जानकारी दी।

गाजा पर इजरायली हमले में संयुक्त राष्ट्र के छह राहतकर्मी मारे गए

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि फिलिस्तीनियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी, जिसे यूएनआरडब्ल्यूए के नाम से जाना जाता है, के छह कर्मचारी गाजा में इजरायली हवाई हमलों में मारे गए।

गुटेरेस ने एक्स पर कहा कि इजरायली हवाई हमलों ने बुधवार को लगभग 12,000 लोगों के लिए स्कूल बने आश्रय स्थल पर हमला किया और मारे गए लोगों में यूएनआरडब्ल्यूए के छह कर्मचारी भी शामिल थे।

उन्होंने कहा, गाजा में जो हो रहा है वह अस्वीकार्य है। अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के इन नाटकीय उल्लंघनों को अब रोकने की जरूरत है। समाचार एजेंसी ने फिलिस्तीनी सूत्रों के हवाले से बताया कि मध्य गाजा पट्टी में विस्थापित लोगों को शरण देने वाले संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित स्कूल पर इजरायली हवाई हमले में कम से कम 18 फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। सूत्रों ने कहा कि एक इजरायली युद्धक विमान ने अल-नुसीरत शरणार्थी शिविर में कम से कम एक मिसाइल दागी। हमास द्वारा संचालित गाजा सरकार के

मीडिया कार्यालय ने कहा कि पीड़ितों में सहायता कर्मी भी शामिल हैं।

पुतिन ने ब्रिक्स सुरक्षा शिखर सम्मेलन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की

एजेंसी

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आज यहां कॉन्स्टेंटिनोव्स्की पैलेस में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संगठन) के दो दिवसीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे प्रतिनिधियों से मुलाकात की। यह मुलाकात कॉन्स्टेंटिनोव्स्की पैलेस के मार्बल हॉल में हुई।

रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी तास ने यह जानकारी दी। अब पुतिन से कुछ ब्रिक्स प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी संभव है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इससे पहले पुतिन से प्रतिनिधियों की मुलाकात होने की संभावना के संकेत दिए थे। ब्रिक्स प्रतिनिधियों की दो

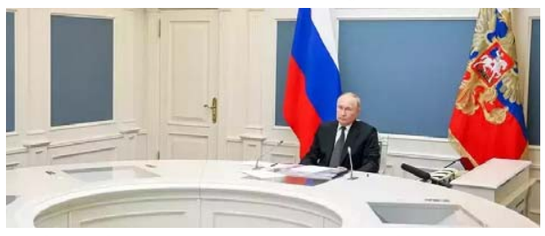

दिवसीय 14वीं बैठक 11 सितंबर को रूस की सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु की अध्यक्षता में शुरू हुई। इस बैठक में रूस, चीन, ब्राजील, भारत, दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान और इथियोपिया के प्रतिनिधि शामिल हुए। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने यहां पहुंचने पर सबसे पहले डिजिटल क्षेत्र के कारण उत्पन्न चुनौतियों और आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए ब्रिक्स देशों से मिलकर काम करने का आह्वान किया।

पाकिस्तान में पोलियो उन्मूलन अभियान टीम पर हमला, एक कार्यकर्ता, तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए

एजेंसी

पेशावर। पाकिस्तान में पोलियो उन्मूलन अभियान को लगातार धक्का लग रहा है। मुल्क के खैबर पख्तूनख्वा में इसका जबरदस्त विरोध हो रहा है। पिछले 24 घंटे में इस अभियान से जुड़े एक कार्यकर्ता, तीन सुरक्षा कर्मचारियों की गोलीमार कर हत्या कर दी गई।

इस्लामाबाद से छपने वाले समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांत के बाजौर और दक्षिण वजीरिस्तान जिलों में तीन स्थानों पर हमले किए गए। इन घटनाओं में तीन सुरक्षाकर्मियों, एक पोलियो कार्यकर्ता और दो मजदूरों की जान चली गई और 12 अन्य घायल हो गए। बाजौर की सालारजई तहसील में सशस्त्र हमलावरों ने एक पुलिस अधिकारी और एक पोलियो

कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी। बाजौर की मामुंड तहसील में सड़क किनारे विस्फोट कर एक सुरक्षा अधिकारी की हत्या कर दी गई। इसके अलावा दक्षिण वजीरिस्तान में अंगूर अड्डा इलाके में गोलीबारी में अर्धसैनिक बल का एक जवान और दो मजदूर मारे गए।

अधिकारियों का कहना है कि पोलियो उन्मूलन टीम पर हमला सलारजई तहसील के पहाड़ी माला सईद बांदा इलाके में दोपहर के आसपास हुआ।

टीम क्षेत्र में भ्रमण करते हुए बच्चों को टीके लगा रही थी, तभी बंदूकधारियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस हमले में पुलिस कांस्टेबल लुकमान खान (33) और पोलियो कार्यकर्ता अबू हुरैरा (25) की मौके पर मौत हो गई। सहकर्मी की हत्या के विरोध में बाजौर में पुलिस अधिकारियों ने इस अभियान के बहिष्कार की घोषणा की है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को अस्पताल ले जाया गया

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को गंभीर शारीरिक व्याधियों की वजह से रात को राजधानी के एवरकेयर अस्पताल ले जाया गया। देश के प्रमुख बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो की खबर में उनके निजी चिकित्सक जाहिद हुसैन के हवाले से यह जानकारी दी गई है। डॉ. हुसैन बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य भी हैं।

वयोवृद्ध नेता खालिदा जिया के निजी चिकित्सक जाहिद हुसैन ने कहा कि उन्हें बुधवार आधीरात बाद लगभग 1:40 बजे अस्पताल ले जाया गया। इससे पहले, बीएनपी नेता खालिदा के प्रमुख प्रवक्ता शम्सुद्दीन दीदार ने एक विज्ञप्ति जारी की। इसमें कहा गया कि खालिदा

जिया को कुछ महत्वपूर्ण चिकित्सा परीक्षण के लिए अस्पताल ले जाया जाएगा। वो डेढ़ महीने तक अस्पताल में रहने के बाद 21 अगस्त की शाम को घर लौटी थीं। बीएनपी ने कहा है कि उन्हें इलाज के लिए विदेश ले जाया जा सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया लंबे समय से लीवर सिरोसिस, गठिया, मधुमेह, आंखों, किडनी, फेफड़े और हृदय रोग सहित विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत आइरीन खान ने बांग्लादेश में कहा- लोकतंत्र की आत्मा है अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत आइरीन खान ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है। सूचना का अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बिना विकास संभव नहीं है। लोकतंत्र इन दो चीजों के बिना कायम नहीं रह सकता। उन्होंने यह विचार अग्रगांव पर्यटन निगम सभागार में 'सूचना के अधिकार के माध्यम से जवाबदेही और पारदर्शिता को आगे बढ़ाना' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में कल रखे। सेमिनार का आयोजन रिसर्च इनिशिएटिव्स बांग्लादेश (आरआईबी) ने किया। ढाका से छपने वाले प्रमुख बांग्ला अखबार के अंग्रेजी संस्करण प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, सेमिनार की मुख्य अतिथि आइरीन खान ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम के अलावा, विभिन्न क्षेत्रों में कई अन्य कानून और नियम बनाए गए हैं। यह 'गोपनीयता' और 'सुरक्षा' को प्राथमिकता देते हैं। इस वजह से अधिकतर लोग जानकारी से वंचित हो जाते हैं। सूचना का अधिकार लोगों के सशक्तिकरण, मानवाधिकार, लैंगिक समानता, शिक्षा, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार की रोकथाम और पर्यावरणीय मुद्दों की उन्नति के लिए महत्वपूर्ण है उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा देखा गया है कि कानून लोगों को सूचना तक पहुंचने का अधिकार देता है, लेकिन सरकार इसे रोक देती है। इसके लिए व्यक्तिगत या आधिकारिक गोपनीयता और राज्य सुरक्षा जैसे कई बहानों का उपयोग किया जाता है। आइरीन खान ने कहा कि भेदभाव विरोधी आंदोलन के माध्यम से राजनीतिक परिवर्तन के बाद बांग्लादेश में सुधार के नए चरण की शुरुआत हुई है। सेमिनार के दूसरे प्रमुख वक्ता ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश के कार्यकारी निदेशक इफ्तेखारुज्जमां ने कहा कि सूचना आयोग को कुछ शुरुआती सफलता जरूर मिली लेकिन वह अपना कर्तव्य निभाने में विफल रहा। संगठन पर अभी भी नौकरशाहों का नियंत्रण है।

ब्रिटेन की रॉयल नेवी ने रूसी जहाजों को घेरा : रक्षा मंत्रालय

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की रॉयल नेवी ने रूसी जहाजों को घेरा, जबकि रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) ने दो रूसी विमानों को रोका। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। हालांकि मॉस्को कई बार कह चुका है कि रूसी हवाई बल के विमानों की सभी उड़ानें अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र नियमों का सख्त पालन करती हैं।मंत्रालय ने कहा कि एचएमएस आयरन ड्यूक और एचएमएस टाइन ने ब्रिटेन के जल क्षेत्र में चार रूसी जहाजों को घेरा और आरएएफ जेट विमानों ने एक रूसी बियर विमान को रोका, जो ब्रिटेन के जलक्षेत्र में आ रहा

था। इसने कहा कि दो आरएएफ टाइफून ने यूके के पास परिचालन कर रहे दो रूसी बियर-एफ विमानों को रोकने के लिए एक वोयाजर की मदद से संघर्ष किया। मंत्रालय ने कहा कि आरएएफ जेट को नाटो कमांड के अंतर्गत लॉन्च किया गया था और अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र से गुजरते समय विमान की निगरानी के लिए हमारे सहयोगियों के साथ मिलकर काम किया। हमारे टाइफून सेनानियों ने रूसी विमान को ब्रिटेन के उड़ान क्षेत्र से बाहर निकाला और रूसी विमान को ब्रिटेन के संप्रभु हवाई क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने दिया। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने यह भी कहा कि नाटो सहयोगियों के साथ छह दिवसीय अभियान में, पोर्ट्समाउथ स्थित पोत एचएमएस आयरन ड्यूक ने डोवर स्ट्रेट के माध्यम से और अटलांटिक में रूस की किलो-श्रेणी की पनडुब्बी नोवोरोस्सिएस्क और उसके सहायक टग एवगेनी चुरोव को घेरा।

माकपा नेता सीताराम येचुरी नहीं रहे

एजेंसी
नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी का लम्बी बीमारी के बाद नयी दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे। श्री येचुरी को 19 अगस्त को फेफड़ों में संक्रमण की शिकायत के एम्स में भर्ती कराया गया था। वह गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) भर्ती थे। तबियत ज्यादा खराब होने के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था, जहां उन्होंने आज अंतिम सांस ली। श्री येचुरी 2015 पार्टी के महासचिव चुने गये थे। वह राज्यसभा के सदस्य रह चुके थे। उन्हें 2016 में सर्वश्रेष्ठ सांसद का सम्मान दिया गया था।

रूसी सेना से 45 भारतीय मुक्त, 50 और छुड़ाने की कोशिश

नयी दिल्ली। सरकार ने कहा कि रूस की सेना में भर्ती 45 भारतीय नागरिकों को छुड़ाया जा चुका है और 50 अन्य को छुड़ाने के लिए रूसी सरकार से बातचीत जारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में एक सवाल पर कहा, जुलाई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूस दौरे के बाद से अब तक 35 भारतीयों को रूसी सेना से रिहा किया जा चुका है। प्रधानमंत्री के दौरे से पहले 10 भारतीय नागरिकों को रिहा किया जा चुका था। इस तरह से अब तक कुल 45 लोगों की रिहाई हो चुकी है और उनमें से छह लोग दो दिन पहले स्वदेश लौटे हैं। उनके लौटने के लिए टिकट आदि की व्यवस्था रूस स्थित भारतीय राजदूतावास ने की है।

प्रवक्ता ने कहा, हमारा मानना है कि करीब 50 भारतीय नागरिक अभी भी रूसी सेना में हैं और हम उन्हें जल्द से जल्द रिहा कराने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हमारी इस बारे में रूसी सरकार से बातचीत चल रही है।

वंदे भारत ट्रेन में अब तक 3 करोड़ से ज्यादा यात्रियों ने किया सफर

नई दिल्ली। स्वदेशी भारतीय ट्रेन वंदे भारत में शुरुआत से लेकर 20 अगस्त तक करीब 3.17 करोड़ लोग यात्रा कर चुके हैं। रेलवे प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, मौजूदा समय में 54 वंदे भारत ट्रेन देश में चल रही हैं और 20 अगस्त तक 35,428 फेरों में 3.17 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचा चुकी हैं। वंदे भारत ट्रेन फरवरी, 2019 को शुरू की गई। वंदे भारत ट्रेन का नेटवर्क देश के 280 जिलों और 24 राज्यों में फैला हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में वंदे भारत ट्रेनों ने पृथ्वी के 310 चक्कर लगाने जितनी यात्रा की थी। दक्षिण सेंट्रल रेलवे के मुख्य पब्लिक रिलेशन ऑफिसर ए श्रीधर ने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों के नेटवर्क में लगातार विस्तार किया जा रहा है और नई ट्रेनों को जोड़ा जा रहा है। भारत में मेक इन इंडिया पहल के तहत विकसित हुई वंदे भारत एक्सप्रेस लग्जरी अनुभव के साथ लाखों लोगों को किफायती सफर उपलब्ध कराती है। तेज रफ्तार के साथ एडवांस सेफ्टी फीचर और विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ रेलवे ने यात्रा के लिए नए बेंचमार्क तय किए हैं। रेलवे अथॉरिटी की ओर से बताया गया कि यह सेमी-स्पीड ट्रेन, भारत के आधुनिक और वर्ल्ड क्लास ट्रेन के परिदृश्य को दिखाता है।

डॉक्टर परमजीत कौर सिद्धू पंजाबी विभाग कुरुक्षेत्र विशवविद्यालय, कुरुक्षेत्र की प्रथम महिला विभागाध्यक्ष

सिमरनजीत मक्कड़

प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, वाईस चांसलर कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी कुरुक्षेत्र के आदेश अनुसार आज 9 सितम्बर, 2024 को पंजाबी विभाग, कुरुक्षेत्र विशवविद्यालय, कुरुक्षेत्र में कार्यरत सहायक प्रोफेसर डॉक्टर परमजीत कौर सिद्धू ने बतौर विभागअध्यक्ष कार्यभार ग्रहण किया। गौरतलब है कि डॉक्टर परमजीत कौर सिद्धू पंजाबी विभाग कुरुक्षेत्र विशवविद्यालय, कुरुक्षेत्र की प्रथम महिला विभागाध्यक्ष है। डॉक्टर परमजीत कौर सिद्धू ने विभागाध्यक्ष का कार्यभार डीन कला एवं भाषायें प्रोफेसर पुष्पा रानी, अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ब्रजेश साहनी, लाइब्रेरी साइंस विभाग के

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मनोज कुमार जोशी, एग्जीक्यूटिव कौंसिल के सदस्य एवं फाइन आर्ट्स विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर गुरचरण सिंह, राजनीती विभाग की प्राध्यापिका डॉक्टर वैशाली जैन, पंजाबी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर कुलदीप सिंह और विभाग के अन्य प्राध्यापकों की मौजूदगी संभाला। इस विशेष मौके पर मौजूद सभी फैकल्टी एवं अध्यापक साथियों ने डॉक्टर सिद्धू को विभाग की प्रथम महिला अध्यक्ष बनने पर वधाई और शुभकामनायें प्रेषित की। विभागाध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण करने के साथ साथ डॉक्टर सिद्धू ने अकादमिक कौंसिल तथा फैकल्टी ऑ? आर्ट्स एंड लैंग्वेजेज की सदयस्ता ग्रहण की।

गृह मंत्रालय ने 33 आईएएस और 45 आईपीएस अधिकारियों का किया तबादला

एजेंसी
नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) काडर के 33 आईएएस और 45 आईपीएस अधिकारियों का आज तबादला किया।

भारत सरकार के अवर सचिव राकेश कुमार सिंह की ओर से जारी आदेश में अधिकारियों का तबादला। इसमें आदेश में साफ किया गया है कि जम्मू और कश्मीर से जुड़े अधिकारियों की आवाजाही यहां चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही होगी। इन 33 आईएएस अधिकारियों में से 11 आईएएस अधिकारी ऐसे हैं जो दिल्ली में तैनात हैं। इन्हें अरुणाचल, मिजोरम, लद्दाख, गोवा, अंडमान और निकोबार, दादर और नगर हवेली तबादला किया गया है।

इसके अलावा जिन 45 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है उनमें से 16 दिल्ली में ही तैनात हैं। इन लोगों को भी जम्मू-कश्मीर, दादरा नगर हवेली, मिजोरम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश, लद्दाख और पुडुचेरी भेजने के आदेश जारी हुए हैं।

शेख हसीना के प्रत्यर्पण की बात 'काल्पनिक' : भारत

एजेंसी
नई दिल्ली। सरकार ने बंगलादेश की अंतरिम सरकार की ओर से देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के अनुरोध की रिपोर्ट को 'काल्पनिक' करार दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में श्रीमती हसीना को प्रत्यर्पित किये जाने संबंधी ढाका से आ रहीं रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर कहा, ÷हमने पहले भी कहा है कि ये सवाल काल्पनिक है। जहां तक श्रीमती हसीना की स्थिति का सवाल है तो बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बहुत कम समय के नोटिस पर सुरक्षा के संदर्भ में यहां आयीं थीं। इससे अधिक हमें कुछ नहीं कहना है। श्री जायसवाल से पूछा गया था, क्या भारत सरकार को बंगलादेश से श्रीमती हसीना के प्रत्यर्पण का कोई

अनुरोध मिला है? यदि ऐसा अनुरोध आता है तो भारत सरकार का क्या कदम होगा? तथा श्रीमती हसीना की अभी क्या स्थिति है, क्या वह राजनीतिक शरणार्थी हैं?ढाका में स्थानीय मीडिया में ऐसी रिपोर्टें आयीं हैं जिनमें अंतरिम सरकार के नेताओं के हवाले से कहा जा रहा है कि श्रीमती हसीना को भारत से प्रत्यर्पित कराया जाएगा।पिछले माह पांच अगस्त को बंगलादेश में छात्र आंदोलन अनियंत्रित होने के बाद सेना के हाथ खड़े कर देने के बाद श्रीमती हसीना को अचानक इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा था। वह बंगलादेश वायुसेना के विमान से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के हिंडन वायुसैनिक अड्डे पर पहुंची थीं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने हवाईअड्डे पर उनसे मुलाकात की थी। तब से श्रीमती हसीना यहां अज्ञात स्थान पर रह रहीं हैं।

करोड़ों रुपए खर्च करने के बावजूद , केसे बना कूड़े का पहाड़ , उच्च स्तरीय जांच की जरूरत

चंडीगढ़। चंडीगढ़ नगर निगम द्वारा कूड़े की समस्या से निजात पाने के लिए बेसक हजारों करोड़ों रुपए पानी की तरह बह दिए गए परंतु चंडीगढ़ के डड्डू माजरा डंपिंग ग्राउंड की स्थित दिन प्रति दिन काफी दयनीय होती जा रही है। यहां पर कूड़े का सही से निदान न होने के कारण जहा यहां पर कूड़े के ऊंचे ऊंचे पहाड़ों ने एक विकराल रूप धारण कर लिया हैं। इन ऊंचे ऊंचे पहाड़ों से उठने वाली भयवान दुर्गंध की कल्पना करने से ही रूह कांप उठती है , उनका सोचो जो नन्हे नन्हे बच्चों के साथ मजबूरी में यहां अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इन लोगों का जीवन आज किसी नरक से कम नही, ऐसे में शहरवासी जाए तो जाए कहा, आज इन लोगो की सुध लेने वाला कोई नही, कहां तो इस क्षेत्र से डंपिंग ग्राउंड की वहां से हटाने की बातें लंबे अर्से से चल रही थी , निगम की कार्य प्रणाली से ऐसा प्रतीत होता हैं यहां से डंपिंग ग्राउंड कभी खत्म ही नहीं होगा। इस समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए वकील शिव मूर्ति, वकील कृष्ण पाल, शिव कुमार,विवेक राणा ने कहा कि हमने गहनता से विचार किया तो धीरे धीरे परते खुलने लगी और देखते देखते इसमें कही न कही करप्शन की दुर्गंध नजर आने लगी। तथ्य को सही से जानने के लिए आरटीआई का सहारा लिया गया, जिसमे कुछ जानकारी मांगी गई है जो कि जल्द ही आ जाएगी उसके खुलासा करेंगे आखिर ये शहर में किया हो रहा हैं। बताया जा रहा है कि चंडीगढ़ डंपिंग ग्राउंड पर गीले और सूखे कचरे को अलग करने के लिए 2.33 करोड़ रुपए की लागत से नया सिस्टम लगाया जा रहा है। इस सिस्टम से रोजाना 70 टन मिक्स कूड़े को सूखा और गीला अलग किया जा सकेगा। चंडीगढ़ शहर से हर रोज 500 टन कूड़ा निकलता है। इसमें से 300 टन गीला कूड़ा और बागवानी का कूड़ा होता है। फिलहाल नगर निगम के पास रोजाना 450 टन कूड़ा प्रोसेस करने की क्षमता है। निगम सूखे कूड़े को प्रोसेस करने का सिस्टम लगा रहा है। जिसकी क्षमता 5 टन सूखे कूड़े को प्रोसेस करने की बताई जा रही हैं। इसमें बेडशीट, गद्दे, बैग, कार सीट कवर जैसी चीजें प्रोसेस की जाएंगी। अभी तक यह सामान बिना प्रोसेस किए डंपिंग ग्राउंड में फेंका जा रहा था। इस प्रोजेक्ट के लगने से वहा रहने वाले लोगो की समस्या तो और भी बढ़ जाएगी। क्षेत्र के लोग के लोग इस सिस्टम को यहां लगाने के खिलाफ हैं। एडवोकेट शिव मूर्ति, ने कहा कि नगर निगम यहां सभी बड़े-छोटे प्लांट लगा रहा है। यहां पहले लगाए गए प्लांट का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। अगर किसी दिन यह सिस्टम फेल हो गया तो यहां सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा। नगर निगम को नए लगाए जा रहे प्लांट किसी दूसरी जगह लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को कूड़ा निदान के लिए टेंडर दिए गए हैं उनका अनुभव एवं कार्य क्षमता की भी जांच होनी चाहिए। कहीं ऐसा तो नहीं अपने चाहतों को टेंडर दे दिए गए , यह इसलिए संभव है क्योंकि अक्सर टेंडर अलाट के दौरान केवल रेट देखे जाते हैं, योग्यता एवं अनुभव सेकेंडरी होता है।

मुर्मु, धनखड़, मोदी ने येचुरी के निधन पर शोक व्यक्त किया

एजेंसी
नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु , उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ , लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी के निधन पर शोक व्यक्त किया।

श्रीमती मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने शोक संदेश में लिखा , माकपा महासचिव सीताराम येचुरी के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। पहले एक छात्र नेता के रूप में और फिर राष्ट्रीय राजनीति में और एक सांसद के रूप में उनकी एक विशिष्ट और प्रभावशाली आवाज थी। एक प्रतिबद्ध विचारक होते हुए भी उन्होंने पार्टी लाइनों से ऊपर उठकर मित्र बनाए। उनके परिवार और सहकर्मियों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। श्री धनखड़ ने वरिष्ठ वामपंथी नेता सीताराम येचुरी के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। श्री धनखड़ ने आज सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा कि श्री येचुरी ने अपने पांच दशक लंबे राजनीतिक जीवन में भारतीय लोकतंत्र को मजबूत? करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उन्होंने कहा वरिष्ठ राजनेता सीताराम यह येचुरी के निधन से गहरा दुख पहुंचा है। मेरी संवेदना उनके परिजनों, मित्रों और अनुयायियों के साथ है। ओम शांति। उप राष्ट्रपति ने कहा कि श्री येचुरी की जन सेवा की एक महत्वपूर्ण और समृद्ध विरासत है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी के निधन पर शोक व्यक्त किया। श्री बिरला ने अपने शोक संदेश में कहा वरिष्ठ राजनेता एवं पूर्व सांसद श्री सीताराम येचुरी जी के निधन पर शोक व्यक्त करता हूँ। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा परिजनों को इस दुख को सहन करने का साहस दें। ? शान्ति।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माकपा के महासचिव और पूर्व सांसद सीताराम येचुरी के निधन पर दुःख प्रकट किया और उनके राजनैतिक गुणों तथा सांसद के रूप में उनको याद किया है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक शोक संदेश में कहा, श्री सीताराम येचुरी जी के निधन से दुखी हूँ। वे वामपंथ के अग्रणी नेता थे और सभी राजनीतिक दलों से जुड़ने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाते थे। उन्होंने एक प्रभावी सांसद के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएँ उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।

श्री शाह ने अपने संदेश में कहा , माकपा महासचिव एवं पूर्व राज्यसभा सांसद, सीताराम येचुरी जी के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ। उनका निधन राजनीतिक क्षेत्र के लिए क्षति है। मैं उनके परिवार के सदस्यों और दोस्तों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर उन्हें इस कठिन समय को सहने की शक्ति दे। श्री गांधी ने कहा सीताराम येचुरी जी मित्र थे।

हमारे देश की गहरी समझ रखने वाले भारत के विचार के संरक्षक। मैं हमारे बीच होने वाली लंबी चर्चाओं को याद करूंगा। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार, दोस्तों और अनुयायियों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा माकपा के महासचिव और वरिष्ठ नेता सीताराम येचुरी जी का निधन भारतीय राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने माकपा के कद्दावर नेता और राज्यसभा सांसद सीताराम येचुरी के निधन पर शोक व्यक्त किया।

डीआरडीओ ने छोटी दूरी की वर्टिकल लॉन्च मिसाइल का किया सफल परीक्षण

एजेंसी
नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और नौसेना ने ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से छोटी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि यह उड़ान परीक्षण एक भूमि-आधारित ऊर्ध्वाधर लांचर से किया गया था, जो कम ऊंचाई पर उड़ रहे उच्च गति वाले हवाई लक्ष्य को लक्षित करता था। मिसाइल प्रणाली ने सफलतापूर्वक लक्ष्य का पता लगाया और उसे भेद दिया। इस परीक्षण का उद्देश्य प्रॉक्सिमिटी फ्यूज और सीकर सहित हथियार प्रणाली के कई अद्यतन तत्वों को मान्य करना था। सिस्टम के प्रदर्शन को आईटीआर चांदीपुर में तैनात रडार इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और टेलीमेट्री जैसे विभिन्न उपकरणों द्वारा सावधानीपूर्वक ट्रैक और पुष्टि की गई थी।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए डीआरडीओ और नौसेना की टीमों की सराहना करते हुए कहा है कि यह परीक्षण इस मिसाइल प्रणाली की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता की पुष्टि करता है।

डीआरडीओ के अध्यक्ष और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. समीर वी. कामत ने भी इसमें शामिल टीमों को बधाई दी और इस बात पर जोर दिया कि यह प्रणाली भारतीय नौसेना की परिचालन क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी तथा बल गुणक के रूप में काम करेगी।

लोकतंत्र और संविधान के हक में उठने वाली एक मजबूत ने दुनिया को अलविदा कह दिया : आप

एजेंसी
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान के हक़ में उठने वाली एक मजबूत आवाज़, सांप्रदायिकता के खिलाफ सबको लामबंद करने वाले अग्रणी नेता सीताराम येचुरी ने दुनिया को अलविदा कह दिया।

आप सांसद संजय सिंह ने कहा लोकतंत्र और संविधान के हक़ में उठने वाली एक मजबूत आवाज़, सांप्रदायिकता के खिलाफ सबको लामबंद करने वाले अग्रणी नेता सीताराम येचुरी ने दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन वो गरीबों, मजदूरों, मजलूमों की आवाज में सदैव जिंदा रहेंगे, उनका जाना भारतीय राजनीति के लिए अपूरणीय

क्षति है। कॉमरेड सीताराम येचुरी को सिर झुकाकर लाल सलाम । दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष के निधन की खबर सुनकर मैं बहुत दुखी हूँ।वे एक महान नेता, एक सच्चे समाजवादी और एक असाधारण मानवतावादी थे। उनका जाना हमारे देश की राजनीति के लिए एक बड़ी क्षति है। मेरी श्रद्धांजलि और संवेदना उनके परिवार और पार्टी के साथ हैं। आप ने एक्स पर शोक जताते हुए कहा इंडिया गठबंधन में हमारे मजबूत साथी व माकपा के वरिष्ठ नेता सीताराम येचुरी के निधन की खबर अत्यंत दुखदाई है। उन्होंने कहा ईश्वर से प्रार्थना है कि उनके परिवार और समर्थकों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

Name Change
I,ALOK KUMAR S/O PARAMESHWAR SARAN residing at A 46 RADHEY SHYAM PARK EXT KRISHNA NAGAR DELHI-110051 have changed my name to ALOK KUMAR GUPTA for all future purpose.

Name Change
I,RUPA RANI W/O ALOK KUMAR GUPTA residing at A 46 RADHEY SHYAM PARK EXT KRISHNA NAGAR DELHI-110051 have changed my name to RUPA GUPTA for all future purpose.

Name Change
I, LATA YADAV Wife of No-15778632W Rank-HAV Name-DHIRENDRA KUMAR Presently residing at 93/3G/10B/2, VILL-SHIVKUTI, PO-TELIYARGANJ (JODHWAL), TEH-SADAR, DIST-ALLAHABAD, UTTAR PRADESH-211004 have changed my name from LATA YADAV to LATA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 13/09/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to public at that my clients Sh. Amar Singh S/o Sh. Chaini Ram, and Smt. Geeta Devi W/o Sh. Amar Singh, Both R/o Khadiya, Tehsil Kasganj Nameni, Kasganj, U.P.-207124, have disowned and debarred their son Sounu and Smt. Rekha W/o Sh. Sounu, from their all movable and immovable properties and severed all the relations due to their misbehaviour/misconduct towards my clients, and if any one deals with them in future, my clients shall not be responsible in any manner for any of their acts/deeds.
PITABAS DAS Advocate
CH. NO.444, SAKET COURTS,
NEW DELHI-110017.

Name Change
I, BHARATH V R P Alias RAJA PRAVEEN BHARATH VALLAMSETTY R/o H.NO-128-12-373/7, 8TH LANE, LAXMINAGAR, GORANTLA, GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522034 have changed my name from BHARATH V R P Alias RAJA PRAVEEN BHARATH VALLAMSETTY to BHARATH VALLAMSETTY for all future purposes vide affidavit dated 27/08/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री विपिन कुमार पुत्र श्री धर्मवीर सिंह ग्राम घोंडा गुर्जन में स्थित खसरा संख्या 466 में से 50 वर्ग गज यानी 41.80 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली संपत्ति संख्या एफ-63 के हिस्से के साथ फ्रीहोल्ड आवासीय दूसरी मंजिल और छत के अधिकार वाली तीसरी मंजिल के मालिक हैं। खादर, आबादी एफ-ब्लॉक, गली नंबर 4, सुभाष विहार, नॉर्थ घोंडा, इलाक़ा शाहदरा, दिल्ली-110053। दिनांक 13.04.2017 के जीपीए के आधार पर, जो दिनांक 13.04.2017 को दस्तावेज़ संख्या 434, खंड संख्या 11103 पृष्ठ संख्या 16-21 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। नीचे उल्लिखित दस्तावेजों की श्रृंखला में दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्री भगवान पुत्र श्री जग राम सिंह का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी उपलब्ध नहीं है, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति और दूसरी मंजिल पर कोई अधिकार नहीं है। बिना छत के अधिकार श्री राहुल चौहान नाम से बिकने जा रही है और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा बुराड़ी, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Name Change
I, CHAVAN SAGAR BAI VITTHAL Mother of No. 14852610Y Rank-HAV Name-CHAVAN RADHESHYAM VITTHAL presently residing at VPO-JATEGAON, TEH-GEORAI, DIST-BEED, MAHARASHTRA-431127 have changed my name from CHAVAN SAGAR BAI VITTHAL to CHAVAN SAGAR-BAI VITTHAL for all future purposes vide Affidavit dated 13/09/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सार्वजनिक को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रभजोत कौर, जो कार्यालय संख्या 328 जो 3rd फ्लोर पर 31.645 वर्ग मीटर क्षेत्रफल और जो वाणिज्यिक परिसर, प्लॉट नंबर 21, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली में स्थित है, की मालिक हैं, ने उक्त संपत्ति श्री शेमनवार अली से बिक्री पत्र दिनांक 20.07.2021 के माध्यम से खरीदी थी। यह संपत्ति RBL बैंक लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित है, जिसकी शाखा का पता है - बिल्डिंग नंबर 1, Ist फ्लोर, ओखला फेज - III, मोदी मिल्स के पास, नई दिल्ली-110020 है, उक्त संपत्ति से संबंधित मूल बिक्री पत्र, पंजीकृत संख्या 1294, वॉल्यूम संख्या 210, पृष्ठ 177-191 दिनांक 02.04.2014, एसआरओ VIIIA प्रीत विहार, विशेष शक्ति पत्र (Special Power of Attorney) दिनांक 31.05.2017 और बिक्री पत्र पंजीकृत संख्या 3081, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 1048, पृष्ठ 14-20 दिनांक 28.06.2017, एसआरओ VIIIA प्रीत विहार, नई दिल्ली, खो गए हैं। इन दस्तावेजों की हानि के संबंध में FIR संख्या LR: 2076390/2024 दिनांक 31.08.2024 को P.S. क्राइम ब्रांच, दिल्ली में दर्ज की गई है। यदि किसी व्यक्ति(ओं) के पास उक्त मूल बिक्री दस्तावेज़ है, तो कृपया निम्नलिखित पते पर इस सूचना की तारीख से 07 दिनों के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज़ के साथ अधीनस्थ व्यक्ति से संपर्क करें, अन्यथा, उक्त विक्रय दस्तावेज़ के आधार पर विषयवस्त संपत्ति के संबंध में दावा नाकारात्मक और अमान्य ठहराया जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

Name Change
I, Rajinder Anand S/o Raj Kumar Anand R/o 16/18, Second Floor, Santan Dharam Mandir, Subhash Nagar, New Delhi-110027, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as RAJENDER ANAND and GEETA ANAND in my minor son KARAN ANAND age about 13 years in his birth certificate-MCDOLIR-010-071865911, and school records. The correct name mine and my wife are RAJINDER ANAND and GITA ANAND. which may be amended accordingly.

Name Change
I, Khushboo Agarwal W/o Shri Ashu Gupta R/o 169,170 Gali No. 1. Near Nathu Chowk Chander Lok, Mandoli Road, North East Delhi-110093, have changed my name from Khushboo Agarwal to Khushboo Aggarwal for all future purposes.

Name Change
I, No. 4586540F Rank-NK Name-GARASIYA NARSINHBHAI DHANJIBHAI Father of NAITIKKUMAR Resident of 125, VILL-NAVA PANIBAR, PO-PANIBAR, DISTT-ARVALLI, GUJARAT-383251 have changed my minor son's name from NAITIKKUMAR to GARASIYA NAITIKKUMAR NARSINHBHAI for all future purposes vide affidavit dated 13/09/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, ANUPAMA wife of NO-14660370X Rank-HAV Name-RAHUL MISHRA R/O VILL-KHUDRA, PO-SIDHUA BANGAR, TEH-CHAWANI, DIST-KUSHINAGAR, UTTAR PRADESH-274304 have changed my name from ANUPAMA to ANUPAMA MISHRA for all future purposes vide affidavit dated 13/09/2024 before Notary Public, Delhi.

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Mr. Lovekesh Sharma who is the owner of House No. 40B, new No. A-253, area measuring 100 sq. yds., out of Khasra No. 314min, situated at Village Gagan Vihar Phase-II, Village Barhampur @ Bhopura, Pargana Loni, Tehsil and Distt., Ghaziabad, U.P vide Gift Deed dated 29.09.2022 executed by Mr. Mukesh Kumar Sharma in favour of Mr. Lovekesh Sharma in respect of said property. As document No. 14070, Vol No. 19834, on Pgs., 21-46, on dated 29.09.2022, SR-Ghaziabad. That Original Sale Deed dated 19.10.1987 executed by Mr. Tuhiram in favour of Mr. Devdutt Sharma in respect of said property. As doc no. 2074. was lost on 19/08/2024 duly reported to police as per police complaint dated 02/09/2024 in the police station Crime Branch, Delhi bearing LR No: 2079835/2024. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk. That my client intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 13/9/2024
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

Name Change
I, Rekha Sharma W/o Rakesh Kumar R/o 456/8, Brahman Mandi,Near Ganga Mandir, Rohtak, Haryana -124001, Have Changed My Name To Rekha For All Future Purpose

Name Change
I, DAVINDER SINGH MATHAROO S/O RAGHBIR SINGH R/O D-18 GALI NO 11 LEHRI COLONY EAST ARJUN NAGAR, DELHI - 110032, have changed my minor daughter's name from HARJAS MATHAROO TO HARJAS KAUR MATHAROO for all future purpose.

Name Change
I, Pankaj S/o Ajit Singh R/o 858/28, Jyoti Park, Ward No-28, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To Pankaj Saini S/o Ajit Singh Saini For All Future Purpose

Name Change
I, DAVINDER SINGH MATHAROO S/O RAGHBIR SINGH R/O D-18 GALI NO 11 LEHRI COLONY EAST ARJUN NAGAR, DELHI - 110032, have changed my name from DAVINDER SINGH TO DAVINDER SINGH MATHAROO for all future purpose.

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Sh. Sanjay Kumar S/o Sh. Chahat Ram who is the owner of Plot No.D-26, & 27. area measuring 100 sq. yds., Plot No. D- 46, area measuring 66.50 sq. yds. and Plot No D 29/1, area measuring 50 sq yds, out of Khasra No 1587 Situated at, Kawari City colony, Village Loni, Pargana & Tehsil Loni Distt. Ghaziabad, UP- 201102 vide Sale deed dated 07/09/2017 executed by Mrs. Iram Anjum in favour of my client in respect of Plot No. D-46, area measuring 66.50 sq. yds. (Doc No. 15202, Vol NO.34095, Page NO. 59-82, SR-IV GZB) and Sale deed dated 05/09/2019 executed by Mr. Ravi Tirpati in favour of my client in respect of Plot No. D-26, & 27, area measuring 100 sq. yds. (Doc No. 11864, Vol NO.884, Page NO.347-392, SR-Loni) and Sale deed dated 19.08.2019 executed by Sh. Akhilesh Yadav S/o Sh. Jaganath Yadav in favour of my client (vide doc no. 11081 Book no.1 Vol no. 825 pages no. 191 to 216)in respect of the Plot No D 29/1, area measuring 50 sq yds That Original Sale Deed dated 12/10/2010 executed by Mr. Subhash Chand s/o Mr. Fakhr Chand in favour of by Mr. Ravi Tirpati s/o Mr. Mangal Tirpati in respect of said property (Doc No.23978, Vol No. 16343, Page No. 61-80) was lost on 13/10/2020 duly reported to police as per police complaint dated 13/09/2024 in the police station Crime Branch, Delhi bearing LR No: 2116413/2024. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk. That my client intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 13/9/2024
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

Name Change
I, SHARVAN KUMAR S/O DAYANAND R/O 2493 C, FIRST FLOOR, SECTOR-57, GURGAON, HARYANA -122001, have changed my daughter's name from HUNAR YADAV to DHRITI YADAV for all future purposes.

Name Change
I, RAJASHREE wife of NO-6946000A Rank-NK Name-SABALE LAHU RAMCHANDER R/o VPO-VADUTH, TEH-SATARA, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415011 have changed my name from RAJASHREE to RAJASHRI LAHU SABALE for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 27/08/1985 instead of my correct date of birth as 27/08/1986 vide affidavit dated 13/09/2024 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सार्वजनिक को सूचित किया जाता है कि सुश्री आशु ने मोहम्मद कासिम से सम्पत्ति संख्या 2620, दूसरी मंजिल, जिसका क्षेत्रफल 1071 वर्ग फीट है (सामने की तरफ छत के अधिकार के बिना), वार्ड संख्या XII, बस्ती पंजाबी, लाम्बी गली, सब्जी मंडी, नई दिल्ली 110007 खरीदने का इरादा किया है। इस सम्पत्ति के प्रारंभिक मालिक श्री लक्ष्मण दास थे। उन्होंने दिनांक 28.06.1972 को एक पंजीकृत वसीयत बनाई, जिसमें श्री राम रंग पुत्र श्री लक्ष्मण दास को वसीयत की। इसके बाद, श्री लक्ष्मण दास का निधन दिनांक 21.05.1981 को हो गया। उसके बाद, श्री राम रंग ने सम्पूर्ण सम्पत्ति को मोहम्मद कासिम पुत्र मोहम्मद मोहसिन, को दिनांक 25.09.2016 की बिक्री विलेख के माध्यम से बेच दी। श्री लक्ष्मण दास के नाम पर सम्पत्ति के स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज और उनकी वसीयत के लिए कोई न्यायिक आदेश उपलब्ध नहीं है। यह सम्पत्ति हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा एनएसपी, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित की जाएगी। यदि किसी व्यक्ति(ओं) को विषय संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया 10 दिनों के भीतर इस सूचना की तारीख से लिखित रूप में अपनी आपत्ति दर्ज करें। उक्त आपत्ति को निम्नलिखित पते पर पंजीकृत डाक द्वारा या ईमेल के माध्यम से कृपया भेजें। नहीं तो, उक्त संपत्ति के संबंध में दावा अवैध और व्यर्थ माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

हिंदी का सम्मान करें हर एक भारतवासीः सीजेएम रमेश चंद्र

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम रमेश चंद्र ने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है। हमें अपनी राजभाषा का सम्मान करना चाहिए। वे प्राधिकरण के सहयोग से सुशांत विश्वविद्यालय में आयोजित किए गए हिंदी दिवस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। हिंदी दिवस कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों के बीच कविता, गीत, हिंदी प्रश्नोत्तरी व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें एजुक्रेस्ट स्कूल, श्री चित्रगुप्त स्कूल, शीतला विद्यापीठ, सूरज स्कूल, आकाश पब्लिक स्कूल, आरपीएस विद्यालय, एससीआर स्कूल व रॉयल इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव रमेश चंद्र ने इस अवसर पर कहा कि हिंदी विश्व की लोकप्रिय भाषाओं में से एक है। हिंदी भाषी विद्वान दुनिया के अनेक देशों में हैं। इसलिए इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रसिद्ध भाषा कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। आज हमारे प्रधानमंत्री भी अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर हिंदी में ही संवाद करते हैं। यह एक संकेत है कि हम अपनी मातृभाषा को कितना महत्व देते हैं। विद्यार्थियों को अंग्रेजी के साथ हिंदी भाषा का भी अच्छा ज्ञान होना चाहिए।

विधानसभा आम चुनाव के लिए जिलों में बनाए जाएं चुनाव आइकॉन : पंकज अग्रवाल

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने कहा कि 5 अक्तूबर को प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने 'चुनाव का पर्व-प्रदेश का गर्व' हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के लिए स्लोगन दिया है। इस पर्व में अधिक से अधिक मतदान हो, इसलिए जिला निर्वाचन अधिकारियों व अतिरिक्त उपायुक्तों को स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को वोट डालने के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जायेगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी आज भारत निर्वाचन आयोग की ओर से आए अतिरिक्त निदेशक अपूर्व कुमार सिंह द्वारा विधानसभा चुनाव 2024 की 'स्वीप गतिविधियाँ व सोशल मीडिया' पर दी गई प्रस्तुती के उपरांत अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। पंकज अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में मतदान प्रतिशत पिछले चुनाव की तुलना में अधिक हो, इसके लिए मतदाताओं को प्रेरित करना होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी को भी किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति जैसे की खिलाड़ी, अभिनेता अन्य समाजसेवी को चुनाव आइकॉन बनाना चाहिए, बशर्ते की वह किसी राजनीतिक दल से जुड़ा न हो।

भारत में बना सेमी कंडक्टर अगर हर उपकरण में लगता है तो हिंदुस्तान में बहुत रोजगार मिलेगा : विज

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री व अंबाला छावनी से भाजपा के उम्मीदवार अनिल विज ने बहुत इंतजार के बाद देर रात कांग्रेस की लिस्ट जारी होने पर चुटकी लेते हुए कहा कि दुनिया के अधिकतर काले काम रात को ही होते है इसलिए इनकी (कांग्रेस) जैसी करतूते है उसी अनुसार इनकी लिस्ट रात को जारी की गई है इसके अलावा, विज ने कहा कि अब और तब में कोई फर्क नहीं पड़ता इसके लिए उनके सामने चाहे भूपेंद्र सिंह हुड्डा आ जाए या राहुल गांधी खुद आ जाए।विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इधर, जहाँ भाजपा ने सबसे पहले अपने कैंडिडेट की लिस्ट जारी कर दी थी वही कांग्रेस ने नामांकन के आख़री दिन ही अपने कैंडिडेट की लिस्ट जारी की है इस पर हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री व अंबाला छावनी से भाजपा के उम्मीदवार अनिल विज ने चुटकी ली और कहा कि दुनिया के सारे काले काम रात को ही होते है इसलिए इनकी जैसी करतूते है उसी समय अनुसार इनकी लिस्ट रात को जारी की है। विज ने कहा कि अब और तब में कोई फर्क नहीं पड़ता इसके लिए उनके सामने चाहे भूपेंद्र सिंह हुड्डा आ जाए या राहुल गांधी खुद आ जाए। हिमाचल के शिमला में मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद को लेकर हरियाणा पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि जहां जहाँ कांग्रेस की सरकारे है चाहे हिमाचल है चाहे कर्नाटक है सब जगह ये तुष्टिकरण की नीति पर चल रहे है जो देश के लिए बहुत घातक है।

खेल जगत के दिग्गजों एंव पंचकूला वाल्मीकि समाज का भाजपा को समर्थन

पंचकूला। भाजपा चुनाव कार्यालय में एशिया चैपिंयनशीप में गोल्ड मेडिलिस्ट एंव 'हरियाणा कुमार' की उपाधि से सम्मानित आकाश जाखड़, जुनियर वर्ल्ड चैपिंयन विकास नागिल और 'महान भारत केसरी' के खिताब से सम्मानित सूर्य प्रताप शर्मा के साथ-साथ वाल्मीकि समाज की प्रमुख समाजिक कार्यकर्ता हाउसिंग बोर्ड सैक्टर 26 पंचकूला निवासी गीता बागड़ी धर्मपत्नी सुरेन्द्र कुमार अपने अन्य सहयोगियों शुभम, सतपाल, हेमचन्द्र बागड़ी, सुनिता, आशा, सेवाकली व अन्य के साथ केन्द्र की मोदी सरकार की नीतियों, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं एवं पंचकूला से भाजपा उम्मीदवार ज्ञान चन्द गुप्ता के विकास कार्यां से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर सैक्टर 26 पंचकूला निवासी 'हरियाणा कुमार' आकाश जाखड़ ने कहा सैक्टर 25, 26, 27 व 28 के हजारो युवा साथी पंचकूला से ज्ञान चन्द गुप्ता को प्रचंड बहुमत से जीत दिलवाने की ठान चुके है। आकाश जाखड़ ने कहा पंचकूला को नशा मुक्त बनाने, सरकारी नौकरी में पारदर्शिता लाने से पंचकूला एवं हरियाणा के असंख्यो युवा भाजपा से प्रभावित है।

बिना खर्ची बिना पर्ची युवाओं को नौकरी दी : मनोहरलाल

एजेंसी

जींद। जुलाना हलके से प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी की नामांकन जनसभा में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल बुधवार को पहुंचे और लोगों को संबोधित किया।

मनोहर लाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री एक ही लाइन के आदमी हैं और प्रदेश में लगातार तीसरी बार भाजपा की बहुमत से सरकार बनेगी। भाजपा सरकार ने घर बैठे लोगों को सुविधाएं देने का काम किया है। युवाओं को बिना खर्ची बिना पर्ची नौकरी दी है। जिसके घर में नौकरी नही थी उन्हें पांच प्रतिशत छुट देने का काम किया। पंचायतीराज चुनाव में भाजपा ने आरक्षण देने का

काम किया। प्रदेश में चुनाव में कोई भी परेशानी नही आएगी। लोगों को अधिकार मिलने से वंचित नही रहने दिया जाएगा। प्रदेश में तीसरी सरकार बार सरकार बनने पर निश्चित दिशा में काम किया जाएगा।

जेल में बंद सुरेंद्र पंवार ने कड़ी सुरक्षा में भरा नामांकन

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत से कांग्रेस के उम्मीदवार सुरेंद्र पंवार ने कड़ी सुरक्षा के बीच अपना नामांकन भरा। पंवार वर्तमान में अवैध खनन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में हैं और अंबाला जेल में बंद हैं। इस अवसर पर उनके साथ उनकी कवरिंग कैंडिडेट और पुत्रवधू समीक्षा पंवार भी मौजूद थीं। सोनीपत में यह पहली बार हुआ है जब किसी गिरफ्तार उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल किया हो। नामांकन के समय, पंवार को पुलिस और ईडी की टीम ने सुरक्षा घेरे में लघु सचिवालय पहुंचाया। मौके पर उनके समर्थकों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिसके कारण अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करनी पड़ी। कांग्रेस सांसद

सतपाल ब्रह्मचारी भी उपस्थित थे, जिन्होंने पंवार की ओर से नामांकन प्रक्रिया पूरी की। पंवार के वकील मुकेश पन्नालाल ने बताया कि उन्होंने चुनाव आयोग से विशेष अनुमति प्राप्त की थी, जिसके तहत पंवार को नामांकन भरने का अधिकार मिला। उन्होंने कहा कि कोई भी उम्मीदवार, चाहे किसी भी स्थिति में हो, नामांकन भर सकता है।

लूट का राज कायम करने के सपने छोड़ दे कांग्रेसः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

सोनीपत। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गोहाना से भाजपा प्रत्याशी अरविंद शर्मा और बरोदा से प्रदीप सांगवान का नामांकन पत्र दाखिल करवाया।

इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि लूट का राज कायम करने के सपने छोड़ दे कांग्रेस।

मुख्यमंत्री ने हुड्डा के 10 साल के कार्यकाल की तुलना अपने 56 दिनों के कार्यकाल से करते हुए कहा कि यदि भूपेन्द्र हुड्डा चाहें, तो दोनों कार्यकालों की तुलना कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मेरे 56 दिनों का कार्यकाल विकास का ट्रेलर है, असली पिक्चर 8 अक्टूबर को चुनावी नतीजों के बाद सामने

आएगी। उन्होंने कांग्रेस शासन के दौरान महिलाओं, युवाओं और गरीबों पर हुए अत्याचारों का जिक्र करते हुए कहा कि अब जनता को हिसाब चुकता करने का समय आ गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हरियाणा की जनता ने 10 साल पहले ही हुड्डा को नकार दिया था, और इस बार भी उन्हें हरियाणा की सत्ता नहीं सौंपी जाएगी। हुड्डा को सत्ता से स्थायी रूप से बेदखल कर दिया गया है, और उन्हें लूट का राज कायम करने का सपना छोड़ देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अपने शासन के दौरान 24 घंटे मुख्यमंत्री आवास के दरवाजे खुले रखने की बात करते हुए हुड्डा पर कटाक्ष किया, कि उनके समय में शाम 6 बजे के बाद काम बंद हो जाता था। वहीं, भाजपा प्रत्याशी अरविंद शर्मा ने कांग्रेसपर हमला बोलते हुए कहा कि 2014 में जिस कांग्रेस को जनता ने नकारा था, वह आज भी वैसी ही है। शर्मा ने मुख्यमंत्री के 56 दिनों में लिए गए 126 ऐतिहासिक फैसलों का भी जिक्र किया।

राजीव जैन ने निर्दलीय भरा नामांकन

एजेंसी

सोनीपत। दो बार हरियाणा के मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार रहे राजीव जैन ने सोनीपत विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में उतरने का ऐलान किया। उनके साथ नामांकन के समय पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन, पुत्र दिव्यांक जैन और मित्र भी मौजूद थे।

राजीव जैन ने नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा भाव को आत्मसात कर जनसेवा की है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मजबूत किया। जैन ने आरोप लगाया कि सोनीपत में पार्टी ने योग्य कार्यकर्ताओं की भावना का अपमान किया और टिकट नहीं दिया। उन्होंने पार्टी आलाकमान से टिकट बदलने की गुजारिश की थी, लेकिन जवाब न मिलने पर उन्होंने निर्दलीय नामांकन दाखिल किया। राजीव जैन ने स्पष्ट किया कि वे भाजपा से निष्कासित हो सकते हैं, लेकिन वे आरएसएस के विचारों के साथ जनता की सेवा करते रहेंगे। इस अवसर पर कविता जैन ने कहा कि संगठन के टिकट निर्णय से कार्यकर्ताओं और आमजन में असंतोष है, लेकिन वे सोनीपत के विकास के लिए समर्पित रहेंगे।

सामान्य पर्यवेक्षक कृष्णा आदित्य ने किया उचाना विधानसभा क्षेत्र का दौरा

एजेंसी

जींद। उचाना एवं नरवाना विधानसभा क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक कृष्णा आदित्य ने उचाना विधानसभा क्षेत्र में अंतिम चरण में चल रही नामांकन प्रक्रिया का बुधवार को निरीक्षण किया। उचाना विधानसभा क्षेत्ररिटर्निंग अधिकारी विवेक आर्य भी मौजूद रहे। कृष्णा आदित्य ने नामांकन प्रक्रिया में लगाई गई टीमों की एक-एक टेबल पर जाकर विस्तृत जानकारी ली और उन्हें निर्देश देते हुए कहा कि वे उम्मीदवार के प्रत्येक कॉलम को अधिकारी बारीकी से देख कर भरना सुनिश्चित करें। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे चुनाव ड्यूटी को पूरी कर्तव्य एवं निष्ठा के साथ निभाएं। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों के खर्च संबंधित पूरा रिकॉर्ड मेंटेन रखें। चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। 13 सितंबर को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी होगी। 16 सितंबर को नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। 16 सितंबर को ही

उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह अलॉट किए जाएंगे। विधानसभा चुनाव के लिए पांच अक्टूबर को मतदान होगा तथा आठ अक्टूबर को मतगणना होगी और मतगणना के साथ ही परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

कांग्रेस झूठे वादे कर जनता के बीच जा रही है : बिप्लब कुमार देब

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा चुनाव के सह प्रभारी बिप्लब कुमार देब गन्नौर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र कौशिक का नामांकन करवाने पहुंचे। नामांकन के बाद उन्होंने रेलवे रोड स्थित चिराग गार्डन में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस दौरान बिप्लब देब ने कांग्रेस परनिशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस झूठे वादों के साथ जनता के बीच जा रही है, लेकिन लोकसभा चुनाव में जनता ने उसे नकार दिया था और इस बार भी विधानसभा चुनाव में उसका सफाया होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की तारीफ करते हुए कहा

कि मोदी सरकार गरीब, पिछड़े और कमजोर वर्ग के हितों की रक्षा कर रही है। मोदी सरकार महिला सशक्तीकरण, किसान उत्थान और नौजवानों को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण करवाया, जबकि कांग्रेस अपने पूर्ण बहुमत के समय भी ऐसा नहीं कर पाई। बिप्लब देब ने भाजपा प्रत्याशी पर 100 करोड़ की टिकट खरीदने के आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि आरोप लगाने वाले व्यक्ति का कभी पार्टी में जिक्र भी नहीं हुआ और अब उसकी जांच करवाई जाएगी।

एडीसी हितेश कुमार मीणा ने दिलाई मतदान की शपथ

एजेंसी

गुरुग्राम। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 5 अक्टूबर को जिला के चारों विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होगा। मतदान में जिला के युवा मतदाताओं को शत-प्रतिशत अपनी भागेदारी करनी चाहिए। एडीसी के.आर.मंगलम विश्वविद्यालय के मतदाता साक्षरता क्लब की ओर से आयोजित स्वीप कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुचारू रूप से कायम रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। विधानसभा चुनाव में एक-एक वोट की बड़ी कीमत होती है। कोई उम्मीदवार एक वोट से चुनाव जीत भी सकता है और हार भी सकता है। जिला में 18 साल व इससे अधिक आयु के जिन युवाओं का वोटर आईडी कार्ड बन चुका है, वे 5 अक्तूबर को अपने बूथ पर वोट डालने के लिए अवश्य जाएं। एक वोट आपको आपके क्षेत्र का जनप्रतिनिधि चुनने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर एडीसी ने सभी उपस्थित विद्यार्थियों को मतदान की शपथ दिलवाई। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने परिवार के सदस्यों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।

पुरानी दुश्मनी भुलाकर एक मंच पर आए इनेलो- हलोपा व बसपा

एजेंसी

चंडीगढ़। राजनीति में कोई किसी का पक्का दोस्त या दुश्मन नहीं होता। ऐसे ही समीकरण गुरुवार को हरियाणा में उस समय बने, जब पुरानी दुश्मनी भुलाकर हरियाणा लोकहित पार्टी ने इनेलो व बसपा के साथ गठबंधन कर लिया। इस गठबंधन का ऐलान गुरुवार को सिरसा में संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान किया। इनेलो प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कांडा के निवास पर पहुंच कर उन्हें सिरसा सीट पर समर्थन देने का भी ऐलान किया।

इस मुलाकात के बाद अभय चौटाला और गोपाल कांडा ने सिरसा में ज्वाइंट प्रेस कांफ्रेंस करके एक-दूसरे के समर्थन का भी ऐलान किया। गोपाल कांडा की आखिरी समय तक भाजपा के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत चलती रही लेकिन बात सिरे नहीं चढ़ी। भाजपा ने सिरसा से बैकवर्ड कार्ड खेलते हुए रोहतास जांगड़ा को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। वहीं अब हलोपा टिकट पर गोपाल कांडा फिर से मैदान में आ गए हैं। कांग्रेस ने यहां से गोकुल सेतिया को टिकट देने के बाद इस सीट के समीकरण बदल गए।

गोकुल सेतिया की गिनती पहले अभय चौटाला के नजदीकियों में होती रही है। 2019 का चुनाव गोकुल सेतिया ने सिरसा से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर लड़ा था और उन्होंने कांडा को कड़ी टक्कर दी थी। सिरसा सीट पर बदले हुए राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए ही अभय चौटाला और कांडा ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया है। गोपाल कांडा के छोटे भाई गोबिंद कांडा 2019 में रानियां से हलोपा टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। इसके बाद ऐलनाबाद हलके में अभय चौटाला के इस्तीफे के बाद हुए उपचुनाव में भी गोबिंद कांडा ने भाजपा में शामिल होकर ऐलनाबाद उपचुनाव लड़ा था। उपचुनाव में गोबिंद कांडा ने अभय चौटाला को कड़ी टक्कर दी थी। गोबिंद कांडा भाजपा टिकट की मांग भी कर रहे थे लेकिन पार्टी ने उन्हें किसी भी सीट से उम्मीदवार घोषित नहीं किया। इनेलो इस बार पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहा है। अभय सिंह चौटाला खुद ऐलनाबाद से ही चुनावी रण में उतरे हैं। भाजपा ने उनके मुकाबले अमीर चंद मेहता को टिकट दिया है। वहीं कांग्रेस ने पूर्व विधायक भरत सिंह बेनीवाल को टिकट देकर ऐलनाबाद का मुकाबला भी दिलचस्प बना दिया है।

आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका, प्रदेश सचिव ने पार्टी छोड़कर अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की ज्वाईन

एजेंसी

रोहतक। आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव लवील टुटेजा ने अपने साथियों के साथ पार्टी छोड़कर कांग्रेस पार्टी का दामन थामा लिया है। दरअसल रोहतक विधानसभा सीट से आप पार्टी से टिकट कटने के चलते लवलीन टुटेजा नाराज चल रहे थे और इसी के चलते उन्होंने वीरवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा व कांग्रेस उम्मीदवार बीबी बतरा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ज्वाईन की।

पूर्व सीएम हुड्डा ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले सभी लोगों को उचित मान सम्मान देने का आश्वासन दिया। पूर्व सीएम हुड्डा ने कहा कि वर्तमान सरकार से आज हर वर्ग पूरी तरह से परेशान है और बदलाव चाहता है। उन्होंने कहा कि लगातार कांग्रेस का परिवार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश की जनता एक ही बात कह रही है कि भाजपा जा रही है और कांग्रेस की सरकार आ रही है। कांग्रेस पार्टी ज्वाईन करने पर लवलीन टुटेजा ने कहा कि वर्ष 2005 से 2014 तक कांग्रेस के समय प्रदेश हर क्षेत्र में नंबर वन पर था, लेकिन आज प्रदेश बेरोजगारी, अपराध, महंगाई व भ्रष्टाचार में नंबर वन पर है। भाजपा ने प्रदेश को विकास की पटरी से उतारने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कुशासन

को लोग भूले नहीं है और चुनाव में भाजपा को सबक सिखाने का मन बना चुके है। उन्होंने कहा कि पूर्ण बहुमत से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी और फिर से विकास के मामले में प्रदेश नंबर वन पर होगा। इस अवसर पर कांग्रेस प्रत्याशी भारत भूषण बतरा ने कहा कि पार्टी में शामिल होने वालो को पूरा मान सम्मान मिलेगा। साथ ही उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा और कहा कि विकास के मामले में भाजपा ने रोहतक शहर की पूरी तरह से अनदेखी की है।आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस का दामन थामने वालो में मनीषा सुहाग,अंकित कपूर, अरूण पुरी, प्रमोद कत्याल, जयप्रकाश, सुरेश मलिक, विश्वास रोज, हितेश नरवाल, वेद कुमार, कृष्ण कुमार, सुभाष कपूर, संजीव कपूर, ललित पाराशर, डिम्पल, सुनील मेहंदीरता, बबलू सरदार, जितेन्द्र कुमार, नरेन्द्र कटारिया, जोगेन्द्र, अनूप सैनी, मोहित खन्ना, संदीप खरब, मोनिका अटकान, देवेश गांधी, कर्ण, महेश मल्होत्रा, कर्मवीर अटकान प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कांग्रेस केवल परिवारवाद तक सिमित भाजपा ने सबका साथ सबका विकास के साथ किए काम : मनीष ग्रोवर

एजेंसी

रोहतक। रोहतक विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार मनीष ग्रोवर ने शहर में शक्ति प्रदर्शन कर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सर्वप्रथम भाजपा प्रत्याशी ग्रोवर ने रोहतक विधानसभा से सात बार विधायक रहे पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. मंगल सेन के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा उम्मीदवार ग्रोवर ने कहा कि यह उनका नहीं, हर रोहतकवासी का चुनाव है।

उन्होंने कहा कि 2014 में रोहतक की जनता ने उन्हें आशीर्वाद दिया तो विधानसभा को अनेक सौगात देने का काम किया था। इस बार रोहतक की जनता कमल खिलाएगी और केंद्र की मोदी सरकार के साथ अपने रोहतक को विकास की नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों को तमाम मूलभूत सुविधाएं देंगे और रोहतक को एक बेहतरीन सिटी बनाने की और लगातार काम किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि पिछले पांच वर्ष में कांग्रेस के मौजूदा विधायक ना तो लोगों के बीच नजर आए और ना उन्होंने रोहतक विधानसभा में विकास का एक कार्य भी करवाया। उन्होंने कहा कि

कांग्रेस केवल परिवारवाद तक सीमित रही, जबकि भाजपा ने सबका साथ सबका विकास के साथ पूरे प्रदेश में एक सम्मान विकास कार्य करवाए है। उन्होंने दावा किया प्रदेश में तीसरी बार पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। इस अवसर पर बाबा मस्तनाथ मठ के महंत बालकनाथ, रोहतक विधानसभा प्रभारी सतीश नांदल, कलानौर से भाजपा प्रत्याशी रेनू डाबला, भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, मनमोहन गोयल, राजकमल सहगल, जय भगवान जांगड़ा, अशोक सहगल, राजीव भांकर, सरिता नारायण, प्रदीप जैन, मदन गोयल, डॉ आदित्य बत्रा, अशोक खुराना, कंवल सिंह सैनी, राजकुमार शर्मा, उषा शर्मा, दीपू नागपाल, सुरेश किराड, नोरातामल भटनागर, अमरजीत सोलंकी, हिमांशु ग्रोवर, पवन आहूजा, राजेश सहगल, शमशेर खरक, मनोज मक्कड़, सुमिता भाटिया व हिमाशु ग्रोवर समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं ने अपने विचार सांझा किए।

आदित्य चौटाला व लीलाराम सहित 59 उम्मीदवारों में नामांकन पत्र किए दाखिल

एजेंसी

कैथल। नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन कैथल विधानसभा क्षेत्र से आदित्य सुरजेवाला ने कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर व लीलाराम ने भारतीय जनता पार्टी के कैंडिडेट के तौर पर अपना अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जिला कैथल में विधान सभा पूंडरी से 20, गुहला से 13, कैथल से 14 व कलायत से 12 नामांकन हुए दाखिल हुए।जिला निवार्चन अधिकारी एवं डीसी डा. विवेक भारती ने बताया कि कैथल विधानसभा से कांग्रेस पार्टी से आदित्य सुरजेवाला, बीजेपी से लीला राम व उनके कवरिंग कैंडिडेट के तौर पर बलबीर कौर, आम आदमी पार्टी से सतबीर गोयत तथा उनके कवरिंग कैंडिडेट अमित गोयत, एलएसपी से रामफल, बीएसपी से अनिल कुमार, जेजेपी के कवरिंग कैंडिडेट के तौर पर बलजिंद्र ने अपना नामांकन दाखिल किया। वहीं आजाद उम्मीदवार के तौर पर अश्वनी शर्मा, महेश चंद, बलराज सिंह, पतासो देवी, सतीश कुमार, चंद्र प्रकाश ने अपना नामांकन भरा। संबंधित विधानसभाओं के रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा उम्मीदवारों के नामांकन प्राप्त किए गए। पूंडरी विधानसभा से आम आदमी पार्टी से नरेंद्र शर्मा ने 2 नामांकन, उनके कवरिंग उम्मीदवार के तौर पर संदीप, बीजेपी से सतपाल तथा कवरिंग केंडिडेट के तौर पर विरेंद्र, कांग्रेस से सुल्तान तथा कवरिंग उम्मीदवार के संदीप, बहुजन समाज पार्टी से हिश्म सिंह, कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया से पहल सिंह ने नामांकन किया। आजाद उम्मीदवार के तौर पर सुनीता देवी, सज्जन सिंह, दिनेश, विरेंद्र सिंह श्योकंद, सतबीर, कांता देवी, रणधीर सिंह गोलन, अमित गोलन, गुरविंद्र सिंह, जय सिंह, सुनील दत्त ने अपने नामांकन भरे। गुहला विधानसभा से कांग्रेस पार्टी से देवेंद्र कुमार व उनके कवरिंग कैंडिडेट में ज्योति, मिशन एकता पार्टी से मनोज कुमार, इनैलो से पूनम रानी, आम आदमी पार्टी से राकेश कुमार व उनके कवरिंग कैंडिडेट के तौर पर सुनील, आम जन शक्ति पार्टी से संजय मलिक ने अपना नामांकन दाखिल किया।

फ़िटपास की 2026 के मध्य तक 500 शहरों तक पहुंचने की योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। फिटनेस और वेलनेस क्षेत्र की कंपनी फ़िटपास वर्ष 2026 के मध्य तक देश के 500 शहरों तक पहुंचने की योजना बना रही है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी ने अपने नेतृत्व और संचालन टीमों के महत्वपूर्ण विस्तार की घोषणा की है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि यह रणनीतिक भर्ती अभियान फ़िटपास की अपने मुख्य कार्यक्षेत्रों- नेटवर्क विस्तार, मुद्रीकरण, बिक्री और श्रेणी वृद्धि को मजबूत करने की प्रतिबद्धता से प्रेरित है। इस प्रवृत्ति का लाभ उठाकर, फ़िटपास का लक्ष्य पूरे भारत में फिटनेस परिदृश्य को नया रूप देना है। इस महत्वाकांक्षी अभियान की अगुआई नेटवर्क ग्रोथ और मोनेटाइजेशन के नवनियुक्त उपाध्यक्ष श्री अवनीश शर्मा कर रहे हैं। पेटीएम और प्रैक्टो जैसी दिग्गज कंपनियों में 14 साल से अधिक का अनुभव रखने वाले श्री शर्मा टियर 2 और टियर 3 शहरों में फिटपास के तेजी से विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनकी भूमिका न केवल विकास के लिए बल्कि नए और स्थापित दोनों बाजारों में जिम और फिटनेस सेंटरों के नेटवर्क में लाभप्रदता बढ़ाने और राजस्व धाराओं को अनुकूलित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसी तरह सुश्री प्रीति सिंह ग्रोथ एंड अलायंस (कॉरपोरेट सेल्स) की एवीपी के रूप में पदभार संभालेंगी। उन्हें एचसीएल टेक, स्क्रिकर, वाया डॉट कॉम जैसे प्रसिद्ध संगठनों के साथ कॉरपोरेट बिक्री और लाभ परामर्श में एक दशक से अधिक का अनुभव है। ब्रांड के भविष्य के दृष्टिकोण को पूरा करते हुए कंपनी ने आक्रामक विस्तार को आगे बढ़ाने के लिए चार अन्य विशेषज्ञों को भी शामिल किया है।

टाटा पावर-डीडीएल की लोक अदालत 14 सितंबर को

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली में 70 लाख से अधिक आबादी को बिजली सप्लाई करने वाली पावर यूटिलिटी कंपनी टाटा पावर-डीडीएल ने शनिवार 14 सितंबर 2024 को यहां राष्ट्रीय लोक अदालत लगाने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) के सहयोग से आयोजित होने वाली इस लोक अदालत में बिजली चोरी और डिस्कनेक्टेड कनेक्शंस÷ के मामलों का निपटान किया जाएगा। लोक अदालत का आयोजन रोहिणी के सेक्टर 13 में किया जायेगा। कंपनी ने ककहा कि लोक अदालत में भाग लेने के इच्छुक उपभोक्ता हेल्पलाइन 19124 पर कॉल कर या ईमेल भेजकर रजिस्टर कर सकते हैं। रजिस्टर्ड वादियों को लोक अदालत अपनी फोटो आईडी, और बिजली चोरी संबंधी बिल या डिस्कनेक्टेड कनेक्शन की प्रति साथ लानी होगी। यह उपभोक्ताओं के लिए बिजली चोरी एवं डिस्कनेक्टेड कनेक्शंस के मामलों का तत्काल निपटान करने का अच्छा अवसर है। यदि ऐसे मामलों में उपभोक्ताओं की ओर से चूक होती है तो कंपनी विद्युत अधिनियम, 2003 तथा डीईआरसी विनियमनों के संबंधित प्रावधानों के तहत् उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है।

आर्केड डेवलपर्स का आईपीओ 16 सितंबर को खुलेगा

अहमदाबाद। आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 16 सितंबर को खुलेगा। कंपनी की ओर से यहां जारी बयान में कहा गया है कि चुनिंदा माइक्रो मार्केट में आपूर्ति के मामले में शीर्ष दस डेवलपर्स में से एक और एमएमआर, महाराष्ट्र में एक स्थापित डेवलपर आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड (स्रोत- एनारॉक रिपोर्ट) सोमवार, 16 सितंबर को इक्विटी शेयरों की अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश खोलने का प्रस्ताव करती है। एंकर निवेशक बोली की तारीख बोली/इश्यू खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है, यानी शुक्रवार, 13 सितंबर और बोली/इश्यू बंद होने की तारीख गुरुवार, 19 सितंबर को होगी। इश्यू का मूल्य बैंड 121 प्रति इक्विटी शेयर से लेकर 128 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 110 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 110 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियां लगाई जा सकती हैं। इस निर्गम में 410 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम शामिल है। कंपनी ने निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग विकास व्यय के वित्तपोषण तथा रियल एस्टेट परियोजनाओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए अभी तक चिन्हित नहीं की गई भूमि के अधिग्रहण के वित्तपोषण के लिए करने का प्रस्ताव किया है।

ट्रेड कनेक्ट ई-प्लॅटफॉर्मचं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल यांच्या हस्ते उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय उद्योजकांना आंतरराष्ट्रीय पातळीवर व्यापार सुलभपणं करता यावा, या उद्देशानं तयार केलेल्या ट्रेड कनेक्ट ई-प्लॅटफॉर्मचं उद्घाटन काल केंद्रीय वाणिज्य आणि उद्योग मंत्री पीयूष गोयल यांनी नवी दिल्लीत केलं. आंतरराष्ट्रीय व्यापार नियम, व्यापार करार, व्यावसायिक भागीदारी, सीमाशुल्क आणि परदेशी खरेदीदारांशी संबंधित असलेली सर्व माहिती या ऑनलाइन प्लॅटफॉर्मवरून उद्योजकांना दिली आहे. ट्रेड कनेक्ट ई-प्लॅटफॉर्मची निर्मिती विविध मंत्रालये, संस्था आणि संस्थांच्या सहकार्यानं केली असून त्यात काही महत्त्वाची आकडेवारी उद्योजकांना मिळणार असल्याचं गोयल यांनी सांगितलं।

कोयला मंत्रालय ने कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने राजधानी नई दिल्ली में 64 उत्पादक एवं उत्पादन करने की उम्मीद वाली कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों की स्थिति की समीक्षा की। मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव और नामित प्राधिकारी रूपिंदर बराड़ ने इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की।

कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि मंत्रालय का यह रणनीतिक समीक्षा भारत के आत्मनिर्भर भारत विजन के अनुरूप है, जो एक लचीला, आत्मनिर्भर भारत बनाने का प्रयास करता है, जो न केवल अपनी ऊर्जा मांगों को पूरा करने में सक्षम हो, बल्कि वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में भी उभर सके। मंत्रालय के मुताबिक बैठक के दौरान रूपिंदर बराड़ ने सभी आवंटियों के कोयला उत्पादन में वृद्धि के प्रयासों की सराहना की और उनसे चालू वित्त वर्ष 2024-25 के प्रतिबद्ध कोयला उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करने का आग्रह

किया।मंत्रालय ने कहा कि 31 अगस्त 2024 तक 55 कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानें उत्पादन में संलग्न हैं। इनमें से 33 खदानें विद्युत क्षेत्र को, 12 खदानें गैर-विनियमित क्षेत्र को और 10 खदानें कोयले की बिक्री के लिए आवंटित की गई हैं। वित?त वर्ष 2024-25 में नौ खदानों से कोयला उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। मंत्रालय के प्रयासों से प्रभावशाली परिणाम मिले हैं, जिसमें कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन और ढुलाई, दोनों मामलों में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कोयले का उत्पादन 32 फीसदी बढ़ गया है, जो 01 अप्रैल से 31 अगस्त, 2023 के दौरान 50.11 मिलियन टन (एमटी) से बढ़कर चालू वित वर्ष 2024-25 में इसी अवधि के दौरान 65.99 एमटी हो गया। इसी प्रकार इन खदानों से कोयले की ढुलाई में भी 32 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो 01 अप्रैल से 31 अगस्त 2023 के दौरान 55.70 एमटी से बढ़कर वित?त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि के दौरान 73.58 एमटी हो गई। मंत्रालय ने कहा कि उत्पादन और ढुलाई दोनों मामलों में ये पर्याप्त वृद्धि कोयला मंत्रालय की विभिन्न पहलों की प्रभावशीलता और देश की घरेलू कोयला आपूर्ति को बढ़ाने के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। इसके अलावा ऊर्जा के मामले में पर्याप्तता एवं आर्थिक विकास के उन व्यापक राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है, जो भारत को अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित एवं समृद्ध भविष्य के लिए तैयार करती है।

एनएमडीसी स्लरी पाइपलाइन और नए प्रोसेसिंग प्लांट पर करेगी 2,200 करोड़ का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। लौह अयस्क उत्पादक और सार्वजनिक क्षेत्र नवरत्न कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड चालू वित्त वर्ष में स्लरी पाइपलाइन और नए प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना के लिए 2,200 करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है।

यह निवेश कंपनी की उत्पादन क्षमता को 2030 तक 100 मैट्रिक टन तक बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। यह महत्वाकांक्षी विस्तार एनएमडीसी के बुनियादी ढांचे और संचालन को काफी बेहतर बनाएगा, जिससे इसकी वैश्विक स्थिति मजबूत होगी और भारत के औद्योगिक विकास की दिशा में योगदान मिलेगा।कंपनी के प्रभारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी ने 2030 तक 45 एमएनटी से 100 एमएनटी तक के परिवर्तन को महत्वाकांक्षी पर स्थिरता और नवाचार में निहित बताया । उन्होंने सुस्थिर विकास के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा हमारा रोडमैप सिर्फ उत्पादन वृद्धि करना नहीं है, बल्कि यह पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ करना है । हम हमारे पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और जिन समुदायों की हम सेवा करते हैं उन्हें सकारात्मक योगदान देने के लिए समर्पित है। एनएमडीसी का विस्तार द्रुत औद्योगिकीकरण की वजह से लौह अयस्क की घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मांग में वृद्धि से प्रेरित है। कंपनी की रणनीतिक निवेश योजना का केंद्र बिन्दु उत्पादन क्षमता में वृद्धि और निकासी के बुनियादी ढांचे में वृद्धि करना है । मुख्य पहलों में आधुनिक स्लरी पाइपलाइन का विकास, पेलेट और बेनिफिशिएसन प्लांट और स्टाकयार्ड का मजबूत नेटवर्क शामिल है। इस योजना में बचेली से नगरनार तक 135 किलोमीटर स्लरी पाइपलाइन का निर्माण एक फ्लैगशिप परियोजना है। इस पर्यावरण हितैषी, लागत प्रभावी पाइपलाइन से पारम्परिक, कार्बन-सघन परिवहन विधियों पर निर्भरता कम होगी।

देश का औद्योगिक उत्पादन जुलाई महीने में मात्र 4.8 फीसदी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका देने वाली खबर है। देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की वृद्धि सालाना आधार पर जुलाई महीने में सुस्त पड़कर 4.8 फीसदी पर आ गई है। इससे पिछले महीने जून में यह 4.7 फीसदी की दर से बढ़ा था।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि खनन और विनिर्माण क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन की वजह से जुलाई में आईआईपी पर आधारित औद्योगिक उत्पादन की दर में गिरावट आई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक इस साल जुलाई में देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 4.8 फीसदी बढ़ा है।

एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन जुलाई में 4.6 फीसदी बढ़ा है, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 5.3 फीसदी बढ़ा था। इसी तरह खनन क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई, 2024 में 3.7 फीसदी रही

है, जबकि बिजली के उत्पादन में 7.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 5.2 फीसदी की दर से बढ़ा है, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 5.1 फीसदी बढ़ा था।

मंत्रालय के मुताबिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के त्वरित अनुमान को हर महीने की 12 तारीख को (या यदि 12 तारीख को छुट्टी हो तो पिछले कार्य दिवस पर) छह हफ्ते के अंतराल के साथ जारी किए जाते हैं। ईआईपी की संशोधन नीति के अनुसार इन त्वरित अनुमानों को बाद में जारी किए जाने वाले आंकड़ों में संशोधन किया जा सकता है।

खुदरा महंगाई दर अगस्त में मामूली बढ़कर 3.65 फीसदी पर पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम लोगों को थोड़ी राहत देने वाली खबर है। अगस्त में उपभोक?ता मूल?य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर मामूली बढ़कर 3.65 फीसदी रही है। जुलाई महीने में खुदरा महंगाई दर घटकर 3.54 फीसदी पर आ गई थी, जो 59 महीने का निचला स्तर था। इससे पिछले वित?त वर्ष की अगस्त महीने में यह 6.83 फीसदी थी।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बताया कि सब्जियों के महंगे होने से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर अगस्त में मामूली बढ़कर 3.65 फीसदी रही है। हालांकि, यह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के चार फीसदी के लक्ष्य के दायरे में है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) आंकड़ों के मुताबिक जुलाई, 2024 में यह 3.6 फीसदी थी, जबकि बीते वर्ष के अगस्त में यह 6.83 फीसदी थी। इसके बावजूद यह पिछले पांच

साल में दूसरी सबसे कम दर है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मुताबिक खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर अगस्त महीने में मामूली बढ़कर 5.66 फीसदी रही है, जो जुलाई महीने में 5.42 फीसदी थी। वहीं, शहरी महंगाई भी महीने-दर-महीने के आधार पर 2.98 फीसदी से बढ़कर 3.14 फीसदी हो गई है, जबकि ग्रामीण महंगाई 4.10 फीसदी से उछलकर 4.16 फीसदी पर पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो फीसदी की घट-बढ़ के साथ चार फीसदी पर रखने की जिम्मेदारी दी हुई है।

निवेश और व्यापार को सरल बनाने के लिए विदेशी मुद्रा नियम, 2024 अधिसूचित

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने केंद्रीय बजट 2024-25 की घोषणा के अनुसरण में विदेशी मुद्रा (कंपाउंडिंग कार्यवाही) नियम, 2024 को अधिसूचित किया है। ये नियम 2000 का स्थान लेंगे। इस नए संशोधन से 'निवेश और व्यापार को सरल बनाने के साथ आसानी' होगी।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा विदेशी निवेश के लिए नियमों और विनियमों को सरल बनाने के लिए केंद्रीय बजट 2024-25 की घोषणा के अनुसरण में वित्त

मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 की धारा 15 के साथ-साथ धारा 46 के अंतर्गत दी गई शक्तियों के तहत विदेशी मुद्रा (कंपाउंडिंग कार्यवाही) नियम, 2024 को अधिसूचित किया है। ये संशोधित नियम मौजूदा विदेशी मुद्रा (कंपाउंडिंग कार्यवाही) नियमों का स्थान लेंगे, जो 2000 में जारी किए गए थे मंत्रालय ने कहा कि व्यापार करने में आसानी को और अधिक सुगम बनाने के लिए मौजूदा नियमों और विनियमों को सुव्यवस्थित और युक्तिसंगत बनाने की व्यापक पहल के हिस्से के रूप में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के परामर्श से कंपाउंडिंग कार्यवाही नियमों की व्यापक समीक्षा की गई। वित?त मंत्रालय के मुताबिक कंपाउंडिंग आवेदनों की प्रक्रिया को तेज और सुव्यवस्थित करने के लिए सक्षम प्रावधानों पर जोर दिया गया है, आवेदन शुल्क और कंपाउंडिंग राशि के लिए डिजिटल भुगतान विकल्पों की शुरूआत की गई है, और अस्पष्टता को खत्म करने और प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए प्रावधानों के सरलीकरण और युक्तिसंगत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ये संशोधन निवेशकों के लिए 'निवेश में आसानी' और व्यवसायों के लिए 'व्यापार करने में आसानी' को बढ़ावा देने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

मारुति सुजुकी ने लॉन्च की एपिक न्यू स्विफ्ट एस-सीएनजी

एजेंसी

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने आज एपिक न्यू स्विफ्ट का S-CNG वेरिएंट लॉन्च किया, जो 32.85 किलोमीटर प्रति किलोग्राम की ईंधन दक्षता प्रदान करता है। ऑटोमेकर का दावा है कि नई स्विफ्ट S-CNG अपने सेगमेंट में भारत की सबसे अधिक ईंधन कुशल प्रीमियम हैचबैक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करती है। नई गाड़ी की एक्स-शोरूम कीमत 8,19,500 रुपये से शुरू होती है।एपिक न्यू स्विफ्ट एस-सीएनजी की शुरुआत की घोषणा करते हुए, एमएसआईएल के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी, मार्केटिंग और बिक्री, पार्थो बनर्जी ने कहा, एपिक न्यू स्विफ्ट एस-सीएनजी के लॉन्च के साथ, हम न केवल इसकी समृद्ध विरासत का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि इसे नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। हमारे बिल्कुल नए सीरीज़ इंजन द्वारा संचालित, यह 32.85 किमी/किग्रा॰ की उल्लेखनीय ईंधन-दक्षता प्रदान करता है, जो अपने पूर्ववर्ती की तुलना में 6त्न से अधिक सुधार है, बिना स्विफ्ट के उत्साही लोगों को पसंद आने वाले रोमांचक ड्राइव से समझौता किए। ग्रीनर पावरट्रेन और ड्राइविंग के बेजोड़ उत्साह का यह सहज मिश्रण भारतीय ग्राहकों की जरूरतों और आकांक्षाओं को प्राथमिकता देने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

सरकार को सीआईएल और पॉवरग्रिड से मिले लाभांश किश्त के 3258 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पॉवरग्रिड) ने लाभांश किश्तों के रूप में 3258 करोड़ रुपये दिए हैं। इन कंपनियों में सीआईएल ने करीब 1945 करोड़ रुपये और पॉवरग्रिड ने 1313 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

वित मंत्रालय के निवेश और लोकसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से लाभांश किश्त के रूप में क्रमशः लगभग 1945 करोड़ रुपये और 1313 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इस तरह कुल मिलाकर सरकार को लाभांश किश्त के रूप में 3258 करोड़ रुपये मिले हैं।

उल्लेखनीय है कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) भारत का सार्वजनिक क्षेत्र का एक प्रतिष्ठान है। यह भारत और दुनिया में भी सबसे बड़ी कोयला खनन कंपनी है, जो कोयला मंत्रालय के अधीन कार्यरत है। वहीं, पॉवरग्रिड, भारत सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र का एक अनुसूची 'ए','महारत्न' उद्यम है, जिसे कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत 23 अक्टूबर 1989 को निगमित किया गया था। पावरग्रिड एक सूचीबद्ध कंपनी है, जिसमें सरकार की 51.34 फीसदी हिस्सेदारी है।

श्री तिरुपति एग्रो ट्रेडिंग का शेयर निर्गम मूल्य से 12 फीसदी उछलकर हुआ सूचीबद्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग लिमिटेड कंपनी के शेयर गुरुवार को अपने निर्गम मूल्य 83 रुपये के मुकाबले करीब 12 फीसदी की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ है। कंपनी ने लगभग 170 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 78-83 रुपये प्रति शेयर किया था।बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर 92.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 11.92 फीसदी की उछाल को दर्शाता है। हालांकि, बाद में कारोबार के दौरान यह 17.51 फीसदी की बढ़त के साथ 97.54 रुपये पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर

कंपनी का शेयर कारोबार की शुरुआत में 8.43 फीसदी की बढ़त के साथ 90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांकों पर सूचीबद्ध होने से पहले कंपनी के शेयर 25 रुपये के ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) के साथ कारोबार कर रहे हैं। श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 11.9 फीसदी का प्रीमियम मिला। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 795.64 करोड़ रुपये रहा। श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग कंपनी के आईपीओ को बोली के अंतिम दिन सोमवार तक 124.74 गुना अभिदान प्राप्त हुआ था।

उल्लेखनीय है कि श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग लिमिटेड कंपनी, भारतीय घरेलू बाजार और विदेशों में लचीले इंटरमीडिएट बल्क कंटेनर (एफआईबीसी) यानी बड़े लचीले बैग और अन्य औद्योगिक पैकेजिंग उत्पाद जैसे बुने हुए बोरे, बुने हुए कपड़े और संकीर्ण कपड़े, टेप के निर्माण और बिक्री के व्यवसाय में लगी हुई है।

आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली

एजेंसी

मुंबई। अमेरिका में खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी होने से फेडरल रिजर्व के सितंबर में ब्याज दर में चौथाई फ़ीसदी की कटौती की उम्मीद में विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार करीब डेढ़ फ़ीसदी से अधिक की छलांग लगाकर नये शिखर पर पहुंच गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1439.55 अंक अर्थात 1.77 प्रतिशत की उड़ान भरकर 82,962.71 अंक के नये रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 470.45 अंक यानी 1.89 प्रतिशत उछलकर 25,388.90 अंक के नये शिखर पर पहुंच गया।

दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर लिवाली हुई, जिससे बीएसई का मिडकैप 1.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 49,010.81 अंक और स्मॉलकैप 0.79 प्रतिशत मजबूत होकर 56,589.93 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 4069 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2337 में तेजी जबकि 1609 में गिरावट रही वहीं 123 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 49 कंपनियों में लिवाली जबकि एक में बिकवाली हुई। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में अगस्त में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई में 0.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसको ध्यान में रखते हुए अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के इस महीने ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने की संभावना है। साथ ही यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के ब्याज दर में एक बार और कटौती करने की उम्मीद से भी निवेश धारणा मज़बूत हुई। इससे विश्व बाजार में तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.90, जर्मनी का डैक्स 1.29, जापान का निक्केई 3.41 और हांगकांग के हैंगसेंग ने 0.77 प्रतिशत की छलांग लगाई। हालांकि चीन का शंघाई कम्पोजिट

0.17 प्रतिशत फिसल गया। बीएसई के सभी 20 समूहों में लिवाली हुई। इससे धातु 3.05, दूरसंचार 2.61, टेक 2.06, पावर 2.02, कमोडिटीज 1.85, सीडी 1.47, ऊर्जा 1.68, एफएमसीजी 0.97, वित्तीय सेवाएं 1.39, हेल्थकेयर 1.10, इंडस्ट्रियल्स 1.34, आईटी 1.53, यूटिलिटीज 1.93, ऑटो 1.99, बैंकिंग 1.52, कैपिटल गुड्स 1.64, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.54, तेल एवं गैस 1.64, रियल्टी 0.91 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.54 प्रतिशत चढ़ गए।

कारोबार की शुरूआत में 407 अंक की तेजी के साथ 81,930.18 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से दोपहर से पहले 81,534.29 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। वहीं, कारोबार के अंतिम चरण हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत 83,116.19 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। अंत में पिछले दिवस के 81,523.16 अंक के मुकाबले 1.77 प्रतिशत मजबूत होकर 82,962.71 अंक पर रहा। इसी तरह निफ्टी भी 141 अंक चढ़कर 25,059.65 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 24,941.45 अंक के निचले जबकि 25,433.35 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 24,918.45 अंक की तुलना में 1.89 प्रतिशत उछलकर 25,388.90 अंक पर बंद हुआ।

इस दौरान सेंसेक्स की जिन प्रमुख कंपनियों के शेयर लाभ में रहे उनमें भारती एयरटेल 4.36, एनटीपीसी 3.87, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.36, जेएसडब्ल्यू स्टील 3.06, अडानी पोर्ट्स 2.94, एसबीआई 2.57, टेक महिंद्रा 2.44, एलटी 2.43, टाटा स्टील 2.43, कोटक बैंक 2.08, इंफ़ोसिस 2.07, अल्ट्रासिमको 1.95, रिलायंस 1.90, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.67, एचसीएल टेक 1.52, पावरग्रिड 1.49, इंडसइंड बैंक 1.48, एक्सिस बैंक 1.46, टाइटन 1.41, एचडीएफ़सी बैंक 1.32, मारुति 1.18, आईसीआईसीआई बैंक 1.17, बजाज फिन सर्व 1.13, टाटा मोटर्स 1.03, बजाज फाइनेंस 1.02, सन फार्मा 1.00, आईटीसी 0.93, एशियन पेंट 0.48 और टीसीएस 0.40 प्रतिशत शामिल है। वहीं, नेस्ले ने 0.09 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

किचन में रखे डस्टबिन से आ रही है भयंकर दुर्गंध, साफ करने के लिए 5 स्टेप करें फॉलो, जर्म्स का होगा सफाया, मिनटों में दूर होगी बदबू

घर में डस्टबिन से कचरा रेगुलर ना फेकें तो बदबू आने लगती है. घर में रहना दूभर हो सकता है, जब तक कूड़ेदान की सफाई ना की जाए. इसमें कीटाणु भी पनपने लगते हैं. सिर्फ पानी से साफ करने से बात नहीं बनेगी. ऐसे में आपके लिए हम लेकर आए हैं स्टेप बाई स्टेप डस्टबिन साफ करने के टिप्स.

घर-घर में कूड़ा-कचरा फेंकने के लिए डस्टबिन लोग रखते हैं. किचन, टॉयलेट, रूम आदि में डस्टबिन रखते हैं. इसमें कचरा फेकते जाएं और इसे कई दिनों तक कूड़े वाले को ना दें तो इसमें से गंदी सी बदबू आने लगती है. ये बदबू पूरे घर में धीरे-धीरे फैल जाती है. इससे बैठना भी मुश्किल हो जाता है. गर्मियों के मौसम में तो डस्टबिन की सफाई ना की जाए तो इसमें कीड़े तक पनपने लगते हैं. ये आपको बीमार कर सकते हैं. डस्टबिन की हाइजीन का खास ख्याल रखना जरूरी है. खासकर, उन घरों में जहां छोटे-छोटे बच्चे होते हैं. आप चाहते हैं कि आपका डस्टबिन साफ-सुथरा रहे तो हम आपके लिए लेकर आए हैं स्टेप बाई स्टेप डस्टबिन क्लीनिंग टिप्स.

डस्टबिन साफ करने के लिए सामग्री

आपको कूड़ेदान को साफ करना है तो इसके लिए आपको कुछ सामग्री की जरूरत होगी. आप गर्म पानी, लिक्विड सोप या डिटर्जेंट, स्क्रबिंग ब्रश, प्लास्टिक ग्लव्स, साफ कपड़ा, एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज से युक्त एसेंशियल ऑयल चाहिए.

डस्टबिन साफ करने का तरीका (Best way to clean dustbin)

1. डस्टबिन की सफाई शुरू करने से पहले आप अपने हाथों में ग्लव्स पहनें. इससे आपके हाथ और नाखूनों में डस्टबिन में लगी गंदगी, जर्म नहीं लगेंगे. यदि अधिक बदबू आ रही हो तो आप मास्क भी पहन सकते हैं.

2. अब आप डस्टबिन में पड़े सारे कचरे को फेंक दें. बाहर सड़क या गली, मुहल्ले में ना फेकें. जिस जगह पर कचरा फेंकने का कूड़ादान बना है, वहीं कचरे को फेकें. कूड़ा वाला आता है तो उसे भी कचरा डेली दें ताकि डस्टबिन में ये कचरा पड़ा ना रहे.

3. अब आप नल के नीचे रखकर डस्टबिन में पानी डालें और धोएं. इससे गंदगी सारी निकल जाएगी. बेहतर है कि आप टॉयलेट में जेट स्प्रे का इस्तेमाल करें. इससे पानी का प्रेशर अधिक पड़ेगा तो डस्टबिन पर चिपकी गंदगी, खाने के कण जल्दी हटेंगे.

4. अब आप डस्टबिन में लिक्विड सोप या फिर डिटर्जेंट डालकर साफ करें. स्क्रब ब्रश से डस्टबिन को अच्छी तरह से रगड़ कर क्लीन करें. इससे जर्म्स, धूल-गंदगी, बदबू सब निकल जाएगी. अब आप डस्टबिन में गर्म पानी डालकर इसे अच्छी तरह से साफ कर लें. जर्म्स बचे भी होंगे तो गर्म पानी से मर जाएंगे. आप चाहें तो साबुन-सर्फ को पानी में घोलकर सॉल्युशन बनाएं और इससे सफाई करें.

5. अब अंत में आप डस्टबिन में खुशबूदार एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डाल दें. मार्केट में एंटीफंगल प्रॉपर्टीज वाले कई एसेंशियल ऑयल मिलते हैं. इन्हें डालने से बदबू पूरी तरह से खत्म हो जाएगी. एक बार फिर से पानी से साफ करें. दूध में डस्टबिन को सूखने के लिए रख दें. इस तरह स्टेप बाई स्टेप कूड़ेदान की रेगुलर सफाई करके देखें, कभी भी बदबू नहीं आएगी.

भेड़िया आया, भेड़िया पकड़ाया

देश ने बाबरी मस्जिद को तोड़कर उसी जमीन पर राम मंदिर बनते हुए देख लिया है, जबकि मस्जिद तोड़ने वाले दोषी अब तक सजा से दूर हैं। अब विहिप अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के कानूनी तरीके तलाश रहा है। इसके बाद नरेन्द्र मोदी हिंदू-मुस्लिम एकता का ज्ञान देते हैं और अमित शाह राहुल गांधी पर भाषा और धर्म के आधार पर देश को विभाजित करने के आरोप लगाते हैं।

उत्तरप्रदेश के बहराइच में पिछले कई दिनों से भेड़ियों के आतंक की खबर आ रही थी। भेड़ियों के हमले से ग्रामीण बचाव की गुहार लगा रहे थे, जिसके बाद वन विभाग हरकत में आया। टीम बनाई गई, रणनीति बनाई गई, जाल बिछाया गया और अब तक पांच भेड़ियों को पिंजड़े में बंद करने में वन विभाग को सफलता मिल गई है। भेड़िए प्रकृति से हिंसक हैं, आदमखोर भी हो सकते हैं, लेकिन हैं तो आखिर में जानवर ही, जो प्रकृति के नियमों से बंधे होते हैं। उनमें छल कपट नहीं होता, चालाकी नहीं होती कि अपने दांत और नाखून छिपा कर घूमें ताकि जंगल के दूसरे जानवर उनकी असलियत पहचान न सकें। जानवर को अगर हमला करना होता है तो उसके लिए जो घात लगाई जाती है, उसकी इजाज़त प्रकृति से मिली होती है। बिना बात जानवर हमले नहीं करता, खुद की श्रेष्ठता दिखाने के लिए दूसरे जानवर को अपमानित नहीं करता, एक जानवर जंगल में पानी के स्रोत पर अपना कब्जा दिखाकर दूसरे जानवर को पानी पीने से वंचित नहीं करता। जानवर रंग या कद के हिसाब से भेदभाव नहीं करता।इसलिए जंगल शेर, लोमड़ी, हाथी, हिरण, बंदर, गिलहरी, चींटी, सांप, नेवला, सूअर और भेड़िए सभी के सहअस्तित्व से बना है। इंसान जिसे जंगलराज कहकर अपमानित करता है, असल में उस जंगलराज से बहुत कुछ सीखे जाने की गुंजाइश बाकी है। बहरहाल, भेड़िए वन विभाग के बिछाए जाल में फंस गए, क्योंकि उनमें धूर्तता नहीं थी। अब इन हिंसक कहे जाने वाले भेड़ियों के साथ क्या सलूक होता है। उन्हें जिंदा रखा जाता है, या मार दिया जाता है, या पिंजड़े में कैद करके मनुष्यों के मनोरंजन के लिए छोड़ दिया जाता है, ये पता नहीं। लेकिन भेड़ियों को पकड़ने की इस खबर से जिज्ञासा उपजी कि समाज में जो अलग-अलग तरीकों के इंसानियतखोर हैवान घूम रहे हैं, क्या उन्हें पकड़ने या काबू में करने के लिए कोई रणनीति कभी बनेगी या समाज हमेशा इस डर में ही कैद रहेगा कि न जाने किस रंग, रूप, शक्ल में उस पर हमला हो जाए। हाल की कुछ घटनाओं से इंसानियतखोरों के खतरे को कुछ और विस्तार से समझा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के उज्जैन शहर से एक दिल दहलाने वाला वीडियो वायरल हुआ, जिसमें दिन दहाड़े, सरेआम, व्यस्त सड़क पर एक महिला के साथ बलात्कार होता रहा और इस अनाचार को रोकने की जगह उसका वीडियो बनाया गया। इस घटना ने बता दिया कि साल में दो-दो बार शक्ति की पूजा मनाने वाले इस देश में महिला सुरक्षा और सम्मान की तमाम बातें ढोंग के अलावा कुछ नहीं है। इस मामले में आरोपी को पहचान कर अब गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन इस पर जिस तरह की राजनीति हुई और जनसामान्य में इस गंभीर मुद्दे पर जितनी चिंता दिखनी चाहिए थी, वह नहीं दिखी, यह सबसे अधिक परेशान करने वाला तथ्य है। मप्र में भाजपा की सरकार है और विपक्ष में बैठी कांग्रेस ने जब इस मुद्दे पर सवाल उठाए तो भाजपा की ओर से कहा गया कि आरोपी पकड़ा गया है। कांग्रेस प्रदेश को बदनाम करने के कुत्सित प्रयास कर रही है। आरोपी और पीड़िता दोनों एक-दूसरे से पहले से परिचित हैं, बाकी स्पष्टता से जांच के बाद सामने आ जाएगी। भाजपा की बचाव की इन दलीलों को सुनकर आश्चर्य होता है कि यह वही भाजपा है, जो प.बंगाल में बलात्कार की घटना पर कई दिनों तक हंगामे को जारी रख सकती है, लेकिन मध्यप्रदेश में बलात्कार की घटना पर आरोपी के पकड़े जाने को उपलब्धि की तरह पेश करती है। समाज को इस तरह के तर्कों के बाद सतर्क हो जाना चाहिए, लेकिन समाज में भी मंदिर-मस्जिद की खुमारी अब तक तारी है। इसलिए मणिपुर में महिलाओं की नग्न परेड से लेकर उज्जैन में सरेराह बलात्कार की घटना में उसे अहसास ही नहीं हो रहा कि हम सभ्यता के पैमाने पर कितना नीचे गिर चुके हैं।एक अन्य उदाहरण हिमाचल प्रदेश से सामने आ रहा है। जहां इस समय कांग्रेस की सरकार है, लेकिन हिंदुत्व अपनी उग्रता दिखाने के लिए बेताब दिख रहा है। शिमला के संजौली में एक मस्जिद को अवैध बताते हुए उसे गिराने की मांग करने के लिए कानून-व्यवस्था सभी को चुनौती दी जा रही है। बुधवार को हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी संजौली में ढली सब्जी मंडी के पास पहुंच गए और चक्का जाम कर दिया गया। पुलिस ने रोकने की कोशिश की, तो प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़ दिए और मस्जिद की तरफ बढ़ने लगे, लिहाजा पुलिस को पानी की बौछार और लाठी चार्ज का सहारा लेना पड़ा।

दरअसल कुछ समय पहले यहां दो गुटों में मारपीट हुई थी, जिसमें आरोप है कि कुछ लोग मस्जिद में जाकर छिप गए। इसके बाद से ही हिंदू संगठन मस्जिद को गिराने की मांग कर रहे हैं। यहां भले ही मस्जिद के अवैध निर्माण का वास्ता दिया जा रहा है, लेकिन असल में यह सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने और हिंदुत्व का दबदबा कायम करने की कोशिश ही है। अगर मस्जिद अवैध तरीके से बनी है, तो उस पर नगरनिगम कार्रवाई करेगा, इसके लिए हिंदू संगठनों को शक्तिप्रदर्शन की जरूरत क्यों पड़ रही है। क्या मस्जिद गिराने की आड़ में सरकार गिराने का कोई खेल चल रहा है या फिर सांप्रदायिक तनाव बढ़ाकर एक बार फिर अल्पसंख्यकों को दोयम स्थान पर दिखाने की कोई साजिश चल रही है।

उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, हाल के बरसों में ये तमाम राज्य सांप्रदायिक तनाव के शिकार बन चुके हैं, क्या उस कड़ी में अब हिमाचल प्रदेश को जोड़ा जा रहा है। असलियत जो भी हो, यहां भी सीधे-सीधे इंसानियत का ही शिकार हो रहा है।

एक और प्रसंग आठ सितंबर का है, जिसमें न किसी का शोषण हुआ है, न कोई उग्र प्रदर्शन या कानून हाथ में लेने जैसी घटना हुई है, सब कुछ सभ्यता के आवरण में हुआ, लेकिन उसके निहितार्थ क्या हैं, ये समझने की जरूरत है। दरअसल विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के विधि प्रकोष्ठ ने राजधानी दिल्ली में आठ तारीख को एक बैठक आयोजित की, जिसमें वाराणसी और मथुरा के मंदिरों से जुड़े कानूनी विवाद, वक्फ (संशोधन) विधेयक के साथ-साथ धर्मांतरण के मुद्दों पर चर्चा हुई। विहिप हिंदुत्ववादी संगठन है, तो वह इसी तरह के एजेंडे पर बैठक करेगा, इसमें कोई आश्चर्य नहीं है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस बैठक में सुप्रीम कोर्ट और कई हाईकोर्ट के करीब 30 पूर्व जज शामिल हुए। विहिप के मुताबिक इस बैठक का उद्देश्य जजों और विहिप के बीच विचारों का स्वतंत्र विनिमय था, ताकि दोनों एक-दूसरे के प्रति समझ विकसित कर सकें। यह कितनी खतरनाक बात है कि जब वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा में शाही ईदगाह पर हिंदुत्ववादी संगठन के दावों जैसे मुद्दे अदालतों में लंबित हैं, तब इन्हीं मुद्दों पर शामिल बैठक में पूर्व जज शामिल हो रहे हैं।

भले कानूनी तौर पर इसमें कोई अड़चन न दिखे, लेकिन क्या इन फैसलों पर इस बैठक के प्रभाव से इंकार किया जा सकता है। पूर्व जजों के अलावा केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी बैठक में उपस्थित हुए, यह और परेशान करने वाली बात है। क्योंकि सरकार और परोक्ष तरीके से न्यायपालिका दोनों विहिप के साथ रहेंगे, तो फिर निष्पक्ष फैसले कैसे लिए जाएंगे। विहिप आगे भी इस तरह बैठकें आयोजित करने पर विचार कर रहा है। एक विहिप नेता के मुताबिक विचारों का यह आदान-प्रदान विधिक समुदाय को हमारे विचार समझने में मदद करेगा, और हम हमारा एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए कुछ कानूनी समझ विकसित करेंगे। हम हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के कानूनी तरीके तलाश रहे हैं।

देश ने बाबरी मस्जिद को तोड़कर उसी जमीन पर राम मंदिर बनते हुए देख लिया है, जबकि मस्जिद तोड़ने वाले दोषी अब तक सजा से दूर हैं। अब विहिप अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के कानूनी तरीके तलाश रहा है। इसके बाद नरेन्द्र मोदी हिंदू-मुस्लिम एकता का ज्ञान देते हैं और अमित शाह राहुल गांधी पर भाषा और धर्म के आधार पर देश को विभाजित करने के आरोप लगाते हैं।समाज भेड़िया आया, भेड़िया आया की कहानी बार-बार सुनकर भी सबक नहीं ले रहा है। फिलहाल हम पांच भेड़ियों के पिंजड़े में कैद होने पर खुश हो लें, लेकिन वन विभाग के मुताबिक ऐसे भेड़िए दर्जन भर थे, यानी अभी बहुतों को काबू में करना बाकी है।

संपादकीय

राहुल ने बताई वस्तुस्थिति

अमेरिका में राहुल गांधी द्वारा प्रेस कांफ्रेंस में जो कुछ कहा गया उसे लेकर कई मुद्दों पर फिर से बवाल हुआ है। टेक्सास के डलास में भारतीयों के बीच उन्होंने जो कहा था, उसे लेकर गिरिराज सिंह, पूर्व मंत्री रविशंकर प्रसाद समेत तकरीबन दो दर्जन भाजपाइयों ने अपनी समझ और पार्टी लाइन के अनुसार राहुल की आलोचना कर दी है। अब वाशिंगटन डीसी में नेशनल प्रेस क्लब के सामने राहुल गांधी ने जो कुछ कहा है, उसकी आलोचना एवं तोड़-मरोड़ करने योग्य अंश निकालकर भाजपा हमलावर तो है पर राहुल द्वारा व्यक्त विचारों को सही परिप्रेक्ष्य में देखे जाने की ज़रूरत सभी को है।अमेरिका किसी भी देश में लोकतंत्र के बनने-बिगड़ने को वैश्विक दृष्टिकोण से देखने का आदी है। राहुल ने इसी देश की अपनी पिछली यात्रा एक सांसद के रूप में की थी, तो इस बार वे वहां पर विपक्ष के नेता के तौर पर हैं। इस पद की अहमियत को भी लोकतांत्रिक रूप से सजग और परिपक्वह देश जानता है। पहले के मुकाबले भाजपा का अधिक तिलमिलाना स्वाभाविक तो है लेकिन राहुल देश की वास्तविकताओं से वहां की प्रेस को अवगत करा चुके हैं। हालांकि जिस मंच को उन्होंने सम्बोधित किया वह कोई स्थानीय प्रेस नहीं बल्कि जैसा कि नाम से ही स्पष्ट होता है, वह अंतरराष्ट्रीय प्रेस बिरादरी है। जून, 2023 में भी वे इस मंच को सम्बोधित कर चुके थे।पहले तो यह बात कर ली जाये कि उनके किन बयानों को भाजपा अपने पक्ष में मोड़ रही है। आरक्षण को लेकर उन्होंने जो कहा है, उसका आशय यह था कि %जब आरक्षण खतम करने की स्थिति आयेगी, तब उस पर सोचा जायेगा।% इसे ऐसे पेश किया जा रहा है कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के पक्ष में है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस आरक्षण को 50 प्रतिशत तक करना चाहती है। पाकिस्तान को लेकर पूछे गये सवाल पर उनकी लाइन वही थी जो कांग्रेस की सरकार के रहते थी।उन्होंने कहा कि उस देश से आतंकवादी गतिविधियां संचालित होती हैं।

यह सर्वविदित है और पहले से अमेरिका तक इसे कहता आया है। सरकार समर्थक मीडिया इसे मोदी के साथ राहुल का होना बतला रहा है। ऐसे ही, बांग्लादेश में हो रही हिंसा को भी उन्होंने गलत बताया है। बहुत सम्भव है कि भाजपा का आईटी सेल इसे ऐसा प्रस्तुत करे कि %वहां के अल्पसंख्यकों (हिन्दू) के साथ हो रही हिंसा को लेकर राहुल को भी बयान देना पड़ा।% इन दोनों-तीनों बातों में दम नहीं है और बहुत भरोसे के साथ कहा जा सकता है कि राहुल के कई बयानों को जिस प्रकार से पहले तोड़ा-मरोड़ा गया था लेकिन वे प्रयास कोई कारगर नहीं हो पाये थे, उसी प्रकार यह दुष्प्रचार भी बहुत लम्बा टिकने वाला नहीं है। ऐसे एक-दो मुद्दों को छोड़ दिया जाये तो भाजपा के पास राहुल की आलोचना हेतु गिने-चुने हथियार ही रह जाते हैं। जैसे, उन्हें इस बात के लिये कोसा जाये कि उन्होंने भारत की बदनामी विदेशी धरती पर की है, आदि।राहुल के भाषण के कंटेंट पर आयें तो कहा जा सकता है कि उन्होंने भारत में लोकतंत्र की वर्तमान हालत, उसके इस स्थिति तक पहुंचने और भविष्य की तस्वीर का खाका खींचा है। विपक्ष के नेता के तौर पर जो उनका दायित्व है, उन्होंने वह पूरा किया है। उन्होंने बतलाया कि 2014 में, यानी जब भाजपा ने केन्द्र की सरकार बनाई थी, तभी से सत्ता ने देश के लोकतांत्रिक ढांचे की नींव पर ऐसा हमला करना शुरू किया जो पहले कभी नहीं देखा गया था। उन्होंने इस बात की जानकारी दी कि किस कठिनाई से कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। इसके साथ ही, नरेन्द्र मोदी ने संवाद के सारे रास्ते बन्द कर दिये हैं। आम तौर पर लोकतंत्र के लिये काम करने वाले सारे संस्थान बन्द कर दिये हैं। इतना ही नहीं, विपक्ष पर हमले किये गये तथा विरोधी दलों की निर्वाचित राज्य सरकारों को मोदी ने उखाड़ फेंका है। इसलिये उन्हें %भारत जोड़ो यात्रा% तथा %न्याय यात्रा% निकालनी पड़ी थी। उनके पास देशवासियों से जुड़ने का एकमात्र यही रास्ता बचा रह गया था। उन्होंने माना कि यह एक कठिन लड़ाई थी जिसने उन्हें भी व्यक्तिगत रूप से बदला है।राहुल ने ऐसी कोई नयी बात नहीं कही है। इनमें से अधिकतर बातें वे सभी जगहों पर कहते आये हैं। यह तो मोदी सरकार एवं भाजपा को सोचना होगा कि जो मुद्दे राहुल ने उठाये हैं, उन्हें तोड़-मरोड़कर जनता के सामने पेश किया जाये या देश में लोकतंत्र की स्थिति को सुधारने के लिये वह कुछ करे।

घुटती सांसों से कम होती औसत आयु की चिन्ता

वायु प्रदूषण का संकट भारत की राष्ट्रव्यापी समस्या है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हाल ही में जारी रिपोर्ट इस चिन्ता को बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु तीन से पांच वर्ष एवं दिल्ली में दस से बाहर वर्ष कम कर रहा है। बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। दरअसल, देश के बड़े शहर आबादी के बोझ से त्रस्त हैं। बढ़ती आबादी के लिये रोजगार बढ़ाने व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो औद्योगिक इकाइयां लगायी गई, उनकी भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका रही है। डीजल-पेट्रोल के निजी वाहनों को बढ़ता काफिला, निर्माण कार्यों में लापरवाही, कचरे का निस्तारण न होना और जीवाश्म ईंधन ने प्रदूषण बढ़ाया है। यह बढता वायु प्रदूषण हमारी जीवन शैली से उपजे प्रदूषण की देन भी है।यह निराशाजनक खबरों के बीच उत्साहवर्धक खबर यह भी है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं, लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही सूचकांक-2024 में यह चेताया भी है कि यदि भारत में डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम 2.5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है। पीएम 2.5 श्वसन प्रणाली में गहराई तक प्रवेश कर सकता है और सांस संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। यह स्वास्थ्य को एक बड़ा खतरा है और वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारक है।हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। हमारे उद्यमियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण में योगदान देना चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि महानगरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप जैसी व्यवस्था को नियमित रूप से लागू क्यों नहीं किया जा सकता? ताजा कुछ अध्ययनों में बताया गया है कि बढ़ता प्रदूषण नवजात शिशुओं तथा बच्चों की जीवन प्रत्याशा पर बुरा प्रभाव डाल रहा है। ऐसे में हमें पराली के निस्तारण, औद्योगिक कचरे के नियमन तथा कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर रोक लगाने जैसे फौरी उपाय तुरंत करने चाहिए। ऐसे तमाम प्रदूषण स्रोतों को नियंत्रित करने की जरूरत है जो हमारे जीवन पर संकट पैदा कर रहे हैं।

अध्ययन कहता है कि भारत के सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित हैं। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दर्शाते हैं। लेकिन थोड़ी स्थिति सामान्य होने पर परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'। कभी पेट्रोल-डीजल के नये मानक तय होते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में प्रदूषण कम करने को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं, वहीं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुसार हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 के वार्षिक स्तर की सुरक्षित सीमा क्रमशः चालीस माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और साठ माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होनी चाहिए। हालांकि, ये मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित मानकों से कहीं ज्यादा हैं। दरअसल, हमारे नीति-नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख-सुविधा की लालसा एवं भौतिकतावादी जीवनशैली की चमक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे-बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा, एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा? रिपोर्ट में उल्लेखित प्रदूषण में आई गिरावट की वजह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां बतायी गई हैं। हालांकि, हकीकत यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये चलायी जा रही कई योजनाओं के सकारात्मक परिणामों का भी इसमें योगदान रहा है। खासकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जिन शहरों को शामिल किया गया था, वहां भी पीएम-2.5 सांद्रता में गिरावट देखी गई है। वहीं स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव प्रदूषण नियंत्रण पर नजर आया है। इससे भारत के रिहाइशी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। ऐसी योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का सुझाव भी दिया गया है। बहरहाल, हमें वर्ष 2022 के उत्साहजनक परिणामों के सामने आने के बाद व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीन नहीं होना है। यह एक लंबी लड़ाई है और इसमें सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सरकारों के भरोसे ही लगातार गहराते पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है।

निश्चित ही वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा हैं। वायु प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है। सरकारें अनेक लुभावने तर्क एवं तथ्य देकर समस्या को कमतर दिखाने की कोशिशें करती है। लेकिन हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो वह व्यावहारिक धरातल पर दिखना चाहिए। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे राष्ट्र को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? वास्तव में यह विभिन्न राज्य सरकारों का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है, जिसने सबको जहरीले वायुमंडल में रहने को विवश किया है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?
ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।
इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

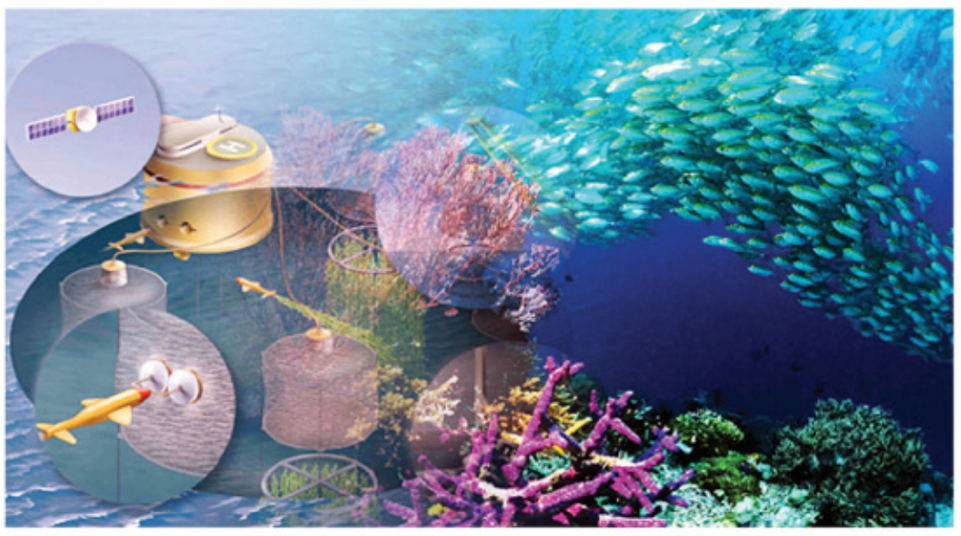

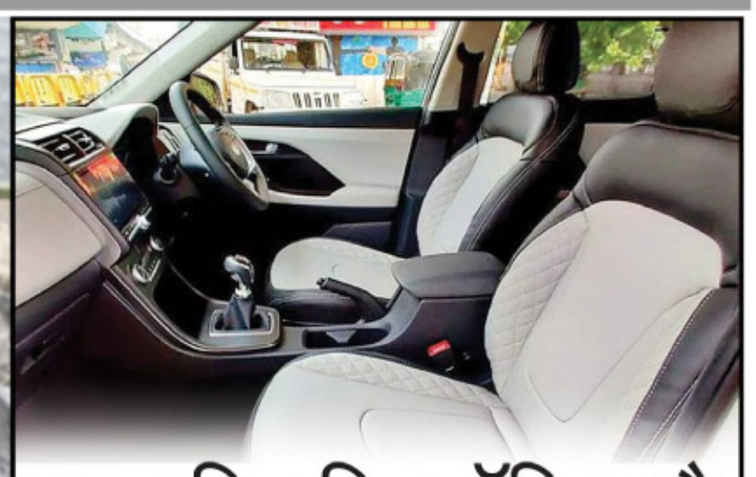

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।
ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है:

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है:

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है:

विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्व होता है

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

सप्लाई चेन मैनेजर
एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
प्लांट मैनेजर ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
परचेस मैनेजर फैसिलिटी मैनेजर
इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

स्वास्थ्य कॉर्पोरेट व्यवसाय
बहुराष्ट्रीय कंपनियां हॉस्पिटैलिटी
विनिर्माण और खुदरा वित्तीय संस्थाए
बीमा क्षेत्र सूचना प्रौद्योगिकी
ई-कॉमर्स वेयरहाउसिंग
निर्माण सलाहकारी फर्में

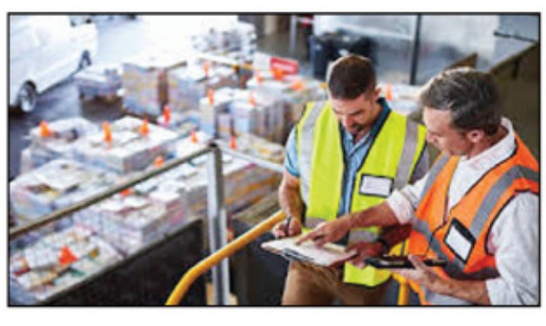

बच्चों के विकास में हो रही देरी को समझें और ले जाएं उन्हें सफलता के रास्ते पर

हर बच्चे को स्नेह, प्रोत्साहन और सहारे की जरूरत होती है। खासतौर से जिन बच्चों के विकास में थोड़ी देरी हो रही है, उनके लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस तरह के सकारात्मक सहयोग के जरिए ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसे बच्चे भी बड़े होकर आत्मविश्वास से भरपूर होंगे, उनके भीतर खुद की क्षमताओं को समझने की ताकत होगी और विषम परिस्थितियों के बाद भी उनके अंदर आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प होगा। बालपन की शुरुआत में ही बच्चे के बोलने, चलने, खुद का ख्याल रखने, खेलने जैसी कुछ क्रियात्मक बातों पर ध्यान देकर पैरेंट्स यह नोटिस कर सकते हैं कि बच्चे का विकास मानकों के अनुरूप हो रहा है कि नहीं। इसके अलावा इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी भी एक ऐसी स्थिति है, जिसकी शुरुआत बालपन में होती है और जिसमें बच्चे के सीखने ओर समझने की सीमित क्षमताओं को पहचाना जा सकता है। ज्यादा गंभीर स्थिति वाले मामलों की पहचान बच्चे के जन्म के पहले साल के अंदर ही हो जाती है। कम गंभीर मामलों में बच्चे के संज्ञानात्मक विकास पर पड़ रहे असर का पहला लक्षण स्कूल की शुरुआत में हो रही दिक्कतों के जरिए पहचाना जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे को पढ़ने में या गणित के सवालों को हल करने में दिक्कत हो रही है, तो इस बात को नोटिस किया जा सकता है। कुछ पैरेंट्स यह भी नोटिस कर सकते हैं कि उनके एक बच्चे का डिवेलपमेंट दूसरे बच्चे के मुकाबले धीमे हो रहा है। एक तरह से देखा जाए, तो पहले बच्चे के व्यवहार को देखकर यह पता चलता है कि उसका विकास सही तरीके से नहीं हो रहा है और फिर अंततः वह स्थिति आती है, जिसमें डॉक्टर की मदद लेनी पड़ती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बाद में बच्चे के विकास में और किस किस तरह की अड़चनें आ सकती है। पैरेंट्स होने के नाते आपको सबसे पहला काम यह पता लगाने का है कि आपका बच्चा किस तरीके से सबसे जल्दी और बेहतर ढंग से सीखता है।

विजुअल लर्नर

इसके जरिए यह पता लगाया जा सकता है कि क्या बच्चा चीजों को देखकर, पढ़कर या डाइग्राम, मैप्स, ड्रॉइंग आदि के जरिए पिक्चराइज करके चीजों को सीखता है और तब ज्यादा अच्छा काम करता है, जब मटीरियल उसके सामने रखा जाए और जिसे वह देखकर महसूस कर सके, न कि सुनकर।

ऑडिटरी लर्नर: इसमें बच्चा सुनकर ज्यादा बेहतर काम करता है, लेक्चर बेस्ड माहौल में जल्दी सीखता है। क्लासरूम डिस्कशन, मौखिक निर्देश और स्टडी ग्रुप्स के जरिए उसे फायदा मिलता है।

काइनेस्थैटिक लर्नर: इसमें बच्चा मूव करके ओर खुद से काम करके सीखता है, खुद अपने हाथों से की जाने वाली एक्टिविटीज, लैब क्लासेज, प्रॉप, स्किट्स और फील्ड ट्रिप्स से उसे लाभ मिलता है।

बच्चों को आगे बढ़ने में मदद

ऐसे में जल्द से जल्द हस्तक्षेप करने और सही समय पर बच्चे को स्कूल में दाखिल करवाने की जरुरत होती है, ताकि बच्चे के इंटेलेक्चुअल लेवल में सुधार हो और वह अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ सके। जिन बच्चों को जल्द सीखने में किसी तरह की दिक्कत आती है, ऐसे बच्चों को मजबूती से उभारने और उनके अंदर लचीलापन लाने के लिए उनकी मदद के रास्ते तलाशना जरूरी है। लर्निंग डिसेबलिटी से जुड़ी समस्याएं केवल अच्छे बर्ताव से हल नहीं होगी, लेकिन इससे आपके बच्चे के अंदर एक नई उम्मीद जगेगी और उसका भरोसा बढ़ेगा, जिससे उसे आगे बढ़ने में मदद मिलेगी और भविष्य में वह भी सफलता के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। संज्ञानात्मक विकलांगता यानी कॉग्नेटिव डिसेबलिटी की वजह आमतौर पर प्रसव के पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद के कारकों पर निर्भर करती है। प्रसव पूर्व के कारणों में जेनेटिक विषमता, इन्फैक्शंस, सेंट्रल नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी, डाउन सिंड्रोम और ऐसे तत्वों के संपर्क में आना, जो बच्चे के जन्म पर प्रभाव डालते हैं, शामिल है। बच्चे के अंदर इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी पैदा होने के ये सबसे प्रमुख जेनेटिक कारण हैं। प्रसवकालीन कारणों में जानलेवा कुपोषण, प्रीमैच्योरिटी और ब्रेन में ऑक्सिजन की सप्लाई में कमी जैसी वजहें प्रमुख हैं,

कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने के लिए थैरेपीज

प्रसव बाद के कारणों में कई तरह के इन्फैक्शंस, घुटन, एक्सिडेंटल और नॉन एक्सिडेंटल ट्रॉमा, ब्रेन डैमेज, सीएनएस ट्यूमर आदि प्रमुख हैं। इन कारकों की वजह से बच्चे के अंदर पैदा हुई कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने में कई तरह की थैरेपीज और सर्विसेज मददगार साबित हो सकती हैं। इनमें नर्सिंग सर्विसेज, ऑक्यूपेशनल थैरेपी, फिजिकल थैरेपी, एडाप्टिव उपकरण, स्पीच और लैंग्वेज थैरेपी, न्यूट्रिशनल काउंसिलिंग, ऑडियोलॉजी सर्विसेज, साइकोलॉजिकल हस्तक्षेप, रीक्रिएशन थैरेपी और सोशल वर्क सर्विसेज जैसी थैरेपीज और सर्विसेज शामिल है। इनके अलावा स्पेशल एजुकेशन टीचर्स भी बच्चे को एजुकेशनल सर्विसेज मुहैया करा सकते हैं। कई बार सतर्कता में कमी, सीखने में दिक्कत, बोलने में दित या व्यापक विकासशील विकारों को इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी समझ लिया जाता है, जबकि केवल 5 पर्सेंट आबादी में ही संज्ञानात्मक कमी देखी जाती है और इनमें से ज्यादातर लोग माइल्ड रेंज डेफिसिट कैटिगरी यानी ऐसी कैटिगरी में आते हैं, जिनमें डिसेबिलिटी बेहद गंभीर नहीं होती।

डॉ. नूपुर गुप्ता, कंसलेंट ऑब्स्टट्रिशन एंड गाइनोकोलॉजिस्ट

रेसिपी

अंजीर का हलवा

सामग्री

- सूखे अंजीर- 100 ग्राम
- घी- 2 चम्मच
- मिल्क पाउडर- 1 चम्मच
- चीनी- 2 चम्मच
- इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच
- दूध- 1 कप

गार्निशिंग के लिए

- सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालेंऔर ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें ।

सूजी बर्फी

सामग्री

- तिल - 150 ग्राम
- सूजी - 180 ग्राम
- चीनी - 225 ग्राम
- घी - 125 ग्राम
- पिस्ता - 1 टेबल स्पून
- बादाम - 1 टेबल स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच

विधि

तिल सूजी की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले तिल भून लीजिए। इसके लिए पैन गरम कीजिए। इसमें तिल डालकर लगातार चलाते हुए तब तक तिल को भूनिए जब उसका रंग हल्का सा बदलने लगे और वह हल्का सा फूलने लगे। भुने तिल को प्लेट में निकाल लीजिए। अब कड़ाही में घी डालकर इसमें सूजी डाल दीजिए और सूजी को लगातार चलाते हुए धीमी से मध्यम आंच पर हल्की ब्राउन होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिए। सूजी भुन जाने पर इसे भी प्लेट में निकाल लीजिए। पिस्तों को पतला-पतला काट लीजिए और बादाम को भी बारीक काटकर तैयार कर लीजिए।

चाशनी बनाएं : पैन में चीनी और कप पानी डालकर चीनी के पानी में घुलने के बाद 1 से 2 मिनिट तक पकाएं। जब चाशनी में से तार निकलने लगे तो समझ लीजिए चाशनी बनकर के तैयार है। इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कीजिए। एक थाली को थोड़े से घी से चिकना कीजिए। मिश्रण को थाली में डालकर फैलाइए और बारीक कटे हुए पिस्तों से इसे सजा दीजिए। बर्फी को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। मिश्रण के जम जाने पर इसे चाकू की सहायता से अपने मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट सर्व करें

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 2586

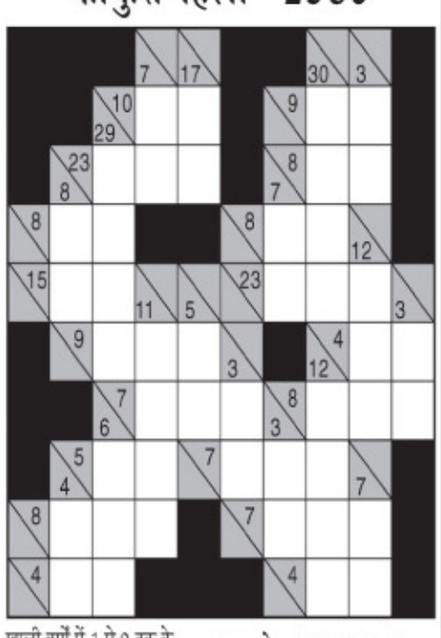

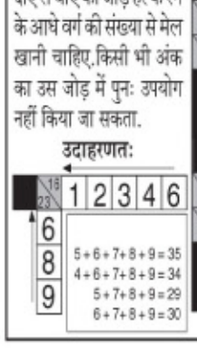

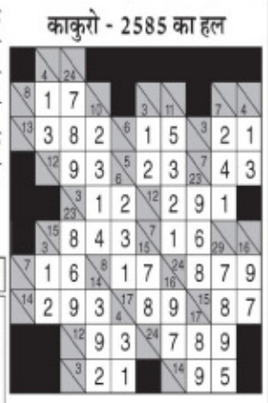

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का इस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2585 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक कर्मचारी अपने मालिक के पास पहुंचा और बोला कि मुझे इस महीने वेतन में दो सौ रुपए कम दिए गए हैं.

'मुझे पता है. लेकिन दरअसल पिछले महीने तुम्हें दो सौ रुपए ज्यादा दे दिए गए थे और तब तुमने कोई शिकायत नहीं की थी.' मालिक ने कहा.

'दरअसल एक बार कोई गलती हो जाए, तो मै उसे माफ कर देता हूं. लेकिन अगर यही आदत बन जाती है, तो मै समझता हूं कि इसकी शिकायत जरूर की जानी चाहिए.' कर्मचारी ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

अदालत में सरकारी वकील ने कहा - मी लॉर्ड, अपराधी पर इल्जाम है कि उसने अपनी पत्नी को चिड़ियाघर के गहरे तालाब मे धक्का दे दिया, जिसकी वजह से पत्नी को मगरमगछ खा गया.

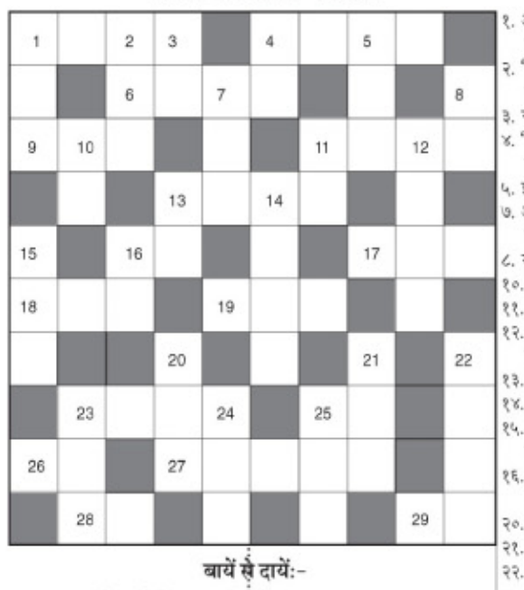

जज ने गरज कर कहा - क्या अपराधी यह बात नहीं जानता था कि चिड़ियाघर में जानवरो को कुछ खिलाना मना है?

☺ ☺ ☺

नाई (पहलवान से) - अगर मैं तुम्हारे सारे बाल काट दूं तो तुम्हें कोई पहचान नहीं पाएगा.

पहलवान - मगर उसके बाद मै जो तुम्हारी हालत करुंगा तो तुम्हें भी कोई पहचान नहीं पाएगा.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2586

बायें से दायें:-

१. शाहरुख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शराबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरुख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरुद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2585

सूडोकु -2586

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2585 का हल

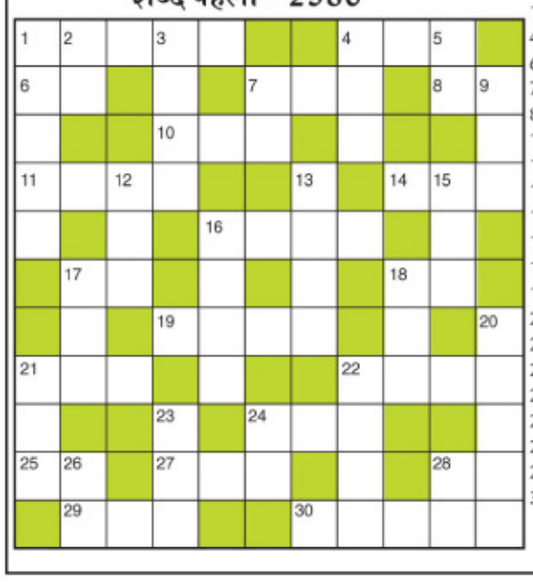

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 2586

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -2585 का हल

हिस्सा लेने के लिए ओमान रवाना

एजेंसी

नयी दिल्ली । भारतीय सेना की टुकड़ी भारत-ओमान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'अल नजाह' के पांचवें संस्करण में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो गई। यह अभ्यास 13 से 26 सितंबर तक ओमान के सलालाह में रबकूट प्रशिक्षण क्षेत्र में होगा। अभ्यास 'अल नजाह' 2015 से भारत और ओमान के बीच बारी-बारी से द्विवार्षिक आधार पर आयोजित किया जाता है। इस अभ्यास का पिछला संस्करण राजस्थान की महाजन रेंज में हुआ था। भारतीय सैनिकों की 60 सदस्यीय टुकड़ी का प्रतिनिधित्व मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट की एक बटालियन द्वारा सेना के अन्य अंगों एवं सेवाओं के कर्मियों के साथ किया जा रहा है। ओमान की शाही सेना की टुकड़ी में भी 60 जवान शामिल हैं, जिसका प्रतिनिधित्व फ्रंटियर फोर्स के सैनिकों द्वारा किया जाएगा। इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय सात के तहत आतंकवाद विरोधी अभियान चलाने के लिए दोनों पक्षों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है। यह अभ्यास रेगिस्तानी परिदृश्य में संचालन पर केन्द्रित होगा। अभ्यास के दौरान किए जाने वाले सामरिक अभ्यासों में संयुक्त योजना, घेरा और खोज अभियान, निर्मित क्षेत्र में लड़ाई, मोबाइल वाहन चेक पोस्ट की स्थापना, काउंटर ड्रोन और रूम इंटरवेंशन शामिल हैं। यह अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच अंतरसंचालनीयता, सद्भावना और सौहार्द को बढ़ावा देगा। इसके अतिरिक्त इससे रक्षा सहयोग मजबूत होगा और दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाएगा।

कर्नाटक का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई: सिद्दारमैया

मांड्या। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने रात को मांड्या जिले के नागमंगला में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान पथराव की घटना के बाद राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का प्रण लिया है। श्री सिद्दारमैया ने 'एक्स' पर जारी बयान में कहा,÷ पिछले डेढ़ साल में बिना किसी दंगे या हिंसा के, राज्य सभी समुदायों के लिए शांति के बगीचे की तरह रहा है। हम जाति या धर्म की परवाह किए बिना धार्मिक आधार पर विभाजन की कोशिश करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेंगे।उन्होंने पथराव की घटना की निंदा करते हुए इसे शांति और सौहार्द बिगाड़ने के उद्देश्य से उपद्रवियों द्वारा की गई कार्रवाई बताया। मुख्यमंत्री ने कहा, नागमंगला में जो पथराव हुआ, वह स्पष्ट रूप से उपद्रवियों का काम है। सरकार ने इसे बहुत गंभीरता से लिया है। पचास से अधिक लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और हमारी पहली प्राथमिकता शांति और व्यवस्था बनाए रखना है।÷ उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और उकसावे में न आकर अधिकारियों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया।

जंगल राज का पुरोधा बिहार भ्रमण पर, तेजस्वी यादव पर बरसे विजय सिन्हा

समस्तीपुर। बिहार के समस्तीपुर में बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की आभार यात्रा को वसूली यात्रा करार देते हुए कहा कि जंगल राज के पुरोधा बिहार भ्रमण पर हैं। विजय सिन्हा ने इससे पहले, रविवार को भी तेजस्वी यादव को जंगलराज का युवराज बताया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि राजद का मतलब समाज में उन्माद पैदा करना है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लेकर उन्होंने कहा कि भारत में उन्हें कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है। वह और तेजस्वी यादव सोने का चम्मच लेकर जन्म लिए हैं। दोनों के अभिभावक, माता-पिता पूरा प्रयास कर रहे हैं कि ये नेता बनें। इन्हें न तो भारतीयता का ज्ञान है और न ही भारतीय संस्कृति का। उन्होंने कहा कि विदेश में जाकर जो अपने देश का अपमान करें, अपने देश के बारे में नकारात्मक बात करें, वैसे लोग भारत को कभी मजबूती नहीं प्रदान नहीं कर सकते हैं। ऐसे लोग राष्ट्र के हितैषी कतई नहीं हो सकते। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का काम कर रही है। माफिया पर नकेल कसना हमारी जिम्मेदारी है, माफियाओं पर नकेल कसी जा रही है। सभी को यह आभास हो रहा है कि एनडीए की सरकार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में किस तरह से बिहार में बदलाव हो रहा है।

विद्याधर नगर में दो उच्च जलाशयों का शिलान्यास– सड़कों के साथ होगी ड्रेनेज की प्लानिंग - दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है की प्रदेश में सड़कों के साथ बेहतरीन ड्रेनेज और सीवरेज सिस्टम विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है। इससे जलभराव और बार–बार सड़क टूटने की समस्या से निजात मिलेगी। सरकार इसके लिए बेहतरीन प्लान बना कर काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर पाँच और 12 में उच्च जलाशयों के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उप मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा अर्चना कर वार्ड 12 बैनाड रोड पवनपुरी में तथा वार्ड 5 पार्षद कार्यालय के सामने बढ़ारणा में उच्च जलाशयों का शिलान्यास किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा की इन उच्च जलाशयों के बनने से क्षेत्र की जनता को निर्बाध रूप से पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में पेयजल की गंभीर समस्या थी इन जलाशयों के बनने से उस समस्या का समाधान हो जाएगा। गोरतलब है की बीसलपुर योजना के तहत वार्ड नंबर 5 के बढ़ारणा में 7 लाख लीटर और वार्ड 12 में 20 लाख लीटर क्षमता के उच्च जलाशयों का निर्माण करवाया जा रहा है ।

तरंग शक्ति अभ्यास से भागीदार देशों के साथ सहयोग और विश्वास मजबूत हुआः राजनाथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वायु सेना के बहुराष्ट्रीय अभ्यास 'तरंग शक्ति' को भागीदार देशों के साथ सहयोग, समन्वय और विश्वास को मजबूत करने का अवसर करार दिया है।

श्री सिंह ने जोधपुर में बहुराष्ट्रीय अभ्यास के दूसरे चरण के मौके पर कहा कि तरंग शक्ति के माध्यम से भारत ने सभी भागीदार देशों के साथ अपने रक्षा संबंधों को और मजबूत किया है तथा उनमें विश्वास पैदा किया है कि जब भी जरूरत होगी हम सब एक साथ खड़े होंगे।

सह-अस्तित्व और सहयोग के भारत के दृष्टिकोण को दोहराते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, हमारा देश सभी देशों को एक-दूसरे का हाथ पकड़कर आगे बढ़ने में विश्वास रखता है। जब

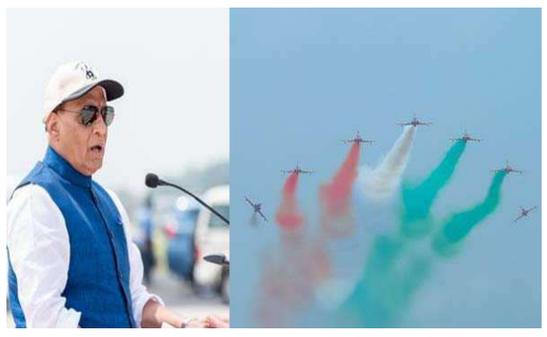

इतनी जटिलता और बड़े पैमाने का अभ्यास होता है, तो विभिन्न कार्य संस्कृतियों, हवाई युद्ध के अनुभव और युद्ध लड़ने के सिद्धांतों वाले सैनिक एक-दूसरे से बहुत कुछ सीखते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, ÷आज का ऐतिहासिक कार्यक्रम भारतीय वायु सेना की शानदार उपलब्धियों का जश्न मनाने का अवसर है। हम न केवल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने की उपलब्धियों का जश्न मना रहे हैं, बल्कि इस बात पर भी गर्व कर रहे हैं कि हमारे सशस्त्र बलों को अब दुनिया में सबसे शक्तिशाली में से एक माना जा रहा है। श्री सिंह ने कहा कि आजादी के समय भारतीय वायु सेना के पास दो प्रकार के विमानों के केवल छह स्क्वाड्रन थे। इसी प्रकार युद्ध के बाकी उपकरण भी न केवल पुराने थे बल्कि संख्या में भी सीमित थे। लेकिन आज, दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ और आधुनिक विमानों और अगली पीढ़ी के उपकरणों से सुसज्जित, भारतीय वायु सेना ने खुद को बदल दिया है।

फ्रांसीसी कंपनी सफरान हेलीकॉप्टर इंजन के साथ हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के हाल के सहयोग का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने खुद को केवल हथियारों और उपकरणों के आयातक से एक ऐसे देश में बदल दिया है जो आज लगभग 90 देशों को हथियार और उपकरण निर्यात करता है। उन्होंने कहा, घरेलू रक्षा क्षेत्र ने हथियारों, प्लेटफार्मों, विमानों आदि के विनिर्माण में स्वदेशीकरण की दिशा में मजबूत कदम उठाए हैं। आज हम हल्के लड़ाकू विमान, सेंसर, रडार के निर्माण और कार्यान्वयन में काफी हद तक आत्मनिर्भर हो गए हैं।

संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी अभ्यास तरंग शक्ति में विशिष्ट कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी, वरिष्ठ सैन्यकर्मियों तथा मित्र देशों के प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में अग्निवीर वायु महिला ड्रिल टीम के साथ साथ लड़ाकू विमान तेजस और प्रचंड और सारंग हेलिकॉप्टर ने अपने करतब दिखाये। रक्षा मंत्री ने प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय रक्षा और एयरोस्पेस एक्सपो का उद्घाटन किया जिसमें स्वदेशी रक्षा विनिर्माण और एयरोस्पेस नवाचार के लिए भारत की प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गयी।

महत्वपूर्ण पद पर कुछ लोगों को राष्ट्रीय हित का ज्ञान नहीं : धनखड़

एजेंसी

नयी दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि महत्वपूर्ण पद पर बैठे कुछ लोगों को राष्ट्रीय हित का कोई ज्ञान नहीं है और संवैधानिक पद पर बैठा एक व्यक्ति का देश के दुश्मनों में शामिल होना निंदनीय, घिनौना और असहनीय है। श्री धनखड़ ने आज यहां संसद भवन परिसर में राज्यसभा सचिवालय में इंटर्नशिप कर रहे छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के बाहर हर एक भारतीय को राष्ट्र का राजदूत बनना होगा। उन्होंने कहा, यह कितना दुखद है कि संवैधानिक पद पर बैठा एक व्यक्ति ठीक इसका उलटा कर रहा है। इससे अधिक निंदनीय, घिनौना और असहनीय कुछ नहीं हो सकता कि आप देश के शत्रुओं के साथ शामिल हो जाएं। उप राष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे व्यक्ति स्वतंत्रता का मूल्य नहीं समझते। वे यह नहीं समझते कि इस देश की सभ्यता 5000 वर्ष पुरानी है। उन्होंने कहा, मुझे दुख और पीड़ा है कि

महत्वपूर्ण पद पर बैठे कुछ लोगों को राष्ट्रीय हित का कोई ज्ञान नहीं है। उन्होंने कहा कि एक सच्चा भारतीय कभी भी दुश्मनों का साथ नहीं देगा।

उप राष्ट्रपति ने कहा, मैं इस बात से दुखी और परेशान हूं कि महत्वपूर्ण पद पर बैठे कुछ लोगों को भारत के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्हें न तो हमारे संविधान का कोई ज्ञान है और न ही उन्हें राष्ट्रीय हित की कोई जानकारी है। उन्होंने कहा कि आज जो कुछ भी हो रहा है उसे देखकर दिल दहल रहा है। इस आज़ादी को पाने में, इस आज़ादी की रक्षा करने में और इस देश की रक्षा करने में सर्वोच्च बलिदान दिया है। इसे हमेशा याद रखा जाना चाहिए।

श्री धनखड़ ने कहा, हमारे भाई-बहन देश की रक्षा में पूरी तरह तत्पर हैं। माताओं ने अपने बेटे खोये हैं, पत्नियों ने अपने पति खोये हैं। हम अपने राष्ट्रवाद का उपहास नहीं उड़ा सकते।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान पवित्र है। इसे संविधान के संस्थापकों, संविधान सभा के सदस्यों द्वारा 18 सत्रों में, बिना किसी व्यवधान, बिना उपद्रव, बिना नारेबाजी और बिना कोई पोस्टर लहराए, तीन साल की कड़ी मेहनत से तैयार किया गया था। यह संवाद, चर्चा, सकारात्मक बहस और विचार-विमर्श के प्रभावी तंत्र से ही संभव हो सका था।उनके समक्ष कई मुद्दे विभाजनकारी थे और सहमति बनाना आसान नहीं था। श्री धनखड़ ने कहा, और अब, कुछ लोग हमारे देश को विभाजित करना चाहते हैं। यह अज्ञानता की चरम सीमा है।

मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार–ममता

एजेंसी

कोलकाता।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं लेकिन उन्होंने दावा किया कि कुछ ताकतें उनकी मां माटी मानुस सरकार को बदनाम करने के लिए प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों को उकसा रही हैं।

सुश्री बनर्जी ने यह भी कहा कि वे सोशल मीडिया पर विकृत जानकारी पेश करके कुर्सी (सत्ता की सीट) के पीछे थे। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी उनकी सरकार द्वारा चिकित्सकों के साथ बातचीत करने की तीसरी कोशिश विफल होने के बाद आई है। यहां तक ??कि आंदोलनकारी डॉक्टर नबन्ना के सामने आए लेकिन बैठक में शामिल नहीं हुए क्योंकि प्रशासन ने बातचीत के सीधे प्रसारण की उनकी मांग को मानने से इनकार कर दिया था।उन्होंने

डाक्टरों के साथ प्रस्तावित वार्ता विफल रहने के बाद एक मीडिया सम्मेलन में कहा लोगों के हित में मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। मुझे मुख्यमंत्री का पद नहीं चाहिए। मैं तिलोत्तमा के लिए न्याय चाहती हूं और मैं चाहती हूं कि आम लोगों को इलाज मिले। सुश्री बनर्जी ने कहा कि सरकार को जूनियर डॉक्टरों से सहानुभूति है और उन्होंने तिलोत्तोमा (वह नाम जिससे वह मृतक महिला डॉक्टर को बुलाती थीं) को न्याय दिलाने के लिए सड़कों पर मार्च भी किया। हालाँकि उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बैठक की सीधे प्रसारण की अनुमति नहीं दे सकती क्योंकि मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने डॉक्टरों से काम पर लौटने की भी अपील की और कहा कि उनकी सरकार उच्चतम न्यायालय के सोमवार के आदेश के बावजूद उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करना चाहती है। अगर जूनियर डॉक्टर मंगलवार 10 सितंबर तक ड्यूटी पर नहीं आते हैं तो राज्य प्रशासन कदम उठा सकती है।

अवैध मस्जिद हटाने को लेकर मस्जिद कमेटी ने सौंपा ज्ञापन

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के संजौली में नगर निगम के पास नई मांग रखी गई है। नगर निगम आयुक्त ने इस संबंध में गुरुवार को ज्ञापन सौंपा। अब मस्जिद कमेटी की ओर से मस्जिद के अवैध हिस्से को सील करने के संबंध में फैसला लिया जाएगा। मस्जिद कमेटी ने अपने पत्र में लिखा, प्रशासन की जांच में मस्जिद का निर्माण अवैध बताया गया है। मस्जिद कमेटी खुद इस विवादित हिस्से को ध्वस्त करना चाहती है।÷ मुफ्ती मोहम्मद ने कहा, दुनिया में सभी को एक-दूसरे की जरूरत होती है। लिहाजा शहर में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह ज्ञापन सौंपा गया है। इसमें हमने लिखा है कि जितना हिस्सा कानून की नजर में अवैध है, उतने हिस्से को फिलहाल बंद कर दिया जाए।

आयुष मंत्रालय ने 1346 शिकायतों का किया निपटारा

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने कार्य कुशलता बढ़ाते हुए तथा लोक शिकायतों का निवारण करते हुए 1346 मामलों का निपटारा किया है। मंत्रालय ने यहां बताया कि एक राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत नवंबर, 2023 से अगस्त 2024 तक मंत्रालय ने विभिन्न लंबित मुद्दों की पहचान की और उनका निपटारा किया, जिसमें सांसदों के 33 संदर्भ, 18 संसदीय आश्वासन, 1346 जन शिकायतें, 187 जन शिकायत अपील, 765 फाइल प्रबंधन कार्य और 11 स्वच्छता अभियान शामिल हैं। इस अभियान का उद्देश्य कार्य परिवेश को बेहतर और निपटारा प्रक्रिया को प्रभावी बनाना है।यह अभियान मंत्रालय के कार्यालयों में अव्यवस्था को दूर करने और स्वच्छता बनाए रखने पर ज़ोर देता है। इसे बेहतर कार्य वातावरण को बढ़ावा देने और कर्मचारी उत्पादकता को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। मंत्रालय में सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने वरिष्ठ अधिकारियों से अभियान के दौरान लक्ष्यों की सफलतापूर्वक प्राप्ति के लिए प्रयास करने को कहा है।

नकारात्मक सोच वाला विनाश ही ला सकता है: पुरी

एजेंसी

प्रयागराज। मठाधीशों की तुलना माफिया से किये जाने के समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान से भड़के अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी ने कहा कि नकारात्मक सोच वाला इंसान सिर्फ विनाश ही ला सकता है।

महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने चार कोनों में प्रमुख मठों उत्तर (ज्योतिर्मठ), दक्षिण (श्रृंगेरी, कांची), पूर्व (पुरी) और पश्चिम (द्वारका) की स्थापना अद्वैत वेदांत के दर्शन का प्रचार करने और सनातन धर्म की अवधारणा को

बढ़ावा देने के लिए किया था। चारों पीठों के पीठाधीश्वर धर्म के मर्मज्ञ और ज्ञान के भंडार होते हैं।

छत्तीसगढ़ में नक्सली दंपति ने आत्मसमर्पण किया

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में पुलिस की विशेष पहल घर वापस आईये अभियान अंतर्गत कामयाबी मिली। पुलिस उपमहानिरीक्षक कमलोचन कश्यप, महानिरीक्षक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल राकेश कुमार और पुलिस अधीक्षक गौरव राय के समक्ष नक्सली दंपति ने आत्मसमर्पण किया। नक्सलियों की मलांगीर एरिया कमेटी अंतर्गत रेवाली आरपीसी के तहत डीएकेएमएस सदस्य गंगा कुहरामी ने घर वापसी की। गंगा सुकमा जिला अंतर्गत ग्राम पोरदेम का निवासी है। रेवाली आरपीसी की चेतना नाट्य मंडली सदस्या हिडमे कुहरामी, पति गंगा कुहरामी ने भी आत्मसमर्पण किया। हिड़में सुकमा जिला अंतर्गत गादीरास थाना के ग्राम पोरदेम की निवासी है। दंपति नक्सली विचारधारा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय थे। इसके साथ ही नक्सली बैनर - पोस्टर लगाने और रोड काटने में भी सक्रिय थे। उक्त सफलता में सीआरपीएफ की यूआईसी 231वीं बटालियन का सराहनीय योगदान था। आत्मसमर्पित नक्सलियों को 25-25 हजार रुपये बतौर प्रोत्साहन राशि दी गई।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य में चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक की

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज चंडीगढ़ में राज्य में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में प्रदेश के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और मंत्रियों ने भाग लिया। मान ने राज्य के बुनियादी ढांचे, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की जानकारी ली और कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर जानकारी देते हुए बताया की मोहाली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह जी की प्रतिमा के निर्माण की प्रगति की समीक्षा के लिए आज लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इस भव्य प्रतिमा का उद्घाटन भगत सिंह जी की जयंती 28 सितंबर को किया जाएगा। यह स्मारक एयरपोर्ट आने वाले लोगों को इन शहीदों द्वारा दिए गए बलिदान की याद दिलाएगा। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि सरकार राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

फॉयसागर पाल पर दीवार और पानी निकासी के होंगे बड़े प्रयास- विधानसभा अध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर जिला प्रशासन को निर्देश दिए है कि शहर में बरसाती पानी व झीलों के ओवरफ्लो जल की निकासी के लिए दीर्घकालिक योजना बनाई जाए। इसके लिए राज्य सरकार से पूरा बजट दिलवाया जाएगा। अनासागर, फॉयसागर झील व बांडी नदी से सभी तरह के अतिक्रमण हटाकर झील का दायरा बढ़ाया जाएगा। बारिश के बाद फॉयसागर पाल के पास रपट व दीवार बनवाई जाएगी। शहर में जहां भी पानी भरा है, वहां युद्धस्तर पर पानी निकाला जाएगा। बिजली व खाद्य पदार्थों की आपूर्ति भी सुनिश्चित की जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर जिला कलक्टर लोक बंधु एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ शहर में जल भराव वाले क्षेत्रों का दौरा किया।

फसल खराबे की गिरदावरी समय पर हो, कोई भी किसान मुआवजे से नहीं रहे वंचित : ऊर्जा राज्यमंत्री

एजेंसी

जयपुर। ऊर्जा राज्यमंत्री एवं बूंदी जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने निर्देश दिए है कि अतिवृष्टि से हुए फसलों के नुकसान की गिरदावरी का कार्य जिम्मेदारी और सावधानी के साथ पूर्ण करवाकर किसानों को समय पर उचित मुआवजा दिलवाया जाए। यह निर्देश जिला प्रभारी मंत्री ने बूंदी जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की प्रगति, जिले में अतिवृष्टि से हुए सरकारी परिसम्पतियों के नुकसान की जिला स?तरीय समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए। इस दौरान उन्होंने बूंदी जिले में भारी बारिश एव अतिवृष्टि से हुए खराबे की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री की भावना के अनुरूप बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी अधिकारी

त्वरित कार्रवाई करें प्रभारी मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि बजट घोषणाएं जल्द लागू हो, इसलिए जिला व उपखंड स्तरीय अधिकारी घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए गंभीरतापूर्वक कार्रवाई करें। प्रभारी मंत्री ने जिले से संबंधित सभी घोषणाओं की विभागवार समीक्षा की और प्रत्येक घोषणा की स्थिति के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घोषणा के क्रियान्वयन को नियमित फॉलो किया जाए। बूंदी जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि फसलों के खराबे की जानकारी के लिए गिरदावरी रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि किसानों को नियमानुसार सहायता राशि उपलब्ध करवाई जा सके। खराब हुई फसलों की गिरदावरी का कार्य अतिशीघ्र किया जाए। पटवारी अपने क्षेत्र में भ्रमण कर बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों से निरंतर सम्पर्क बनाएं रखें। फसल खराबे की गिरदावरी से जुड़े सभी अधिकारी व कार्मिक पूरी जिम्मेदारी से कार्य करते यह सुनिश्चित करें कि कोई भी किसान मुआवजे से वंचित नहीं रहे। इसके अलावा फसल खराबे के संबंध में किसनों को मिलने वाले मुआवजे के संबंध में जरूरी जानकारी दी जाए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से जिले में अनुमानित फसल खराबे को लेकर फीडबैक भी लिया।

कांग्रेस के बागी नेता सतीश ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया

एजेंसी

जम्मू। जम्मू कश्मीर में कांग्रेस के बागी नेता सतीश शर्मा ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

श्री शर्मा को पार्टी ने जम्मू जिले की छंब विधानसभा सीट से टिकट नहीं दिया था जिसके बाद वह बागी हो गये थे। तीन चरणों में होने वाले जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में एक अक्टूबर को मतदान होगा। जम्मू सीट से दो बार के लोकसभा सदस्य स्वर्गीय मदन लाल शर्मा के बेटे सतीश शर्मा ने आज नामांकन पत्र दाखिल करने के समय एक प्रभावशाली रैली आयोजित करके अपनी ताकत का प्रदर्शन किया।

श्री शर्मा का स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय कांग्रेस द्वारा पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता तारा चंद को छंब विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतारने के कुछ घंटों बाद आया।

श्री शर्मा ने शक्ति प्रदर्शन कर कांग्रेस नेतृत्व को साफ संदेश दे दिया है कि उन्हें नजरअंदाज कर पार्टी ने बड़ी भूल की है। अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद सतीश ने कहा, हमारे पास लोगों से संबंधित उठाने के लिए बहुत सारे मुद्दे हैं। उन्होंने कहा पार्टी ने क्या किया है मैं इसमें नहीं पड़ना चाहता लेकिन मैं लोगों के समर्थन और स्नेह के लिए आभारी हूं और यह उनका सहयोग और विश्वास है जिसने मुझे यह बड़ा कदम उठाने के लिए मजबूर किया। श्री शर्मा ने कहा कि चुनाव में राज्य का दर्जा बहाल करना, बेरोजगारी, दिहाड़ी मजदूर, किसान, खनन चुनावी मुद्दा होंगे।

यूपी विधानसभा उपचुनाव : सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों के जिलों में किया बदलाव

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों के जिलों में बदलाव किया है। दोनों उप मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार), राज्य मंत्रियों को उनके नवीन प्रभारी जनपदों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसमें मुख्यमंत्री ने स्वयं और अपने साथ दोनों उप मुख्यमंत्रियों को 25-25 जनपदों की समीक्षा हेतु जिम्मेदारी भी सौंपी है। इसमें 4-4 माह के रोटेशन पर जिलों का प्रभार परिवर्तित होता रहेगा। मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में दोनों उप मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार), राज्य मंत्रियों को उनके नवीन प्रभारी जनपदों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों से समन्वय और संगठन को साथ लेकर चलने का आग्रह किया है। सरकार की लोक-कल्याण की नीतियों और योजनाओं को जनता तक ले जाने के आवश्यक निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ होना है। सभी प्रभारी मंत्रीगण अपने-अपने प्रभार के जनपदों में इस कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित करेंगे और स्वच्छता का यह अभियान जनांदोलन बने, इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि जिले के प्रभारी मंत्री के रूप में मंत्रीगण प्रत्येक माह में कम से

कम एक बार 24 घंटे के लिए अपने प्रभारी जनपद में प्रवास करेंगे। शासन से संबंधित मुद्दों को प्रभारी मंत्री कोर कमेटी से चर्चा करके प्रत्येक माह शासन में संबंधित विभाग व मुख्यमंत्री कार्यालय के सामने विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके प्रस्तुत करेंगे। जिले के सम्मानित प्रबुद्ध नागरिक, धर्माचार्यों, प्रगतिशील किसानों, व्यापारिक संगठनों सहित सामाजिक नेताओं के समूहों के साथ प्रत्येक प्रवास में किसी एक के साथ बैठक अवश्य होनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जिले की समीक्षा बैठक में जन शिकायतों को मेरिट के आधार पर निस्तारित किया जाना अपेक्षित है। कानून व सुरक्षा संबंधी विषयों, राजस्व विभाग से जुड़े हुए विषयों जैसे वसीयत, पैमाइश, नामांतरण, लैंड यूज सहित आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन आदि की समीक्षा कर मेरिट के आधार पर निस्तारण कराया जाए। इसकी समीक्षा की विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय और संबंधित विभाग को अनिवार्य रूप से भेजी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की विकास परियोजनाओं, लोक कल्याणकारी योजनाओं का स्थानीय स्तर पर प्रवास के दौरान भौतिक सत्यापन भी होना चाहिए। निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों, ग्राम सचिवालय, क्रय केंद्र, फेयर प्राइस शॉप, कृषि विज्ञान केंद्र में से किसी एक का भौतिक निरीक्षण प्रवास के दौरान करना अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि अटल आवासीय विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय, राजकीय महाविद्यालयों, निर्माणाधीन कस्तूरबा गांधी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण और पॉलिटेक्निक, आईटीआई के संचालन की समीक्षा की जाए।

खुशियां

आती है मन के द्वार तो खोलिए....

ज़िंदगी जीना बहुत आसान है लेकिन हम लोग गलतियां करके उसे मुश्किल बना देते हैं। हर कोई जीवन में खुश रहना चाहता है, सकारात्मक होना चाहता है, अधिक क्रिएटिव और प्रोडक्टिव होना चाहता है। वर्तमान जीवन का उपहार है। इस तथ्य को जितना जल्दी समझ जाएं अच्छा होगा। आप जो भी काम करते हैं उसे खुशी और कुशलता से करें। आत्मनिर्भर बनें और अपने आप पर विश्वास रखें। कभी-कभी अपनी एक जैसी दिनचर्या से अलग हटकर कुछ करें। कम से कम साल में एक बार छुट्टियों पर जाने की कोशिश करें।

भरपूर पैसा और समाज में सम्मान पाना सभी का लक्ष्य होता है। लेकिन इस बेहतर जीवन को और उसके आनंद को पाने के लिए हम क्या करते हैं?.. कुछ नहीं।

क्या आप जानते हैं कि अच्छा परिवार, सच्चे दोस्त, बेहतर स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा एक सुखी जीवन के लिए पर्याप्त है, लेकिन हम अपनी पूरी ज़िंदगी लोगों के साथ खुद की तुलना करने में लगा देते हैं। अपने आपको भाग्यशाली मानने की बजाय अतिमहत्वाकांक्षी हो जाते हैं और उस चक्कर में ज़िंदगी का असली स्वाद लेना भूल जाते हैं।

याद रखें ज़िंदगी एक बार मिलती है इसलिए जब भी कोई लक्ष्य निर्धारित करें तो उसे प्राप्त करने के लिए इमानदारी से पूरी कोशिश करें और अंत में क्या होगा इसकी चिंता किए बिना प्रयास करें। अपने लक्ष्य को पा लेने के बाद आप संतुष्टि और आनंद का अनुभव करेंगे। कई लोगों को भविष्य के बारे में चिंता करने की आदत-सी होती है।

ऐसा करने से वे वर्तमान का महत्व कम कर देते हैं। ऐसा लगातार करने से वे नकारात्मक विचारों से घिरे रहते हैं और दुखी होते रहते हैं। अगर याद ही करना है तो अतीत की सुखद घटनाओं को याद करें जो आपको खुशी दे। भविष्य तब ही सुनहरा होगा जब आप वर्तमान में कुछ उद्देश्यपूर्ण काम करेंगे। आपके आज के ही कामों से आपका भविष्य सुरक्षित होगा।

ऐसी चीजें आपको खुशी देगी और आपको नई ऊर्जा मिलेगी और ज़िंदगी फिर से जीवंत हो उठेगी। अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अच्छे काम के लिए दान करें। किसी की आलोचना करने से दूर रहें। लोगों में सकारात्मक गुण देखें और उनकी प्रशंसा करें। इसे आदत बनाने का प्रयास करें। यह आपको शांत और शालीन बनाएगा। क्रोध न करें अगर आए तो उस पर नियंत्रण करें। पहले पहल यह असंभव-सा लगेगा लेकिन आप इसे नियंत्रित करने में पूरी तरह से सक्षम हैं। अपने अंदर से अहंकार को दूर करें और विनम्रता और करुणा पैदा करें, जब आप ऐसा करेंगे तो आप देखेंगे कि आपको गुस्सा नहीं आएगा और आप नकारात्मक भावनाओं से अपने आप दूर होने लगेंगे और यह सब आपको आंतरिक शांति और खुशी प्रदान करेगा। आज के ज़माने में आदमी इससे ज्यादा और क्या चाहता है? जीवन में उतार-चढ़ाव तो आते ही रहते हैं। लेकिन जो अपनी समस्याओं और जिम्मेदारियों से मुंह नहीं मोड़ता है उनका सामना अपनी पूरी क्षमता से करता है, और प्रयास करना नहीं छोड़ता है, वे लोग ही असली जीवन जीते हैं।

आपको करना बस इतना है कि अपना जीवन जीने का नज़रिया थोड़ा बदलना है। उसे एक सकारात्मक दृष्टिकोण देना है। तब आप देखेंगे कि एक-एक करके आप सफलता की सीढ़ियां चढ़ते जा रहे हैं और आपके जीवन में खुशी, अच्छा स्वास्थ्य, सुखी परिवार और जो भी आपने अपनी ज़िंदगी से चाहा है वो सब आपको मिलने लगेगा।

सुपरमार्केट

शॉपिंग में इन बातों का रखें ध्यान

शॉपिंग ऐसी गतिविधि है जो कभी शौक तो कभी जरूरत के तौर पर हमारे लिए अहम होती है। जब शॉपिंग जरूरत की चीजों की हो, तो भीड़ के डर से अक्सर यह टलती जाती है। सुपर मार्केट कल्चर ने इसे काफी आसान कर दिया है। हालांकि यहां भी भीड़ से तो दो चार होना ही पड़ता है। ऑनलॉइन शॉपिंग ने सुपरमार्केट से कुछ हद तक भीड़ कम की है, परंतु अभी भी यहां शॉपिंग करना काफी मशक्कत भरा काम है। लेकिन कुछ खास टिप्स आपके इस अनुभव को आसान बना सकते हैं। खास बातें 1. यहां सप्ताह के दिनों में जाने की कोशिश करें, न कि सप्ताहांत में । 2. अपनी लिस्ट तैयार करके जाएं। 3. अगर सप्ताहांत में जा रहे हैं तो किसी फ्रेंड या दोस्त को बिल की लाइन में लगा दें। सप्ताह के उन दिनों में शॉपिंग करें जब सार्वजनिक अवकाश न हो = अगर आप कर पाएं, तो यह टिप आपकी काफी सहायता कर सकता है। हां, हम भी मानते हैं कि ऐसा करना मुश्किल है। भले ही आप हाउस वाइफ हों या वर्किंग वुमन। परंतु छुट्टी के दिन शॉपिंग पर जाने से आपकी छुट्टी सुपर मार्केट की भीड़ में बर्बाद हो जाती है। पहले तो सभी शेल्फ के पास भीड़ मिलेगी फिर बिलिंग में अलग लंबी लाइन में खड़ा होना पड़ेगा।

अपनी सामान की लिस्ट के अनुसार शॉपिंग करें = हम सभी घर से कुछ खास सामान को दिमाग में लेकर निकलते हैं। सुपर मार्केट ललचाने वाले सामान से भरा हुआ होता है। ऐसे में पूरी संभावना है कि आप अपना समय और पैसा दोनों बर्बाद कर दें। बेहतर होगा अपनी लिस्ट के अनुसार खरीददारी करें।

सुपरमार्केट शॉपिंग में इन बातों का रखें ध्यान

ऑफर से बचें = आपकी जेब से पैसा निकलवाने का बहुत आसान उपाय है ऑफर। आपने इतनी छूट देखी और खरीद लिया ऐसा सामान जो बाद में न जाने कब काम आए। ऐसे में सस्ती चीजों के लालच से बचें।

किसी को बिलिंग लाइन में खड़ा करें :

सामान खरीदते समय, वक्त का पता नहीं चलता परंतु जैसे ही बिलिंग का समय आता है वैसे ही लाइन में मुश्किल हो जाती है। अगर आप वीकएंड पर सामान खरीद रहीं हैं तो किसी को लाइन में लगा दें ताकि जैसे ही सामान ले लिया जाए वैसे ही बिलिंग हो जाए।

रिश्तों की वो गरमाहट चली गई...

ज़िंदगी की जद्दोजहद ने इंसान को जितना मसरूफ बना दिया है, उतना ही उसे अकेला भी कर दिया है। हालांकि आधुनिक संचार के साधनों ने दुनिया को एक दायरे में समेट दिया है। मोबाइल, इंटरनेट के जरिए सात समंदर पार किसी भी पल किसी से भी बात की जा सकती है। इसके बावजूद इंसान बहुत अकेला दिखाई देता है। बहुत ही अकेला, क्योंकि आज के दौर में 'अपनापन' जैसे जज्बे कहीं पीछे छूट गए हैं। अब रिश्तों में वह गरमाहट नहीं रही, जो पहले कभी हुआ करती थी।

पहले लोग संयुक्त परिवार में रहा करते थे। पुरुष बाहर कमाने जाया करते थे और महिलाएं मिल-जुलकर घर-परिवार का कामकाज किया करती थीं। परिवार के सदस्यों में एक-दूसरे के लिए आदर-सम्मान और अपनापन हुआ करता था, लेकिन अब संयुक्त परिवार टूटकर एकल हो रहे हैं। महिलाएं भी कमाने के लिए घर से बाहर जा रही हैं। उनके पास बच्चों के लिए ज्यादा वक्त नहीं है। बच्चों का भी ज्यादा वक्त घर से बाहर ही बीतता है। सुबह स्कूल जाना, होम वर्क करना, फिर ट्यूशन के लिए जाना और उसके बाद खेलने जाना। जो वक्त मिलता है, उसमें भी बच्चे मोबाइल या फिर कम्प्यूटर पर गेम खेलते हैं। ऐसे में न माता-पिता के पास बच्चों के लिए वक्त है और न ही बच्चों के पास अपने बड़ों के लिए है। ज़िंदगी की आपाधापी में रिश्ते कहीं खो गए हैं शायद इसीलिए अब लोग परछाइयों यानी वर्चुअल दुनिया में रिश्ते तलाशने लगे हैं। लेकिन अफसोस! यहां भी वे रिश्तों के नाम पर ठगे जा रहे हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट पर ज्यादातर प्रोफाइल फेक होते हैं या फिर उनमें गलत जानकारी दी गई होती है। झूठ की बुनियाद पर बनाए गए रिश्तों की उम्र बस उस वक्त तक ही होती है, जब तक कि झूठ पर पर्दा पड़ा रहता है। लेकिन जैसे ही सच सामने आता है, वह रिश्ता भी दम तोड़ देता है। अगर किसी इंसान को कोई अच्छा लगता है और वह उससे उम्रभर का रिश्ता रखना चाहता है तो उसे सामने वाले व्यक्ति से झूठ नहीं बोलना चाहिए। जिस दिन उसका झूठ सामने आ जाएगा उस वक्त उसका रिश्ता तो टूट ही जाएगा, साथ ही वह हमेशा के लिए नजरों से भी गिर जाएगा। कहते हैं- 'इंसान पहाड़ से गिरकर तो उठ सकता है, लेकिन नजरों से गिरकर कभी नहीं उठ सकता।'

ऐसा भी देखने में आया है कि कुछ अपराधी प्रवृत्ति के लोग खुद को अति सभ्य व्यक्ति बताते हुए महिलाओं से दोस्ती गांठते हैं, फिर प्यार के दावे करते हैं। बाद में पता चलता है कि वे शादीशुदा हैं और कई बच्चों के बाप हैं। दरअसल, ऐसे बाप टाइप लोग हीनभावना के शिकार होते हैं। अपराधी प्रवृत्ति के कारण उनकी न घर में इज्जत होती है और न ही बाहर। उनकी हालत धोबी के कुत्ते जैसी होकर रह जाती है यानी धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का। ऐसे में वे सोशल नेटवर्किंग साइट पर अपना अच्छा-सा प्रोफाइल बनाकर खुद को महान साबित करने की कोशिश करते हैं। वे खुद को अति बुद्धिमान, अमीर और न जाने क्या-क्या बताते हैं, जबकि हकीकत में उनकी कोई औकात नहीं होती। ऐसे लोगों की सबसे बड़ी 'उपलब्धि' यही होती है कि ये अपने मित्रों की सूची में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को शामिल करते हैं। यदि कोई महिला अपने स्टेटस में कुछ भी लिख दे तो फौरन उसे 'लाइक' करेंगे, कमेंट्स करेंगे और उसे चने के झाड़ पर चढ़ा देंगे। ऐसे लोग समय-समय पर महिलाएं बदलते रहते हैं यानी आज इसकी प्रशंसा की जा रही है तो कल किसी और की। लेकिन कहते हैं न कि 'काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती।' वक्त-दर-वक्त ऐसे मामले सामने आते रहते हैं।

खाने में बच्चों को क्या दे मां

आजकल घर और ऑफिस के कामों के बीच फंसी ज्यादातर कामकाजी महिलाएं अपने बच्चों के खान-पान पर खास ध्यान नहीं दे पातीं। यही वजह है कि अब बच्चों के खाने-पीने की आदतों में काफी बदलाव आ रहा है। अब उन्हें घर के खाने, फलों और सब्जियों की बजाए बाहर मिलने वाले पित्जा, बर्गर, पास्ता ज्यादा भाने लगा है।

ऐसे में अपने बच्चों को पौष्टिक आहार देना हर मां की जिम्मेदारी है। जानी-मानी डायटीशियन डॉ. सीमा पुरी का कहना है कि बढ़ते बच्चों को प्रोटीनयुक्त, हाई-कैलरीयुक्त खाना देना उनके विकास के लिए बहुत जरूरी है। बच्चों का एक्टिविटी लेवल बहुत हाई होता है, इसलिए उन्हें एनर्जी देने के लिए उनके खाने में पांच जरूरी पौष्टिक आहार शामिल करें।

पांच जरूरी आहार

प्रोटीन- अपने बच्चे को मजबूत और स्वस्थ बनाने के लिए उसे प्रोटीनयुक्त खाना जैसे अंडा, मछली, चिकन, मीट और शाकाहार में दूध, दही, रोटी, ब्रेड, दालें सही मात्र में दें।

फाइबर और मिनरल- तेज दिमाग और शरीर के सही विकास के लिए अपने बच्चे को फाइबरयुक्त खाना जैसे हरी सब्जियां और फल जरूर खिलाएं।

काबरेहाइड्रेट- बच्चों को एनर्जी देने के लिए उनके खाने में चावल, आलू और मक्खन को शामिल करना चाहिए।

कैल्शियम- हड्डियों की मजबूती के लिए बच्चों को घी, दूध, दही जैसी कैल्शियम युक्त चीजें खिलाएं। फैटी फूड को कहें ना शहूर डायटीशियन शिल्पा ठाकुर का मनाना है कि बच्चे अपने मां-बाप के खान-पान से बहुत प्रभावित होते हैं, इसलिए अपने बच्चों के सामने वही खाएं, जो आप उन्हें खाते हुए देखना चाहते हैं। साथ ही बच्चों को सही पोषण देना उनकी मां के हाथ में होता है। इसलिए हर मां को पता होना चाहिए कि अपने बच्चे को क्या खिलाना है और क्या नहीं। जंक फूड, पेप्सी कोला, ज्यादा नमक का खाना, आलू चिप्स, पित्जा, बर्गर जैसी चीजें कम से कम खाने दें, क्योंकि अगर एक बार बच्चों को इन चीजों की आदत पड़ जाए तो उन्हें घर का खाना पसंद नहीं आता, इसलिए बच्चों में पौष्टिक आहार ही ज्यादा खाने की आदत डालें।

खेल-कूद भी है जरूरी

अक्सर पेरेन्ट्स बच्चों को खेलने-कूदने से रोकते हैं। ऐसे में बच्चे पूरा दिन वीडियो गेम खेलने या टीवी देखने में बिताने लगते हैं। ऐसे बच्चों को न तो भूख लगती है और न ही उनका घर से बाहर जाने का मन करता है। वे आलसी हो जाते हैं। बच्चों के सही विकास के लिए उन्हें सही पोषण देना जरूरी है।

भारत के खिलाफ टेस्ट में एक बदलाव के साथ उतरेगी बंगलादेश की टीम

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश ने भारत के साथ होने वाले दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम की जगह बल्लेबाज जाकेर अली को 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। बंगलादेश के चयनकर्ताओं ने पाकिस्तान दौरे पर गई टीम में एक बदलाव करते हुए चोटिल शोरिफुल इस्लाम की जगह बल्लेबाज जाकेर अली को टीम में जगह दी है। शोरिफुल पाकिस्तान के साथ पहले टेस्ट के दौरान चोट लग गई थी और उनकी ग्रोइन इंजरी हुई थी इस कारण वह दूसरा टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे।

जाकेर ने एशियाई खेल 2023 में बंगलादेश के लिए पदार्पण करने के बाद कुल 17 टी-20 खेले हैं, हालांकि उन्हें अब तक टेस्ट में खेलने का मौका नहीं मिला है। उन्होंने अब तक कुल 49 प्रथम श्रेणी मैच में चार शतक लगाते हुए 41.47 की औसत से रन बनाए हैं।

भारत के साथ होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए बंगलादेश की टीम इस प्रकार हः- नजमुल हसन शान्तो (कप्तान), शादमन इस्लाम, जाकिर हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी हसन मिराज, खालिद अहमद, तसकीन अहमद, हसन महमूद, तैजुल इस्लाम, महमुदुल हसन जॉय,नाहिद राणा नईम हसन और जाकेर अली।

ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना टेनिस प्रीमियर लीग सीजन 6 में डेब्यू करने के लिए तैयार

मुंबई। पूर्व विश्व नंबर 1 रोहन बोपन्ना दिसंबर में शुरू हो रहे टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के बहुप्रतीक्षित छठे संस्करण में हिस्सा लेंगे। बोपन्ना की इस टूर्नामेंट में पहली उपस्थिति होगी। टीपीएल ने 5 बेहद सफल सीज़न पूरे कर लिए हैं, और अब सीजन 6 भी दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। 44 वर्षीय बोपन्ना, जिन्होंने 2 ग्रैंड स्लैम खिताब (पुरुष युगल में 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और मिश्रित युगल में 2017 में फ्रेंच ओपन) जीते हैं, ने तीन ओलंपिक खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है, वह 2016 रियो ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर रहे। बेंगलुरु के रहने वाले इस शीर्ष भारतीय टेनिस खिलाड़ी के नाम विश्व नंबर 1 बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड भी है, जब उन्होंने साल की शुरुआत में जनवरी के अंत में हासिल किया था। उन्होंने करियर में 25 से अधिक खिताब जीते हैं और लिएंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्जा के बाद टेनिस रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले केवल चौथे भारतीय टेनिस खिलाड़ी हैं। ये चारों एकमात्र भारतीय ग्रैंड स्लैम विजेता हैं और जो इस लीग का समर्थन भी कर रहे हैं।

पुंछ के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में लड़कों की हैंडबॉल चैंपियनशिप-2024 आयोजित

पुंछ। आवाम की बेहतरी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के निरंतर प्रयासों में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सद्भावना के तहत पुंछ जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में हैंडबॉल टूर्नामेंट का आयोजन करके युवा लड़कों को अपनी प्रतिभा दिखाने और उन्हें रचनात्मक रूप से संलग्न करने का अवसर प्रदान किया। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों में पुरुष युवाओं को एक मंच प्रदान करके उन्हें आगे बढ़ाने और युवा रक्त को बढ़ावा देने के लिए खेल प्रतिभाओं की पहचान करने में उनकी मदद करना था। इस टूर्नामेंट में कुल पांच हैंडबॉल मैच खेले गए और अंडर-19 लड़कों की छह टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट के फाइनल मैच का उद्घाटन निर्दोष शर्मा, प्रबंधक, स्पोर्ट्स स्टेडियम पुंछ ने प्रीतम स्टेडियम ग्राउंड, पुंछ में किया। पुंछ हैंडबॉल क्लब बनाम स्टेडियम हैंडबॉल क्लब की लड़कों की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले में ट्रॉफी पुंछ हैंडबॉल क्लब ने जीती। टूर्नामेंट में मौजूद दर्शकों ने भारतीय सेना के प्रयासों की बहुत सराहना की क्योंकि उन्होंने इस तरह का आयोजन किया जिससे स्थानीय लोगों और सेना के बीच सौहार्द और विश्वास की भावना पैदा हुई।

श्रीनगर में लीजेंड्स लीग क्रिकेट के आखिरी चरण में 9 अक्टूबर से खेलेंगे 124 दिग्गज

श्रीनगर। घाटी में क्रिकेटरों के दीवाने काफी उत्साहित हैं, क्योंकि 124 दिग्गज खिलाड़ी 9 अक्टूबर को श्रीनगर में लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के आखिरी चरण में खेलने के लिए कश्मीर आने वाले हैं। एलएलसी के अंतिम चरण 9 से 16 अक्टूबर के बीच मैच होंगे और फाइनल मैच 16 अक्टूबर को खेला जाएगा। यह जानकारी देते हुए एलएलसी के सह-संस्थापक रमन रहेजा ने मीडियाकर्मियों को बताया कि एलएलसी का अंतिम चरण के मैच श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में होंगे। उन्होंने कहा कि पर्याप्त बैठने की क्षमता के कारण क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए फुटबॉल मैदान को चुना गया है।

जम्मू में हमें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली और उम्मीद है कि दर्शकों की भीड़ बहुत अधिक होगी। इसलिए पर्याप्त बैठने की क्षमता सुनिश्चित करने के लिए बख्शी स्टेडियम को चुना गया है। उन्होंने बताया कि पिच पर काम पहले ही शुरू हो चुका है और यह जल्द ही खेलने के लिए तैयार हो जाएगी।

पत्रकार के वार्ता के दौरान रहेजा के साथ गुजरात ग्रेट्स के मेंटर और खिलाड़ी मोहम्मद कैफ और पूर्व भारतीय क्रिकेटर नमन ओझा भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि एलएलसी के आखिरी चरण के 124 दिग्गजों में शिखर धवन, क्रिस गेल, सुरेश रैना, दिनेश कार्तिक, इयान बेल, हरभजन सिंह और अन्य शामिल हैं। यह छह अलग-अलग फ्रेंचाइजी के लिए खेल रहे हैं।

शम्स मुलानी और तनुष कोटियान ने इंडिया ए की पारी को संभाला

एजेंसी

अनंतपुर। शम्स मुलानी (नाबाद 88) और तनुष कोटियान (53) रनों की अर्धशतकीय पारियों के दम पर गुरुवार को एक समय 144 रन पर छह विकेट गवांने के बाद संकट में फंसी इंडिया ए की मैच में वापसी कराई। आज यहां इंडिया डी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और उसके गेंदबाजों ने इस फैसले का सही साबित करते हुए इंडिया ए के 144 के स्कोर पर छह विकेट विकेट चटकाते हुए उसे संकट में डाल दिया। प्रथम सिंह (सात), मयंक अग्रवाल (सात), तिलक वर्मा (10), रियान पराग (37) और कुमार कुशाग्र (28) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे समय में निचले क्रम में बल्लेबाजी करने आये शम्स मुलानी और तनुष कोटियान ने न केवल पारी को संभाला और रन भी बटोरे। तनुष कोटियान (53) और प्रसिद्ध कृष्णा (आठ) रन बनाकर आउट हुये।

पहले दिन का खेल समाप्त होने

के समय इंडिया ने आठ विकेट पर 288 रन बना लिये है और शम्स मुलानी (नाबाद 88) और खलील अहमद (नाबाद 15) क्रीज पर है। इंडिया डी की ओर से हर्षित राणा, विधवत कावेरप्पा और अर्शदीप सिंह ने दो-दो विकेट लिये। सारांश जैन और सौरभ कुमार ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इशान किशन का शतक, इंडिया सी बड़े स्कोर की ओर

एजेंसी

अनंतपुर। इंडिया सी ने अच्छी शुरुआत के बाद मध्यक्रम के बल्लेबाज इशान किशन (111) की शतकीय और बाबा इन्द्रजीत (78) रनों अर्द्धशतकीय पारियों की बदौलत दलीप ट्रॉफी के चौथे मुकाबले में इंडिया बी के खिलाफ बड़े स्कोर की ओर कदम बढ़ा दिया है। आज यहां इंडिया बी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंडिया सी ने अच्छी शुरुआत के पहले विकेट लिये 96 रन जोड़े। नवदीप सैनी ने रजत पाटीदार (40) को बोल्ड कर इंडिया बी को पहली सफलता दिलाई। स्कोर में मात्र एक रन के इजाफे के बाद मुकेश कुमार ने साई सुदर्शन (43) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद इशान किशन और बाबा इन्द्रजीत ने पारी को संभला और दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिये 189 रनों की साझेदारी हुई। बाबा इंद्रजीत को राहुल चाहर ने

(78) पर आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।अभिषेक पोरेल (12) रन बनाकर आउट हुये। पांचवें विकेट के रूप में इशान किशन को (111) पर मुकेश कुमार ने बोल्ड आउट किया।

पहले दिन का खेल समाप्त होने पर इंडिया सी ने पांच विकेट पर 357 रन बना लिये है और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (नाबाद 46) और मानव सुथार (नाबाद आठ) बनाकर क्रीज पर है। इंडिया बी की ओर से मुकेश कुमार ने तीन विकेट लिये। नवदीप सैनी और राहुल चाहर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अनुशासित जीवन के लिए खेलों का विशेष महत्व : पठानिया

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा है कि अनुशासित और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन के लिए खेलों का विशेष महत्व है जिससे व्यक्ति भविष्य जीवन में वांछित लक्ष्य को प्राप्त हुए सफलता की मंजिल तक पहुंच सकता है।

श्री पठानिया ने यह बात राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परछोड़ में 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के स्कूली छात्रों की चार दिवसीय क्षेत्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उपस्थित खिलाड़ी छात्रों तथा स्थानीय वासियों को सम्बोधित करते हुए कही। इस प्रतियोगिता में 21 विद्यालयों के 287 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कबड्डी, वॉलीबाल, खो-खो, बैडमिंटन तथा कुश्ती खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

श्री पठानिया ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे खेल की बारीकियों को सीखते हुए सर्वश्रेष्ठ बनने की दिशा में आगे बढ़े। उन्होंने

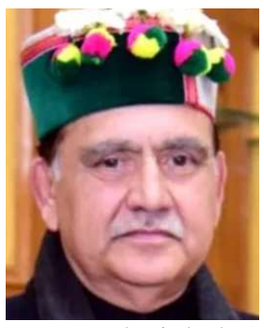

कहा कि आज खेल के क्षेत्र में भी बेहतर अवसर हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में सम्पन्न पैरा ऑलम्पिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे विश्व को अनुशासित, समर्पण नियमित अभ्यास से परिचित करवाया है तथा वेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए कई मैडल हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित पैरा ओलंपिक में जिला चंबा के गांव करियां निवासी खिलाड़ी ने भी बैडमिंटन खेल में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया है जो कि जिला चंबा सहित पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि जिला चंबा शिक्षा व खेल के क्षेत्र में निरंतर तरक्की कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने 20 माह के कार्यकाल में शिक्षण संस्थानों में अध्यापकों के अनेक रिक्त पदों पर नियुक्तियां की है तथा कई पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि चक्की खड्ड की चौनेलाइजेशन के लिए 80 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे इसके अलावा 640 रोड पर की लागत की निर्माणाधीन फिना सिंह सिंचाई परियोजना का कार्य अगले दो वर्षों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने घोषणा की की निकट भविष्य में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परछोड़ में अतिरिक्त भवन का निर्माण किया जाएगा तथा यहां पर साइंस व कॉमर्स की कक्षाएं भी शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष में राजकीय महाविद्यालय चुवाड़ी में पॉलिटिकल साइंस की पीजी कक्षाएं शुरू की जाएंगी। कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि कालीधार सड़क मार्ग की समस्या के स्थाई समाधान के लिए 30 करोड़ पर खर्च किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि चुवाड़ी-जोत-चंबा सुरंग निर्माण के लिए प्रदेश सरकार ने कंसल्टेंसी के लिए 4 करोड रुपए स्वीकृत किए हैं तथा निजी क्षेत्र के सहयोग से इस सुरंग के निर्माण के लिए प्रयास जारी हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। ऑलम्पिक्स, एशियाई तथा राष्ट्र मण्डल खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान राशि में जहां रिकॉर्ड वृद्धि की गई है वहीं खिलाड़ियों की डाईट मनी को बढ़ाकर उन्हें अपना बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों आधुनिक सुविधा युक्त खेल स्टेडियम निर्मित किए जा रहे हैं ताकि खिलाड़ियों को अच्छी सुविधाएं मिल सकें। विधानसभा अध्यक्ष ने युवाओं का आह्वान किया कि कि वे जीवन में कभी भी नशा न करने का प्रण ले तथा अन्य लोगों को ही इसके लिए प्रेरित करें।

मांडविया और लिएंडर पेस ने खेलों में देश के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने पर की चर्चा

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेमर लिएंडर पेस के साथ भारत में खेलों के भविष्य और ओलंपिक/पैरालंपिक में देश के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने की

रणनीति पर चर्चा की। इस बैठक के दौरान देश में खेलों की मजबूत नींव बनाने, जमीनी स्तर की प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें बढ़ावा देने पर बल दिया गया।केंद्रीय मंत्री ने महत्वाकांक्षी एथलीटों को विश्व स्तरीय सुविधाएं, कोचिंग और प्रतिस्पर्धी अवसर के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर सात ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके लिएंडर पेस ने उच्चतम स्तर पर सफल होने के अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि को डा. मांडविया के साथ साझा किया।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने दक्षिण कोरिया को 3-1 से हराया

एजेंसी

हुलुनबुइर (चीन)। मौजूदा चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को हराकर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में लगातार चौथी जीत दर्ज की है। आज यहां चीन के हुलुनबुइर में खेले गये मुकाबले में भारत ने दक्षिण कोरिया को 3-1 से हराया। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किए। भारतीय हॉकी टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। टीम ने पहले मैच में चीन, दूसरे में जापान और तीसरे में मलेशिया को शिकस्त दी थी। भारत का अगला लीग मुकाबला 14 सितंबर को पाकिस्तान के साथ है।लीग चरण के इस मुकाबले में अरिजीत सिंह हुंदल के आठवें मिनट में किए गए शानदार गोलकर भारत को बढ़त दिलाई। विवेक सागर प्रसाद जोरदार क्रॉस पास को हुंदल ने सर्कल के ऊपर से उठाकर गोल में डाला। इसके बाद हरमनप्रीत ने नौंवे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया। वहीं कोरिया के यांग जिहुन ने 30वें मिनट में गोल किया। 43वें मिनट में फिर हरमन ने गोल किया। हरमनप्रीत ने मुकाबले में अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागा।

मैच के हीरो भारत के सूरज करकेरा ने कहा, कोरिया को हराना आसान नहीं है, लेकिन आज हमारा मंत्र अच्छा बचाव करना था। दबाव के मामले में कोई दबाव नहीं है

क्योंकि कोच ने हमें अपना खेल खेलने की स्वतंत्रता दी है। हमने वर्षों से श्रीजेश के साथ प्रशिक्षण लिया है और हालांकि यह एक बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करते हैं।

द. अफ्रीका के साथ होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए राशिद की वापसी

एजेंसी

नयी दिल्ली। अफगानिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए लेग स्पिनर राशिद खान को 17 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मुख्य चयनकर्ता अहमद शाह सुलेमानखिल ने बताया मार्च में एकदिवसीय क्रिकेट में पर्दापण करने वाले ऑफ स्पिनर एएम गजनफर को भी टीम में जगह दी गई। राशिद खान चोटिल होने के कारण बीत कुछ समय से टीम से बाहर चल रहे थे उनके ठीक होने के बाद उन्हें टीम में जगह दी गई है। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 18 सितंबर से शुरू होगी। सभी मैच शारजाह में खेले जाएँगे। यह पहली बार होगा जब अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज में आमने-सामने होंगे। इससे पहले

दोनों टीमों के बीच 2019 और 2023 विश्वकप में मुकाबला हुआ था। दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के लिए अफगानिस्तान की टीम इस प्रकार है- हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), :रहमत शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज, इकराम अलीखिल, अब्दुल मलिक, रियाज हसन, दरवेश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, राशिद खान, नांगेयालिया खारोटे, एएम गजनफर, फजलहक फारुकी, बिलाल सामी, नवीद जदरान और फरीद अहमद।

आईएसएल : मोहन बागान और मुम्बई सिटी के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा नया सीजन

एजेंसी

कोलकाता। मोहन बागान सुपर जायंट और मुम्बई सिटी एफसी के बीच कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) में खेले जाने वाले दमदार मुकाबले से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन की शुरुआत होगी।

मोहन बागान ने 2020-21 और 2021-22 सीजन के शुरुआती मुकाबले केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ जीते थे लेकिन मुम्बई के खिलाफ उन्हें अपना रिकॉर्ड सुधारने की जरूरत है, क्योंकि उन्होंने अब तक अपने 10 मुकाबलों में से केवल एकबार मुम्बई सिटी एफसी को हराया है। हालांकि वो एकमात्र जीत बेहद महत्वपूर्ण थी, जो पिछले सीजन के दौरान अप्रैल में खिताब के

निर्णायक मैचमें मिली थी।

अपने नए हेड कोच जोस मोलिना के साथ मोहन बागान चैंपियनशिप को बचाने के लिए उत्सुक हैं। मोलिना ने 2016 में एटीके को कोचिंग दी थी और यह भारतीय फुटबॉल के मक्का कहलाने वाले कोलकाता में उनकी वापसी है। मोलिना ने मीडिया डे के दौरान आईएसएल से साक्षात्कार में कहा, ÷मैं 2016 के बाद आईएसएल में वापस आकर बहुत उत्साहित हूं। मोहन बागानभारत के सर्वश्रेष्ठ क्लबों में से एक है और हमेशा आईएसएल चैंपियनशिप के लिए संघर्ष करता रहता है। इस क्लब का साथ एक बड़ी जिम्मेदारी है।लेकिन मुझे कड़ी मेहनत करके टूर्नामेंट जीतने की उम्मीद है। मेरे यहां आने के बाद से खिलाड़ियों और लीग के स्तर में सुधार हुआ है। मैं यहां फिर सेआकर और भारतीय फुटबॉल को आगे बढ़ाने में योगदान करके बहुत खुश हूं। चेक कोच पीटर क्रेटकी की देखरेख मुम्बई सिटी एफसी ने 19 आईएसएल मैचों में 68.42त्न की दमदार आंकड़े के साथ जीत दर्ज की है। पिछले सीजन के बीच में हेड कोच पद संभालने और फिर आइलैंडर्स को आईएसएल कप तक पहुंचाने के बाद क्रेटकी इस बार एक कदम आगे जाकर शील्ड जीतने के लिए उत्सुक हैं। क्रैटकी ने मीडिया डे के दौरान आईएसएल को कहा, आईएसएल शील्ड जीतना हमेशा एक सपना होता है। हम ट्रॉफी जीतने के लिए फुटबॉल में हैं।मुकाबले अभी शुरू नहीं हुए हैं, लेकिन इस सीजन के लिए भी हमारे उच्च मानक हैं। बतौर कोच, मैं चाहता हूं कि हम हर खेल जीतें। हम इसे हासिलकरने की पूरी कोशिश करेंगे।

आयरलैंड की महिला टीम ने इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में हराया

एजेंसी

बेलफास्ट। एमी मैगुएर (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद कप्तान गैबी लुईस (72) रनों की शानदार अर्धशतक पारी की बदौलत आयरलैंड की महिला टीम ने इंग्लैंड को रोमांचक एकदिवसीय मुकाबले में हराया दिया है।

154 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की सलामी जोड़ी एमी हंटर और कप्तान गैबी लुईस ने अच्छी शुरुआत की। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिये 51 रन जोड़े। सातवें ओवर में फ्रेया केम्प ने एमी हंडर (18) को आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद मैडी विलियर्स ने ओर्ला प्रेंडरगैस्ट (11) को आउट कर दिया। लीह पॉल (22) रन बनाकर आउट हुई। इस दौरान कप्तान गैबी लुईस एक छोर पर डटी रही। नौंवें ओवर में 137 के स्कोर पर कप्तान गैबी लुईस के (72) के आउट होने के बाद लगातार तीन और

विकेट गिरने से आयरलैंड की टीम संकट में आ गई थी। हालांकि रेबेका स्टोकेल (नाबाद तीन) तथा अलाना डाल्जेल (नाबाद चार) टीम को जीत की ओर ले गई और आयरलैंड ने 22 ओवर में सात विकेट पर 155 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया। इंग्लैंड ने इस हार के बावजूद तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली है। इंग्लैंड की ओर से मैडी विलियर्स ने तीन विकेट लिये। लॉरेन फाइलर को दो विकेट मिले। फ्रेया केम्प ने एक बल्लेबाज को आउट किया। पिछले मैच 275 रनों से करारी हार झेलने के बाद बुधवार की रात तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज एम्मा लैम्ब का विकेट गवां दिया। इसके बाद टैमी ब्यूमोंट ने होली आर्मिटेज के साथ दूसरे विकेट के लिये 43 रन जोड़े। होली आर्मिटेज ने (15), पैगे स्कोल्फील्ड (21) और रयाना मैकडोनाल्ड-गे (17) रन बनाकर आउट हुई। टैमी ब्यूमोंट ने (52) रनों की पारी खेली। आयरलैंड के गेंदबाजी कहर के आगे इंग्लैंड के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। आयरलैंड के गेंदबाजों ने इंग्लैंड की पूरी टीम को 20.5 ओवर में 153 के स्कोर पर समेट दिया। आयरलैंड की ओर से एमी मैगुएर ने 3.5 ओवर में 19 रन देकर पांच विकेट लिये। फ्रेया सार्जेंट को दो विकेट मिले। ओर्ला प्रेंडरगैस्ट, अलाना डेलजेल और जेन मैगुइरे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

हांगकांग ओपन बैडमिंटन के अंतिम आठ में पहुंचे ओलंपिक चैंपियन एक्सेलसन

एजेंसी

हांगकांग। डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन ने हांगकांग ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने चीनी ताइपे के सु ली यांग को शिकस्त दी।

पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता दूसरे वरीयता प्राप्त एक्सेलसन ने 24-22, 21-6 से जीत हासिल की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सम्मानछठी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टीएन चेन से होगा। मैच जीतने के बाद एक्सेलसन ने कहा, ओलंपिक खेलों के बाद

मैंने पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं लिया। इसलिए लगातार दो मैच जीतना आसान नहीं है। मेरा लक्ष्य अपनी फॉर्म वापस पाना है।

गत चैंपियन इंडोनेशिया के जोनाटन क्रिस्टी ने डेनमार्क के रासमस गेमके को 21-12, 21-19 से हराया और उनका अगला मुकाबला पांचवीं वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका से होगा, जिन्होंने अपने जापानी हमवतन ताकुमा ओबायाशी को 19-21, 26-24, 21-11 से हराया। चीन के लेई लांक्सी ने पहला सेट गंवा दिया लेकिन दक्षिण कोरिया के जियोन ह्योक-जिन पर 17-21, 21-16, 21-14 से जीत हासिल की। उनका मुकाबला हांगकांग, चीन के ली चेउक यिउ से होगा। अन्य पुरुष क्वार्टरफाइनल इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका गिंटिंग और हांगकांग, चीन के जेसन गुनावान के बीच होगा। महिलाओं में, तीसरी वरीयता प्राप्त चीन के हान यू ने चीनी ताइपे के लियांग टिंग यू को 21-14, 21-13 से हराया। वह अगली बार जापान की पांचवीं वरीयता प्राप्त अया ओहोरी से भिड़ेंगी, जिन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हांगकांग, चीन की सलोनी समीरभाई मेहता को 9-21, 21-16, 21-12 से हराया।

क्यों बार-बार झूठ बोल रही हैं बिग बॉस ओटीटी 3 विनर सना मकबूल

बॉयफ्रेंड को कैमरे से रखती हैं दूर

बिग बॉस ओटीटी 3 विनर सना मकबूल लगातार चर्चा में बनी हुई हैं. शो जीतने के बाद सना मकबूल काफी बदली-बदली भी नजर आ रही हैं. खासतौर पर अपनी निजी जिंदगी को अब वो सभी से छिपाती हुई नजर आ रही हैं. बिग बॉस ओटीटी 3 जीतने के बाद सना ने सरेआम खुलकर कहा था कि वो अब बाहर जाते ही शादी करेंगी और अपनी लाइफ का नया चैप्टर ओपन करेंगी. लेकिन शो की ट्रॉफी हाथ आते ही सना के तो तेवर ही बदल गए. एक्ट्रेस अब अपने बॉयफ्रेंड बिजनेसमैन श्रीकांत बुरेड्डी के साथ तो होती हैं, लेकिन उन्हें कैमरे से छिपाकर रखती हैं.दरअसल हाल ही में अंकिता लोखंडे और विकी जैन ने अपने घर पर 'गणपति बप्पा' को स्थापति किया था. ऐसे में उन्होंने अपने सभी टीवी फ्रेंड्स को इनवाइट किया था. इस मौके पर निया शर्मा, अर्जुन बिजलानी, कश्मीरा शाह समेत कई टीवी एक्टर्स इस मौके पर शामिल हुए थे. वहीं अंकिता के घर पर बिग बॉस ओटीटी 2 की विनर सना मकबूल को भी देखा गया. सना ने बाकी सभी स्टार्स के साथ बप्पा की आरती भी की. लेकिन इस दौरान अंकिता लोखंडे सना के साथ आरती करने के लिए जिसे बुलाती नजर आईं, वो कोई और नहीं बल्कि श्रीकांत बुरेड्डी थे. श्रीकांत कैमरों से दूर खड़े थे. वो कैमरे के सामने अब सना के पास आने से बचते हैं. अंकिता के बुलाने पर भी वो आगे आरती के लिए नहीं आए.

श्रीकांत को कैमरों से दूर रखती हैं सना

इतना ही नहीं एक वीडियो वायरल हुआ था, जहां सना श्रीकांत के साथ बप्पा की आरती कर रही थीं और जैसे ही उनकी कैमरे पर पड़ी उन्होंने उसे तुरंत बंद करने को कहा था. इसके अलाना बप्पा के दर्शन के लिए बीते दिनों सना कई सितारें के घर पहुंची. बिग बॉस ओटीटी 1 की विनर दिव्या अग्रवाल के यहां भी वो पहुंची थी. लेकिन यहां भी वो अकेली नहीं थीं, बल्कि उनके साथ श्रीकांत मौजूद थे. वो बात अलग है कि वो कैमरों से खुद को बचाकर पीछे की तरफ बैठे नजर आ रहे थे.

क्यों बार-बार झूठ बोल रही हैं सना मकबूल ?

शो जीतने के बाद जब सिद्धार्थ कनन को दिए गए इंटरव्यू में सना तो श्रीकांत को पहचानने से भी मुकबर गई थीं. उनसे जब पूछा गया कि श्रीकांत कैसे हैं, तो वो सीधा बोलीं कौन श्रीकांत ? उनसे आगे कहा गया आपके दोस्त, आपके बॉयफ्रेंड. इसपर उन्होंने कहा वो सिर्फ उनके दोस्त हैं और कुछ नहीं. ऐसे में अब सवाल ये है कि जब सना मकबूल की लाइफ में कोई है और वो उनके साथ अक्सर नजर भी आती हैं, तो उन्हें बार-बार झूठ बोलने की क्या ही जरूरत हैं.

अरमान मलिक और पाययल मलिक ने किया था ट्रोल

इसकी एक वजह ये भी हो सकती है कि जब सना ने अपनी शादी की बात कही थी तो श्रीकांत ने भी कंफर्म किया था कि जल्द शादी करेंगे. लेकिन जैसे ही सभी को पता चला की श्रीकांत उनके बॉयफ्रेंड हैं, तो अरमान मलिक ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर उन्हें काफी ट्रोल भी किया था. अरमान का कहना था कि क्या सोचकर वो उससे शादी करने वाली है. इसपर पायल ने कहा था, मनी मनी.

शाहरुख खान की 'पठान' के गाने 'झूमे जो पठान' ने रचा इतिहास, यूट्यूब पर 100 करोड़ बार देखा गया

Shah Rukh Khan और उनकी फिल्में एक के बाद एक रिकॉर्ड तोड़ती हुई नजर आ रही हैं. पिछले साल जब शाहरुख 'पठान' के साथ बॉक्स ऑफिस पर आए, तो उनकी वापसी ने इंडस्ट्री को ही हिलाकर रख दिया. एक्टर की फिल्म ने सीधा 1000 करोड़ का छप्परफाड़ बिजनेस कर मेकर्स को मालामाल कर दिया. साल 2023 शाहरुख के लिए बेहद खास साबित हुआ. 'पठान' के बाद उन्होंने 1100 करोड़ी 'जवान' भी बॉक्स ऑफिस पर रिलीज की थी. इसी बीच शाहरुख ने एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर रही है.दरअसल 2023 के सबसे ट्रेंडिंग गानों में से एक, पिछले साल की मेगा-ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पठान' के गाने 'झूमे जो पठान' ने यूट्यूब पर एक बिलियन व्यूज यानी इसे 100 करोड़ बार देखा जा चुका है. शाहरुख की फिल्म का ये दूसरा गाना है जिसने इस बड़ी अचीवमेंट को हासिल किया है. अरिजीत सिंह, सुकृति कक्कड़, विशाल और शेखर ने इस गाने को गाया और कंपोज किया है. शाहरुख की 'पठान' का गाना 'झूमे जो पठान' 22 दिसंबर 2022 को यशराज फिल्म्स के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया था. जबकि फिल्म जनवरी साल 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

शाहरुख के गानों ने रचा इतिहास

'झूमे जो पठान' के रिलीज होते ही ये सोशल मीडिया से लेकर चार्टबस्टर तक पर ट्रेंड करने लगा था. सितारों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने इस गाने पर खूब रील्स भी बनाई थीं. गाने में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जबरदस्त कैमिस्ट्री देखने को मिली थी. बॉस्को सीजर ने इस गाने को कोरियोग्राफ किया है. ये शाहरुख खान का दूसरा गाना है एक अरब बार देखा गया है. इससे पहले शाहरुख खान और अनुष्का शर्मा की फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' का गाना 'तुझमें रब दिखता है' को 100 करोड़ बार देखा गया था.

वहीं अगर ओवरऑल बात की जाए तो ये 'झूमे जो पठान' यूट्यूब पर 1 बिलियन व्यूज पाने वाला 21वां इंडियन म्यूजिक वीडियो है. वहीं हनुमान चालीसा 4 बिलियन से अधिक व्यूज के साथ सबसे ज्यादा देखा जाने वाला वीडियो बना हुआ है. ये यूट्यूब पर 2+ बिलियन व्यूज वाला इकलौता इंडियन वीडियो है. शाहरुख खान की 'पठान' को सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया था और इसे यशराज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया था. शाहरुख-दीपिका के अलावा जॉन अब्राहम ने पिक्चर में विलेन का रोल निभाया था. हिंदी सिनेमा के इतिहास में 'पठान' दुनियाभर 1000 करोड़ की कमाई करने वाली दूसरी फिल्म है.

सलमान खान से टूटा रिश्ता तो क्रिकेटर को बनाया हमसफर, 14 साल भी नहीं टिकी थी शादी

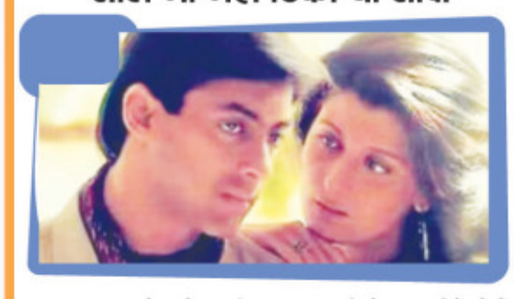

सलमान खान हमेशा से अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रहे हैं. उनकी लाइफ में कई लड़कियां आईं और गईं. इन्हीं में से उनकी एक गर्लफ्रेंड संगीता बिजलानी भी थीं. अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से लोगों का दिल जीतने वाली संगीता का नाम सलमान खान के साथ खूब लिया जाता है. दोनों की शादी तक की खबरें थीं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की शादी के कार्ड तैयार हो गए थे, लेकिन तभी सलमान खान और संगीता का रिश्ता टूट गया. ऐसा कहा जाता है कि सलमान ने पाकिस्तानी एक्ट्रेस सोमी अली के चक्कर में संगीता को धोखा दिया था. सलमान से ब्रेकअप के बाद संगीता ने शादीशुदा क्रिकेटर से शादी की थी, लेकिन उनकी शादी ज्यादा दिनों तक टिकी नहीं.संगीता बिजलानी पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन की दूसरी बीवी बनी थीं. एक्ट्रेस से शादी करने की वजह से अजहर ने पहली पत्नी नौरीन को तलाक दे दिया था. दोनों का तालाक उस वक्त सबसे महंगे तलाकों में से एक था. अजहर को तलाक के हर्जाने के रूप में नौरीन को करीब 1 करोड़ रुपए देने पड़े थे. इंडिया टुडे माइंड रॉक्स इवेंट के दौरान अजहरुद्दीन ने बताया था कि संगीता उनकी पहली नजर का प्यार थीं. अजहर ने कहा, मैं 1985 में एक ऐड शूट के दौरान संगीता बिजलानी से मिला था, हां, यह पहली नजर का प्यार था. कोई भी इस बारे में इतना खुलकर बात नहीं करताज्लेकिन मैं आपको बता रहा हूं.

फिल्मों की दुनिया को कह दिया था अलविदा

अजहर से 1996 में शादी करने के बाद संगीता ने इस्लाम कबूल कर लिया था. साथ ही उन्होंने फिल्मों की दुनिया को भी अलविदा कह दिया था. हालांकि शादी के 14 साल बाद दोनों का तलाक हो गया. दोनों के तलाक होने की वजह अजहर का अफेयर था. ऐसी खबरें थीं कि अजहर का अफेयर बैडमिंटन प्लेयर ज्वाला गुट्टा के साथ था, जिसकी वजह से संगीता ने उन्हें तलाक दे दिया था. अजहर को तलाक देने के बाद से संगीता आज तक अकेले रह रही हैं. वहीं अजहर ने अमेरिकी मूल की शेनन मेरी से शादी कर ली है.

सलमान खान और संगीता बिजलानी करने वाले थे शादी

सलमान खान और संगीता बिजलानी के रिश्ते ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं. दोनों का रिश्ता करीब 10 साल तक चला था. ऐसी खबरें थीं कि कपल्स 27 मई 1994 को शादी करने वाले थे. सलमान ने कुछ लोगों को शादी के कार्ड तक बांट दिए थे, लेकिन आखिरी मौके पर संगीता ने सलमान से रिश्ता तोड़ लिया.

'...मजबूत होकर वापस आएंगी', कैंसर से जूझ रहीं Hina Khan की ऑनस्क्रीन बेटी अशनूर ने बढ़ाया हौसला

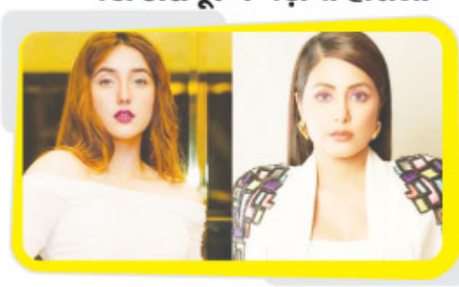

टीवी एक्ट्रेस हिना खान इस वक्त ब्रेस्ट कैंसर की स्टेज 3 से जूझ रही हैं. कुछ महीने पहले एक इवेंट के दौरान हिना को अपनी इस बीमारी के बारे में पता चला था, जिसके बाद से वह इससे बहादुरी से लड़ रही हैं. एक्ट्रेस अपनी इस जर्नी और इलाज से जुड़ी जानकारी फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. इस बीच टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में हिना खान की बेटी नायरा का किरदार निभाने वाली उनकी को-स्टार अशनूर कौर ने एक्ट्रेस की बीमारी पर बात की है.ईटाइम्स से बात करते हुए अशनूर कौर ने बताया कि उनकी हिना से बात होती है. अशनूर ने कहा, वह बहुत स्ट्रॉन्ग हैं और जल्द ही इस बीमारी से लड़कर और भी ज्यादा मजबूत होकर वापस आएंगी. उन्होंने कहा, वह हमेशा से हमारी शेरखान रही हैं और सबसे मजबूत महिलाओं में से एक हैं. वह कई लोगों के लिए प्रेरणा हैं और मैंने खुद इसका अनुभव उनके साथ काम करने से लेकर उन्हें कान्स फिल्म फेस्टिवल में जाते हुए देखने तक किया है. वह जहां भी जाती हैं, धमाल मचा देती हैं.

अशनूर ने कही ये बात

अशनूर कौर ने इंटरव्यू में बताया कि उनकी मां की भी हिना से बात होती है. उन्होंने कहा, मैं पूरे दिल से मानती हूं कि जिस तरह उन्होंने हर चीज का सामना किया है, हर मुश्किल का सामना किया है, वह निश्चित रूप से इस लड़ाई से पहले से कहीं अधिक मजबूत होकर उभरेंगी और बहुत जल्द वापसी करेंगी.

वीडियो किया था शेयर

हिना खान ने दो दिन पहले इंस्टा पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह एक्सरसाइज करती नजर आ रही थीं. वीडियो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, हर दिन आपको नीचे खींचने के लिए हजारों कारण सामने आ सकते हैं, लेकिन मेरे पास अपने भविष्य के लिए एक वादा है जिसे मुझे पूरा करना है और मैं प्रतिबद्ध हूं, क्या आप हैं ? यह पूरी तरह से मेरे डॉक्टर की सलाह और ट्रेनर की देखरेख में किया जाता है. केवल तभी जब मेरा शरीर अनुमति देता है.

कब दी थी कैंसर की जानकारी ?

हिना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 28 जून को कैंसर की खबर फैन्स से शेयर की थी. हिना ने पोस्ट में बताया, हाल ही में फैली अफवाहों को दूर करने के लिए, मैं सभी लोगों के साथ कुछ महत्वपूर्ण न्यूज शेयर करना चाहती हूं जो मुझसे प्यार करते हैं और मेरी परवाह करते हैं. मुझे स्टेज थ्री ब्रेस्ट कैंसर है. मैं इस बीमारी पर काबू पाने के लिए मजबूत, दृढ़ और पूरी तरह अटल हूं. मेरा इलाज शुरू हो चुका है, और मैं इससे और भी मजबूती से उबरने के लिए हर जरूरी काम करने के लिए तैयार हूं.